C M Y K

आज का विचार

जिम्मेदारियां भी खूब इम्तिहान लेती है, जो निभाता है उसे को परेशान करती है...।।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-228 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, गुरुवार 12 जून, 2025

पहला कॉलम

संस्कार नहीं देने से बच्चे सोनम बन जाते हैं - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। 'बच्चों को पढ़ाना-लिखाना, लेकिन संस्कार भी देना, बगैर संस्कार के बच्चे सोनम बन जाते हैं। सोनम ने हमारे इंदौर को कलंकित कर दिया। हम कहीं भी जाते हैं तो लोग इस घटना के बारे में पूछने लगते हैं।' ये बातें कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर विधानसभा क्षेत्र में एक आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही।

'एक रोटी कम खाना, लेकिन संस्कार देना', कैलाश विजयवर्गीय ने कहा

साथ ही उन्होंने कहा कि अब तो बात करने में शर्म आती है। अपने भाषण में कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि अगर बच्चों में संस्कार हो तो ऐसी घटना नहीं होगी। माता-बहनों एक रोटी कम खाना, लेकिन बच्चों को संस्कार जरूर देना। उन्होंने कहा कि बच्चे को अगर शिक्षा दे दी और संस्कार नहीं दिए तो वे पशु बन जाते हैं। पाश्विक जिंदगी जीते हैं।

'अगर शर्म, ममता नहीं हो तो ऐसी महिला पूतना', बोलें विजयवर्गीय - कनकेश्वरी देवी ने प्रवचन का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि कनकेश्वरी देवी ने कहा था कि महिला में अगर शर्म, ममता नहीं हो तो ऐसी महिला पूतना रहती है। पूतना भगवान कृष्ण को मारने के लिए दूध में जहर लेकर गई थी क्योंकि उसमें ममता नहीं थी।

दो पुलिसवालों को जबरन पिलाई शराब, जिंदा जलाने की कोशिश

दमोह। दमोह जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के गांव पैरवारा में दो पुलिस कर्मियों बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। मंगलवार देर रात जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच टकराव हो गया। डायल १०० को सूचना मिलने एक आरक्षक और डायल हंड्रेड के पायलट गांव पहुंचे। दबंगों ने उन्हें बंधक बना लिया। उनके साथ जमकर मारपीट की। उन्हें जबरदस्ती शराब पिलाई। एक ट्रैक्टर में आग लगा दी। दोनों पुलिस कर्मियों को जिंदा जलाने का प्रयास किया। काफी प्रयासों के बाद आरक्षक और पायलट जान बचाकर भागने में सफल हो पाए। पुलिस ने ३० लोगों पर मामला दर्ज किया है। आरोपी कल्याण उर्फ बबली लोधी और शालिग्राम लोधी को गिरफ्तार किया है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की रात करीब १२ बजे पैरवारा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद हो गया।

खरी-खरी

मोदी सरकार का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा है, भारत आज चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था- मुख्यमंत्री

0- संकल्प से सिद्धि अभियान...केन्द्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई, प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ पर आशीर्वाद

0- प्रदेश में पांच लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं, धान की खरीदी 31 सौ रुपए से कम नहीं होगी

रायपुर। केन्द्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने संकल्प से सिद्धि अभियान शुरू किया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ पर आशीर्वाद रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पांच लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। साय ने यह भी कहा कि धान खरीदी प्रति क्विंटल 31 सौ रूपए से कम नहीं होगी। मोदी सरकार का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा है। देश सक्षमता से उभरा है। आर्थिक क्षेत्र में जापान को पीछे छोडकर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले -संकल्प से सिद्धि- अभियान की जानकारी मीडिया से साझा करते हुए कहा कि धारा 370 हो, या सीएए का मामला, या फिर ट्रिपल तलाक का मसला हो, मोदी सरकार ने ताकत से पास कराया है। साय ने कहा कि सौभाग्य है कि

छत्तीसगढ़ की जनता ने विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के 16-17 महीने के कार्यकाल में पीएम के आशीर्वाद से मोदी की गारंटी को पूरा करने में सफल रहे हैं।

श्री साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के आवास का हक छीना था। शपथ लेते ही 18 लाख पीएम आवास निर्माण का फैसला लिया गया। आज पूरे प्रदेश में निर्माण का काम चल रहा है। हाल यह है कि मकान बनाने के लिए राजमिस्त्रियों की कमी हो गई है। सेनेटरी समान की कमी है। उन्होंने कहा कि पीएम के आशीर्वाद से धान की अंतर की राशि 33 सौ 16 करोड़ रूपए देने का काम भी सरकार ने किया है।

सीएम ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने एक हजार रूपए भेज रहे हैं। इससे महिलाएं स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। सिलाई मशीन आदि खरीदकर रोजगार आदि का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सारंगढ़ के पास गांव में तो महिलाएं चंदा एकत्र कर राम मंदिर बनवा रही हैं। साय ने कहा कि भूमिहीन मजदूरों के खाते में राशि जमा की जा रही है। उन्होंने रामलला दर्शन योजना का जिक्र किया, और कहा कि भांचा राम के प्रति लोगों का लगाव है, अब तक 22 हजार लोग प्रदेश से रामलला दर्शन के लिए अयोध्या जा चुके हैं।

श्री साय ने कहा कि सीएम दर्शन योजना भी शुरू की गई है। ताकि गरीब लोगों को उनकी इच्छा के मुताबिक तीर्थयात्रा दर्शन कराया जा सके। सीएम ने कहा कि वो खुद जनजाति समाज से आते हैं, और मोदी सरकार के कार्यकाल में जनजाति सम्मान बढ़ा है। समाज की महिला राष्ट्रपति के रूप में शीर्ष पद पर आसीन है। यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश भर के जनजाति गांव के विकास के लिए 80 हजार करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। छत्तीसगढ़ के 66 सौ गांवों में ग्राम उत्कर्ष योजना का फायदा मिलेगा। साय ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत किसानों को 6 हजार रूपए सालाना दिए जा रहे है।

श्री साय ने कहा कि प्रदेश में पांच लाख करोड़ का निवेश हुआ है। सेमीकंडक्टर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, और एआई डेका सेंटर की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में 47 हजार करोड़ की रेलवे परियोजना चल रही है। 38 स्टेशनों के कायाकल्प करने का काम चल रहा है। पांच का तो उद्घाटन हो चुका है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। पीएम के आशीर्वाद से बसव राजू, सुधाकरण जैसे शीर्ष नक्सल नेता खत्म हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक चार सौ से अधिक नक्सली मारे गए हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बारिश में थोड़ी दिक्कत रहती है, लेकिन नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। साय ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में पांच दिन के कामकाज की व्यवस्था को खत्म करने पर विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि कई अधिकारी-कर्मचारी संगठन उनसे आग्रह कर चुके हैं, सरकार इस पर विचार कर रही है।

सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में बुधवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में विधायक सुनील सोनी, नान के चेयरमेन संजय श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, मीडिया सलाहकार पंकज झा भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने की संकल्पना हो रही है पूरी - मुख्यमंत्री

00 मुख्यमंत्री अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के पदभार ग्रहण में हुए शामिल

00 अपेक्स बैंक की नई शाखा का किया वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड? का कार्य हमारी सरकार कर रही है। श्री साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके

माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए भारी-भरकम ब्याज दर से मुक्ति दिलाई और ब्याज दरों को लगातार कम कर किसानों को राहत दी। अब किसानों को कृषि कार्यों के लिए बिना किसी ब्याज के अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा खुलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि अब किसानों को बैंकिंग सुविधा के लिए 50-60 किलोमीटर दूर पत्थलगांव नहीं जाना पड़ेगा। इस पुनीत पहल के लिए उन्होंने सहकारिता विभाग को साधुवाद दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता का बीजारोपण करने वाले महान विभूतियों को पुण्य स्मरण करते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्री वामनराव लाखे और ठाकुर प्यारेलाल जैसे पुरोधाओं ने सहकारिता की नींव रखी, जिसका विकसित स्वरूप आज हम सभी देख रहे हैं। यह वर्ष सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष है, और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के प्रयासों से निश्चित रूप से इस क्षेत्र में चमत्कारिक परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के अथक प्रयासों से प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आई है। पूरे देश में वे पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने प्रति एकड़ 21 क्विंटल और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने सहकारिता को राज्य के अंतिम गांव तक पहुंचाने का कार्य किया है। अपेक्स बैंक प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर के साथ सबसे शक्तिशाली संगठन है और इसके माध्यम से अब तक 7 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का ऋण किसानों को उपलब्ध कराया गया है।

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से देश के हर एक नागरिक को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया और इसी का परिणाम है कि आज बिना किसी बिचौलिए के शत-प्रतिशत राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में अभी भी अपार संभावनाएं हैं और शत-प्रतिशत किसानों को सहकारिता और अपेक्स बैंक से जोड? का काम शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने सत्य साई हॉस्पिटल को 2.25 करोड़ रुपए की सहायता राशि सौंपी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में कार्यक्रम में मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने सीएसआर गतिविधियों के तहत राजधानी रायपुर के सत्य साई हृदय चिकित्सालय को 2.25 करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। पदभार ग्रहण समारोह में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री अनुज शर्मा, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक श्री सुनील सोनी, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री सुब्रत साहू और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कारोबारी अमन अग्रवाल गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के एक लोहा कारोबारी अमन अग्रवाल (32) को टैक्सचोरी मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई स्टेट जीएसटी के अ्धिकारियों ने की है। ज्वाइंट कमिश्नर नरेंद्र वर्मा ने बताया कि 2023-24, 2024-25 और 2025-26 में 262 करोड़ की खरीदी-बिक्री बोगस फर्मों से दिखाते हुए हेराफेरी किया गया है। जिससे 26 करोड़ की टैक्स गड़बड़ी पकडी गई है। बताया जा रहा है कि मृतक सदस्यों के नाम पर भी लेन देन दिखाया गया है।

पहला कालम

एक जुलाई से रेलवे आरक्षण का बदल जाएगा नियम

अब तत्काल टिकट ओटीपी के आधार पर होगा बुक

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
यात्रियों को तत्काल टिकट निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुलभ कराने और उनके हितों की रक्षा के लिए भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण संशोधनों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य उपयोगकर्ता सत?यापन बढ़ाना और योजना का दुरुपयोग रोकना है।

नए प्रावधान के मुताबिक आगामी एक जुलाई २०२५ से, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप द्वारा तत्काल टिकट बुकिंग केवल आधार सत?यापित उपयोगकताओं के लिए ही उपलब्ध होंगे।

इसके अलावा, १५ जुलाई २०२५ से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत?यापन अनिवार्य हो जाएगा।

वहीं कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकटों की बुकिंग के दौरान उपयोगकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत?यापन की आवश्यकता होगी।

यह प्रावधान भी १५ जुलाई २०२५ से लागू होगा।

इसके साथ ही नए नियम में

रेल आरक्षण के शुरूआती समय में बल्क (एक साथ बहुत सारे) बुकिंग रोकने के लिए, भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंटों को बुकिंग विंडो के पहले ३० मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एसी क्लास के लिए, यह प्रतिबंध सुबह १० बजे से १० बजकर ३० मिनट तक और गैर-एसी क्लास के लिए, सुबह ११ बजे से ११ बजकर ३० मिनट तक लागू होगा।

उक्त बदलाव तत्काल बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और सुनिश्चित करने के लिए लागू किए जा रहे हैं कि योजना का लाभ वास्तविक उपयोगकताओं को मिले।

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआरआईएस) और आईआरसीटीसी को इस बारे में आवश्यक प्रणालीगत संशोधन करने और सभी रेलवे जोन और संबंधित विभागों को सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं।

रेल मंत्रालय ने सभी यात्रियों से इन परिवर्तनों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है। असुविधा से बचने के लिए उसने आईआरसीटीसी उपयोगकताओं को अपने प्रोफाइल आधार नम्बर के साथ जोड़ने का आग्रह किया है।

दो कारों में 105 किलो गांजे के साथ तीन गिरफ्तार

रायगढ़। थाना प्रभारी प्रशांत राव को गुप्त सूचना मिली थी कि ओडिशा के कनकतुरा से दो कारों में गांजा रायगढ़ लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही एसपी पटेल के निर्देश पर डीएसपी अनिल विश्वकर्मा के पर्यवेक्षण में एक संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने बड़माल रेलवे लाइन के पास बैरिकेडिंग कर दोनों कारों स्विफ्ट डिजायर (ओआर 17 जी 4546) और ग्रैंड विटारा (सीजी 13 बीबी 9200) को रोका और तलाशी लेने पर 103 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 105 किलो निकला।

लूट के मामले मे शामिल आरोपी झारखण्ड से गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
थाना सीतापुर अंतर्गत लूटकांड के मामले मे सरगुजा पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है।

लूट के मामले मे शामिल आरोपी को झारखण्ड से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कृष्णा जशपुर के दोहरे हत्याकांड का आरोपी रहा है, आरोपी द्वारा पैसे लेकर कॉन्ट्रेक्ट किलिंग करने पर पूर्व मे जेल भेजा गया था। प्रकरण मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है जिसका पता तलाश किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी राधेश्याम गुप्ता निवासी नवापारा थाना सीतापुर के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि २७ फरवरी के रात्रि ०१:३० बजे तीन नकाबपोश व्यक्ति जिसने एक व्यक्ति चेहरा में कपड़ा बांधा हुआ था. दो व्यक्ति काला हेलमेट लगाये हुए थे तीनों काला एवं नीला रंग का जैकेट पहने हुए थे एक व्यक्ति तलवार तथा दो व्यक्ति देसी कटटा पकड़े हुए थे। घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देकर डरा धमकाकर सोने चांदी के जेवर तथा नगदी रकम कुल जुमला मशरुका लगभग १३ लाख रुपये किमती लूटकर ले गये हैं।मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर मे धारा ३३१(२), ३०९(४), २५४, ३१७(२) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के लिया गया।

मामले कों संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा मामले मे फरार आरोपियों कों शीघ्र गिरफ्तार किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, दौरान विवेचना आरोपी शिवा उर्फ डेविड एक्का एवं लखन उरांव को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जाने पर अन्य आरोपी चक्कु उर्फ तीरंदाज के साथ घटना दिनाक समय को सदर धारा की अपराध घटित करना स्वीकार किया गया। आरोपी शिवा से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर लुचकी घाट लाल माटी में स्कुटी लूट की घटना जिस पर थाना कोतवाली में धारा ३०९(९) बीएनएस पंजीबद्ध है ।चौकी केरजु में दिब्या कांत टोप्पो की घर में लुटपाट की घटना किया गया जिसमें चौकी केरजु में धारा ३३१(२), ३०९ (४) बीएनएस पंजीबद्ध है। नवापारा में प्रार्थी राधेश्याम गुप्ता के यहां लुटपाट की घटना थाना सीतापुर में धारा ३३१(२), ३०९(४) पंजीबद्ध है. राधापुर में राजेन्द्र अग्रवाल के घर लुटपाट डकैती की घटना घटित करना जो थाना सीतापुर में धारा ३०९ (४) बीएनएस पंजीबद्ध है जो अपराध घटित करना स्वीकार किया है, तथा आरोपी लखन उरांव के द्वारा नवापारा में प्रार्थी राधेश्याम गुप्ता के यहां लुटपाट की घटना करना तथा राधापुर में राजेन्द्र अग्रवाल के घर लुटपाट डकैती की घटना घटित करना जो थाना सीतापुर में धारा ३०९ (४) बीएनएस पंजीबद्ध है जो स्वीकार किये है। मेमोरेण्डम के आधार से आरोपी शिवा एक्का से नगदी रकम ७०० रुपए जप्त किया गया है एवं सोना चांदी जेवर की बिक्री झारखण्ड बुन्डु निवासी कृष्णा दास के माध्यम से शेख सफिउल्लाह उर्फ सफी निवासी चचकोपी झारखण्ड के मदद से सुशील मेटल सुशील प्रसाद ताम्रकार ईटकी महुवाटिकरा रांची झारखण्ड में बिक्री करना व घटना में प्रयुक्त संसाधान व आलाजरब हथियार कों छुपाकर रखना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी शिवा उर्फ डेविड एक्का के निशानदेही पर दुकानदार सुशील प्रसाद ताम्रकार से गलाया हुआ सोना ७१.६ ग्राम चांदी १९८.०० ग्राम कों खरीददार सुशील प्रसाद ताम्रकार से जप्त किया गया है। आरोपी लखन उराव के मेमोरंडम के आधार पर निशादेही पर घटना में प्रयुक्त सुपर स्पलेण्डर देशी कटटा तथा नगद पैसा ५००/- रुपये जप्त किया गया है। प्रकरण में सहयोगी शेख सफिउल्लाह उर्फ सफी के द्वारा यह जानते हुए कि लूट की संपति है सहयोग करते हुए लुटपाट की जेवर को सोनार के पास बिक्री करने व आरोपी को संश्रय देने से आरोपी शेख सकिउल्ला के विरुद्ध धारा २५४ बी.एन.एस. तथा लुटपाट की संपती के खरीददार सुशील प्रसाद ताम्रकार के विरुध्द धारा ३१७ बी.एन.एस. जोडी जाकर आरोपी शेख सफिउल्ला उर्फ सफी, सुशील प्रसाद ताम्रकार को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। मामले में आरोपियों से देशी पिस्टल, व कटटा बरामद किया गया है जिससे प्रकरण मे आर्म्स एक्ट की धारा २५, २७ जोड़ी गई है। मामले में लुटपाट की घटना में शामिल आरोपी चक्कु उर्फ तीरंदाज टोप्पो को पुलिस हिरासत में लेकर आरोपी चक्कु उर्फ तीरंदाज का मेमोरेण्डम कथन लिया गया एवं मेमोरेण्डम कथनानुसार आरोपी की निशानदेही पर लुटपाट का पैसा एवं सोना चांदी की बिक्री रकम के पैसा से खरीदा गया मारूती वेन कार को रजौटी में तथा एक चांदी का कटोरी, ०१ नग सोने का अंगुठी को घोघर घर अदर अटैची से निकालकर पेश करने पर गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है एवं आरोपी की निशानदेही पर बिक्री किया हुआ ०१ नग सोने की अंगुठी को वैष्णव ज्वेलर्स महादेवकांड से पेश करने पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। लूटपाट की अंगुठी खरीददार के द्वारा विवेचना में सहयोग हेतु तत्पर होने से ३५(१)(बी) बी. एन. एस. एस. के अंतर्गत कार्यवाही किया गया है। आरोपी चक्कु उर्फ तीरंदाज को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया था।

दौरान अग्रिम विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले मे शामिल आरोपी कृष्णा दास का पता तलाश कर आरोपी के सम्बन्ध मे तकनिकी जानकारी प्राप्त कर आरोपी के गिरफ़्तारी हेतु पुलिस टीम कों झारखंड रवाना किया गया था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी कृष्णा दास कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा होना नाम कृष्णा दास आत्मज गोविन्द दास उम्र ३७ वर्ष निवासी पुराना बाजार टोली बूंण्डू थाना बूंण्डू जिला रांची झारखण्ड का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से लुटपाट की सोना चांदी से प्राप्त रकम १०००/- रुपए नगद बरामद किया गया है, मामले मे अन्य आरोपी फरार है जिनका पता तलाश किया जा रहा है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक नंदकुमार प्रजापति, आरक्षक मनीष सिंह, विकाश मिश्रा, मनोहर पैकरा, धन्यकेश्वर यादव, कृष्ण खेस सक्रिय रहे।

जिम ट्रेनर की हत्या का प्रयास कर चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त करने के मामले मे 2 आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
हत्या का प्रयास कर चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त करने के मामले मे शामिल २ आरोपीयों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी मोनू साहू निवासी गहिरा गुरु आश्रम रिंग रोड थाना मणिपुर द्वारा दिनांक २३ मार्च कों थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी अग्रेसन चौक के पास स्थित जिम मे ट्रेनर का काम करता है कि घटना दिनांक २२ मार्च को रात्रि करीब ०९:०० बजे प्रार्थी जिम का कार्य खत्म कर अपने घर जाने के लिए अपने स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी/१५/डीजेड/९४३२ मे बैठा ही था कि मौके पर शामिल अन्य आरोपी प्रार्थी के स्कार्पियो वाहन का गेट खोलकर अंदर वाहन मे घुसकर प्रार्थी कों जान से मारने की नीयत से चाकू से वार किया जिससे प्रार्थी कों उसके हाथ मे चाकू से चोट लगा है, तब प्रार्थी हड़बड़ाते हुए किसी तरह अपने वाहन से बाहर निकलकर जिम की ओर भागने लगा तब बाहर मुकेश यादव, ललीत सोनी एवं अन्य प्रार्थी कों जान से मारने की नीयत से लोहे के रॉड, बेल्ट, फाइटर से हमला किये, प्रार्थी अपना किसी तरह से बचाव करते हुए मौके से भागकर जिम के अंदर जाकर छिप गया, तब आरोपियों द्वारा जिम के अंदर आकर प्रार्थी कों गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए बाहर निकले और प्रार्थी के स्कार्पियो वाहन के चारो ओर लगे कांच कों क्षतिग्रस्त कर दिए, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे धारा २९६, ३५१(३), १९१(२), १९११९(४), १९०, १०९ बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर गवाहों का कथन लेख किया गया, एवं प्रार्थी के नुकसान हुए स्कार्पियो वाहन का नुकसानी पंचनामा तैयार किया गया,प्रकरण के आरोपीगणों के खिलाफ साक्ष्य संकलित कर घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी फूटेज का अवलोकन कर मामले मे शामिल आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था, जो पुलिस टीम के सतत प्रयास से घटना मे शामिल आरोपी मुकेश यादव एवं ललित सोनी कों पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपियों द्वारा अपना नाम मुकेश यादव आत्मज सोबरन यादव उम्र २१ वर्ष निवासी न्यू बस स्टैंड गर्ल्स कॉलेज के पास अंबिकापुर ,ललित सोनी आत्मज भरत सोनी उम्र ३८ वर्ष निवासी दरीर्पारा फुलवारी रोड अंबिकापुर का होना बताये, विवेचना मे आरोपियों द्वारा घटना कारित किया जाना पाया गया है, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से प्रकरण मे आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है,

मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिनका पता तलाश किया जा रहा है, सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक वंश नारायण शर्मा, प्रधान आरक्षक सुधीर सिंह, आरक्षक रमन कुमार मण्डल, विवेक राय, नितिन सिन्हा, मनीष सिंह, लालभुवन सिंह सक्रिय रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने स्व विद्या भैया के साथ व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा उनके सूचना और प्रसारण मंत्री रहते अम्बिकापुर को आकाशवाणी केंद्र की सौगात मिली। झीरम घाटी में हुए हमले में उन्हें तीन गोलियां लगी थी। ८४ साल के विद्या भैया घायल अवस्था मे भी अपने साथियों की जान बचाने का प्रयत्न करते रहे।स्व शुक्ल की सालों तक केंद्रीय मंत्री के रूप में अविभाजित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।वे कुशल राजनेता और बेहतर प्रशासक थे।उन्होंने संचार,रक्षा, विदेश, वित्त,संसदीय कार्य, योजना मंत्री के रूप में लंबे समय तक काम किया।पुर सभापति ननि अजय अग्रवाल ने स्व शुक्ल को श्रद्धाजंलि दी। प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि विद्या भैया कुचल जननेता थे। उनके प्रभाव से तत्कालीन मध्यप्रदेश में भी वर्तमान छत्तीसगढ़ वर्चस्व रहता था। कार्यक्रम को हेमन्त सिन्हा,अरविंद सिंह गप्पू दुर्गेश गुप्ता, सत्येंद्र तिवारी, इरफान सिद्दकी,अशफाक अली ,शिव प्रसाद अग्रहरि,गीता रजक ने सम्बोधित किया। संचालन सेवादल के जिला संगठक लवकेश पासवान और आभार प्रदर्शन अमित वर्मा ने किया।कार्यक्रम पश्चात पूर्व पार्षद बालकेश्वर तिर्की के पिता के निधन पर दो मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजिल दी गयी। इस अवसर पर शफीक खान, मो इस्लाम, राम विनय सिंह,संजीव मंदिलवार, सुदामा कुर्रे,प्रमोद चौधरी,रजनीश सिंह, गुरप्रीत सिद्धू,जमील खान,संजय सिंह,अमित तिवारी,मो इमरान,हिमांशु जायसवाल, आशीष जायसवाल, अमित काका,अमित मिंज, विनोद एक्का, मिथुन सिंह,नरेंद्र विश्वकर्मा,अनिल सिंह,अमित सिंह रिंकू,निखिल विश्वकर्मा,विकास केशरी,विनोद भास्कर,धीरज गुप्ता, परवेज आलम, मंजू सिंह, प्रीति सिंह,उर्मिला विश्वास ,सरोज बड़ा सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर फूड ट्रैक फूड प्लाजा का शुभारंभ

बिलासपुर। यात्रियों को बेहतर खानपान सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर सेवाओं का विस्तार एवं उन्नयन करता आ रहा है। इसी क्रम में फूड प्लाजा जैसी आधुनिक सुविधा की शुरूआत यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर उपलब्ध कराई गई इस "फूड ट्रैक" फूड प्लाजा का विधिवत शुभारंभ आज दिनांक 11 जून को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक(यात्री सेवा) श्री कौशिक मित्रा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक(कोचिंग) श्री अनुपम दत्ता, आईआरसीटीसी के अधिकारी, पर्यवेक्षक, अन्य अधिकारी एवं रेल यात्रीगण भी उपस्थित थे। "फूड ट्रैक" फूड प्लाजा के शुभारंभ के साथ ही यात्रियों को अब और अधिक विविध एवं गुणवत्तापूर्ण खानपान का विकल्प प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर उपलब्ध हो गई है ।

अमेरा खदान के परसोढीकला में कोल सैंपलिंग के लिए पहुंची टीम पर ग्रामीणों ने बोला हमला

प्रोडक्शन इंचार्ज एवं ड्रिल ऑपरेटर को आई चोटें

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के अमेरा खदान में भूमि अधिग्रहण को लेकर प्रबंधन व ग्रामीणों के जारी विवाद के बीच सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने बुधवार को एकजुट होकर खदान के प्रोडक्शन इंचार्ज एवं ड्रिल ऑपरेटर पर हमला बोल गंभीर रूप से घायल कर दिया।हादसे में दोनों को चोटें आई हैं।घटना के तत्काल बाद मारपीट में आहत हुए ड्रिल ऑपरेटर एवं प्रोडक्शन इंचार्ज को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना की लिखित सूचना एसईसीएल प्रबंधन ने लखनपुर थाने में दे आरोपित ग्रामीणों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है ।बताया गया कि बुधवार को सीसीओ की टीम मुख्यालय से बिश्रामपुर पहुंची थी टीम के साथ खदान के अधिकारी कोल सैंपलिंग के लिए परसोढी कला गांव पहुंचे थे यहां ड्रिल मशीन के साथ अधिकारी कोल सैंपलिंग के कार्य में जुटे हुए थे तभी अचानक सौ सवा सौ की संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर खदान की ओर बढ़ने लगे ग्रामीणों का रुख देखकर कुछ अधिकारी

मौके से सरक लिए लेकिन खदान का प्रोडक्शन इंचार्ज और ड्रिल ऑपरेटर फंस गया ग्रामीणों के हमले में प्रोडक्शन इंचार्ज रमेश कुमार धीवर और ड्रिल ऑपरेटर को चोटें आई है।बताया गया कि ग्रामीणों के लाठी डंडे से किए हमले में प्रोडक्शन इंचार्ज का सिर फट गया है वही ऑपरेटर को हाथ में चोटे आई है।बता दें कि अमेरा में लंबे समय से भूमि अधिग्रहण का विवाद चल रहा है।अमेरा में कोयला उत्पादन का कार्य पूरा कर लिए जाने के बाद खदान का विस्तार परसोढीकला में होना है यहां कंपनी ने काफी पहले मुआवजा का वितरण कर दिया है लेकिन अधिग्रहित भूमि पर ग्रामीणों द्वारा कब्जा नहीं छोड़ने के चलते ग्रामीणों का प्रबंधन से आमना सामना होता रहा है करीब आठ वर्ष पूर्व भी इसी परसोढी गांव में भूमि अधिग्रहण के लिए सर्वे करने पहुंची टीम तत्कालीन सहक्षेत्र प्रबंधक आरपी शाहा एवं क्षेत्र के नोडल ऑफिसर भू राजस्व अंजीत सिंह पर ग्रामीणों ने हमला बोल जख्मी कर दिया था।बता दे कि अधिग्रहित भूमि का आधिपत्य नहीं मिलने से अमेरा खदान करीब सात वर्षो तक बंद रही अभी गत वर्ष शासकीय भूमि के कुछ हिस्से का क्लियरेंस मिलने के बाद गत जनवरी माह में यह खदान फिर से शुरू हुई हैजहां कोयला उत्पादन का कार्य वर्तमान में चल रहा है।

अमेरा के सहक्षेत्र प्रबंधक राजेश खन्ना ने बताया कि टीम कोल सैंपलिंग कर लौट रही थी तभी ग्रामीणों ने हमला कर दिया जिससे खदान डिप्टी मैनेजर माइनिंग रमेश कुमार धीवर चोटिल हुए हैं।

सस्पेंस और कॉमेडी से भरा सप्ताह सिर्फ एण्डटीवी पर

मुंबई। एण्डटीवी के शोज चभीमाच, च्हप्पू की उलटन पलटनच और चभाबीजी घर पर हैंच की आने वाली कहानियों में मनोरंजन का स्तर एक अलग मुकाम पर होगा। एण्डटीवी के शो चभीमाच के बारे में, मेवा की भूमिका निभा रहे अमित भारद्वाज ने बताया कि कैलाशा बुआ (नीता मोहिन्द्रा) दूसरे गांव के अन्य समुदाय से मजदूर लाने की धमकी देती है, लेकिन विशम्भर (विक्रम द्विवेदी) उसे उनकी पुराने दौर की एकता याद दिला देता है। भीमा (तेजस्विनी सिंह) अपने इरादों पर कायम है और कुंदन तथा छबीला के साथ मिलकर पशुओं का चमड़ा हटा देती है। ऊँची जाति के एक विवाह समारोह में रमेश उससे प्रभावित होता है। कैलाशा बुआ गुस्से में आकर भीमा का उत्साह तोड़ने के लिये मेवा (अमित भारद्वाज) का अपहरण करवा देती है। मेवा की रिहाई के बदले वह चाहती है कि भीमा यह लड़ाई छोड़ दे और अपने समुदाय के लोगों पर दबाव बनाये कि वे बिना मजदूरी मांगे पशुओं की खाल उतारते रहें। एण्डटीवी के च्हप्पू की उलटन पलटनच की आगामी कहानी के बारे में हिमानी शिवपुरी, ऊर्फ कटोरी अम्मा ने बताया कि मलाइका (सोनल पंवार) एक लड़के से टकराती है और उस लड़के को तुरंत उससे प्यार हो जाता है। वह लड़का दक्षिण भारत का है और काम करने के लिये कानपुर आया है। वह मलाइका को प्रपोज करता है, लेकिन वह मना कर देती है। इस बीच, मलाइका के परिवार को उसकी शादी की चिंता है और उस पर लगातार सेटल होने

का दबाव बनाया जा रहा है। इससे बचने के लिये मलाइका झूठ बोलती है कि वह पहले से किसी को पसंद करती है। यह सुनकर उसका परिवार लड़के से मिलने की जिद करता है। हालांकि, लड़के के परिवार की एक शर्त है कि उनका बेटा दक्षिण भारतीय परिवार में ही शादी करेगा। उन्हें इम्प्रेस करने के लिये हप्पू (योगेश त्रिपाठी) और उसका परिवार दक्षिण भारतीय होने का नाटक रचते हैं। लेकिन अपनी सारी कोशिशों के बावजूद, वे बड़ी मजेदार गलतियाँ कर बैठते हैं। एण्डटीवी के शो चभाबीजी घर पर हैंच के बारे में रोहिताश्व गौड़, ऊर्फ मनमोहन तिवारी ने कहा कि तिवारी (रोहिताश्व गौड़) को पता चलता है कि अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) को दक्षिण भारतीय लोग खासतौर से पसंद हैं। अनीता को इम्प्रेस करने के लिये वह कहता है कि उसका एक दोस्त साउथ की फिल्म इंडस्ट्री में स्टंट मास्टर है और अभी कानपुर में ही शूटिंग कर रहा है। अनीता रोमांचित होकर तिवारी के इस दोस्त से मिलने की इच्छा जताती है। अपना झूठ कायम रखने के लिये तिवारी एक दक्षिण भारतीय पुरुष की वेशभूषा में आ जाता है। वह अंगूरी (शुभांगी अत्रे) से कहता है कि कुछ लोग उसके पीछे पड़े हैं और उनसे बचने के लिये उसने यह वेशभूषा बनाई है। इसी रूप में वह अनीता से मिलता है और उसका दिल जीतने की कोशिश करता है। इस बीच, विभूति को अंगूरी के घर में एक अनजान आदमी दिखाई देता है और उसे शक होता है। वह अजनबी का पीछा करता है। उसी वक्त हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) को कानपुर में छुपे एक दक्षिण भारतीय अपराधी को पकड़ने का मिशन दिया जाता है। जाँच में उसे पता चलता है कि एक दक्षिण भारतीय आदमी तिवारी के घर में रह रहा है। अब क्या होगा?

अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

महोत्सव में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ आयोजन, शोधार्थियों ने रामगढ़ के सम्बंध में शोध पत्रों का किया वाचन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का भव्य शुभारंभ प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आषाढ़ माह के प्रथम दिवस पर

बुधवार को अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखण्ड में स्थित भारत की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात रामगढ़ में रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता है। रामगढ़ की पहाड़ियों में महाकवि कालिदास ने खंडकाव्य मेघदूत की रचना की थी। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान राम के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे लिए खुशी की बात है कि आज रामगढ़ महोत्सव की स्वर्ण जयंती है। महोत्सव में हमारे शोधकर्ता अपने-अपने शोध का पाठन करते हैं, जिसमें हमें रामगढ़ के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष से महोत्सव के दोनों दिवस का कार्यक्रम रामगढ़ में ही हो रहा है, इन दो दिवसों में शोध, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई आयोजन होंगे। उन्होंने आगे कहा कि रामगढ़ की भव्यता को और विकसित करने यहां श्री राम मन्दिर का निर्माण किया जाएगा, जिसका भूमिपूजन भी किया गया है। इसमें शासन-प्रशासन से सहयोग मिल रहा है, उन्होंने उपस्थित जनों से आग्रह करते हुए कहा कि आप सब भी इसमें सहयोग करें। ताकि आप सभी को महसूस हो कि आपने इस मंदिर को बनवाया है। उन्होंने बताया कि ऊपर स्थित राम मंदिर में भी सुगम व्यवस्था हेतु जल्द काम शुरू होगा। जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है, इसमें रेलिंग, सीढ़ी, शेड आदि का निर्माण सहित मरम्मत कार्य किए जाएंगे। रामगढ के विकास में हमारी ओर से किसी प्रकार की कमी नहीं रहेगी।

पार्षद श्री आलोक दुबे ने कहा कि यह वर्ष रामगढ़ महोत्सव का पचासवाँ साल है इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। रामगढ़ रामवनगमन पथ का हिस्सा है, जिन क्षेत्रों से प्रभु राम गुजरे हैं यह क्षेत्र उन्हीं में से एक है। इसकी महत्ता को देखते हुए यहां भगवान श्री राम का एक विशाल मंदिर बनाया जाएगा, बहुत जल्द ही राम मंदिर को मूर्त रूप मिलेगा। कालिदास की महान रचना में यक्ष एवं यक्षिणी का प्रसंग यहां रामगढ़ में मिलता है, आने वाले समय में इसकी महीमा और बढ़ेगी।

कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन में आयोजित रामगढ़ महोत्सव के शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने प्रशासकीय प्रतिवेदन पढ़कर रामगढ के इतिहास एवं कार्यक्रम की रूपरेखा के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, नगर पालिका निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, श्रीमती रायमुनिया करियाम एवं श्री प्रदीप सिंह, जनप्रतिनिधि श्री करता राम गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं उदयपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंहदेव, सरपंच पूटा श्री नंदराम, अपर कलेक्टर सरगुजा श्री ए. एल. ध्रुव, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिले के अधिकारी-कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे।

विभागीय स्टॉल में शासकीय योजनाओं की मिली जानकारी

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉल का निरीक्षण किया गया। वन विभाग, उद्यान विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, हस्तशिल्प विभाग, रेशम विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला पंचायत के स्टॉल लगाए गए। जिसमें विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में आमजनों को जानकारी दी गई तथा सामग्रियां प्रदर्शित की गई।

शोध पत्रों का किया गया वाचन- इस अवसर पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया, रामगढ़ के विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य सहित अन्य राज्यों से आए शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर भोपाल से आए आचार्य डॉ नीलिम्प त्रिपाठी,बनारस से डॉ शैलेष कुमार तिवारी , रायपुर के डॉ ललित शर्मा सहित अन्य शोधार्थियों ने शोधपत्रों का वाचन किया। शोधार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम-

इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जिसमें विद्यालयीन-महाविद्यालयीन, ख्याति प्राप्त स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोहा। इस अवसर पर लोक कलाकार श्री संजय सुरीला ने लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। राहुल मण्डल एवं टीम द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई, वहीं नृत्यांगना रित्विका बनर्जी ने शास्त्रीय नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। सूर्यप्रताप शर्मा ने शिव तांडव, स्कूली छात्र- छात्राओं के द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं।

छोटी खबरें

कुरूडीह पंचायत कीचड़ से बेहाल, नालियां जाम, राह चलना मुश्किल

कोरबा अम्बिकावाणी- जनपद कोरबा अंतर्गत कुरूडीह पंचायत में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी एक बार फिर सामने आई है। हाल ही में हुई हल्की बे-मौसम बारिश के बाद पंचायत की मुख्य सड़कों पर कीचड़ का अंबार लग गया है, जिससे आमजनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बनी नालियों की समय पर सफाई नहीं की गई, जिसके चलते वर्षा जल का निकासी मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। पानी भरने के कारण सड़कें दलदल में तब्दील हो गई हैं। लोगों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पंचायत द्वारा नालियों की सफाई कराने के बजाय सड़कों पर लाल ईंटों का मलबा डलवा दिया गया, जिससे जलनिकासी पूरी तरह बाधित हो गई। फिसलन के कारण कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द से जल्द समाधान की मांग की है। साथ ही स्वच्छता और जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब समय आ गया है कि जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय की जाए।

ड्यूटी के बाद सो रहे एएसआई की नृशंस हत्या, आरोपी को उम्रकैद

बांगो थाना में पदस्थ एएसआई नरेंद्र कुमार परिहार की धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर किया हत्या, हथियारों की तलाश में जुटी पुलिस

कोरबा अम्बिकावाणी - थाना बांगो स्थित पुलिस बैरक में ड्यूटी उपरांत विश्राम कर रहे सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) नरेंद्र सिंह परिहार की नृशंस हत्या के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह दिल दहला देने वाला हत्याकांड ९-१० मार्च २०२३ की रात घटित हुआ था, जब आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर एएसआई की हत्या कर दी थी।

मामले की विवेचना तत्कालीन पुलिस अधीक्षक यू. उदयकिरण के निर्देशन में कटघोरा एसडीओपी ईश्वर प्रसाद त्रिवेदी, बांगो थाना प्रभारी अभय सिंह बैस एवं साइबर टीम की निगरानी में की गई।

ग्राम ठीहाईपारा, कोनकोना निवासी आरोपी को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर साइबर टीम की मदद से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। प्रकरण की सुनवाई तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कटघोरा एच.के. रात्रे की अदालत में हुई। अदालत ने आरोपी को धारा ४५० के तहत ७ वर्ष का कठोर कारावास तथा धारा ३०२ के तहत आजीवन कारावास एवं जुमार्ना की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक दिलीप झा ने प्रभावी पैरवी कर आरोपी को सजा दिलवाई।

मौसी के गांव मेहमानी में आया युवक बना हत्या का शिकार, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के चौकी कोरबी, थाना पसान क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोठीखर्रा में मेहमानी में आए युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने इस अज्ञात हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घूराऊ राम धनवार, निवासी ग्राम घुमानीडॉड (थाना बांगो) ने ९ जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पुत्र जानसाय उर्फ छोटू धनवार, ६ जून को अपनी मौसी फुलसुंदरी बाई धनवार के यहां कोठीखर्रा गांव गया था। ८ जून की रात खाना खाकर वह टहलने निकला, लेकिन फिर लौटकर नहीं आया। अगली सुबह उसकी लाश मोहन राम धनवार के आंगन में खाट पर पड़ी मिली। शव पर लाठी-डंडे से मारपीट के गंभीर निशान थे। मामले में चौकी कोरबी में अपराध क्रमांक १०८/२०२५ धारा १०३(१), २३८ क्व्हस्र के तहत

मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर के पर्यवेक्षण तथा बांगो थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा व कोरबी चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

तकनीकी साक्ष्यों और सघन पूछताछ के आधार पर संदेही मोहन राम धनवार (४५ वर्ष), निवासी कमीपारा को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि पूर्व में जानसाय उसके घर खपरा लगाने का कार्य कर चुका था और ८ जून की रात शराब के नशे में गाली-गलौज करने पर उसने गुस्से में आकर लाठी व नुकीली छड़ से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त लाठी और खून से सने कपड़े जब्त कर लिए हैं। आरोपी को ११ जून को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष की जीत पर सचिव संघ ने किया भव्य सम्मान, सचिवों ने दिखाई एकजुटता

कोरबा अम्बिकावाणी- प्रदेश पंचायत सचिव संघ, जिला कोरबा इकाई द्वारा ११ जून बुधवार को बांगो गेस्ट हाउस में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हाल ही में निर्वाचित हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह के सम्मान में आयोजित किया गया, जिनका संघ की ओर से गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. पवन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय जनपद सदस्य भोला गोस्वामी और विष्णु यादव शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता सचिव संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद हसन ने की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जयपाल सिंह कंवर, जिला सचिव राजकुमार रजक, ब्लॉक सचिव राजेंद्र कुमार पेंद्रो, ब्लॉक

उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह श्याम सहित जिले के सभी पांचों ब्लॉकों के अध्यक्ष रामकुमार टेकाम, विजय एक्का, संतोष दीवान, गीतेंद्र जायसवाल, मधुसूदन यादव, मुखीसिंह, छतरपाल सिंह, और हरिसिंह सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। जिले भर से आए सैकड़ों पंचायत सचिवों ने समारोह को सफल बनाकर एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सरपंच, जनपद सदस्य, एवं मंझवार समाज के प्रतिनिधि भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने पंचायत सचिवों की भूमिका को जमीनी प्रशासन की रीढ़ बताते हुए उनके हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। डॉ. पवन सिंह ने अपने संबोधन में सचिव संघ को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

कॉलेजों में प्रथम चरण का प्रवेश 26 जून से

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय का ऑनलाइन पोर्टल ओपन है। प्रथम चरण की सूची महाविद्यालयों को 25 जून को प्रदान की जाएगी और मेरिट लिस्ट 26 जून को जारी होने के साथ प्रवेश शुरू होगी। प्रथम चरण में 8 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा। प्रवेश तीन चरणों में होगी। अधिसूचना के अनुसार द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए महाविद्यालयों को 8 जुलाई को सूची प्रदान की जाएगी। 9 जुलाई को मेरिट लिस्ट जारी होने के साथ द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। 14 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा। तृतीय चरण में 14 जुलाई को कॉलेजों को सूची जारी की जाएगी। जुलाई को मेरिट लिस्ट जारी होने के साथ प्रवेश शुरू होगी जो 25 जुलाई तक जारी रहेगी। 25 जुलाई को रिक्त स्थान सभी वर्गों के लिए खोल दिया जाएगा, जिसको महाविद्यालय के प्राचार्य नियमानुसार अपने स्तर पर पूर्ण करेंगे। स्नातक और स्नातकोत्तर सेमेस्टर प्रणाली कक्षाओं के लिए ऑनलाइन प्रवेश शासन द्वारा जारी प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत सत्र 2025-26 के अनुरूप होगा। विश्वविद्यालय के लिखित अनुमति लिए बिना कोई भी महाविद्यालय ऑफलाइन प्रवेश प्रदान नहीं करेंगे।

रायपुर जिले में खुलेंगी 7 नयी शराब दूकाने, आबकारी विभाग ने जारी की निविदा

रायपुर। रायपुर जिले में 7 नयी शराब दूकानें खोलने का शासन ने निर्णय लिया है जिसके तहत दुकानों के खोले जाने को लेकर इच्छुक भवन परिसर मालिकों से निविदाएं आमंत्रित की गई है। जिले में कुल 7 शराब दुकानें खोली जानी है जिनमें से 6 आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

शराब दुकान खोले जाने की महज घोषणा से आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण खौली, पलौद, भैंसा, समोदा, टेमरी और दोदेखुर्द में ग्रामीणजन काफी असहजता महसूस कर रहे है। उल्लेखनीय है कि इन गांवों में शराब बंदी को लेकर महिलाएं पहले से ही लामबंद है। ग्राम खौली सहित पलौद व नया रायपुर सेक्टर - 9 में कंपोजिट देशी मदिरा दूकान व भैंसा तथा समोदा में कंपोजिट विदेशी मदिरा दूकान जहां खुलेगा वहीं अन्य विधानसभा क्षेत्र के एक ग्राम टेमरी में कंपोजिट विदेशी मदिरा दूकान व एक ग्राम दोदेखुर्द में कंपोजिट देशी मदिरा दूकान खुलेगा। कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) के नाम से उपायुक्त आबकारी के हस्ताक्षर से बीते कल 10 जून को जारी निविदा में आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ के द्वारा जारी किये गये ।

अपनी खुशी का रिमोट दूसरों के हाथों में न सौपें - अदिति दीदी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नारायणा हास्पीटल के सामने सुनिता हाईट्स देवेन्द्रनगर में स्थित सेवाकेन्द्र में तनाव मुक्त जीवन विषय पर आयोजित -राजयोग अनुभूति शिविर का शुभारम्भ शहीद हेमू कालाणी वार्ड की पार्षद कृतिका जैन, ब्रह्माकुमारी गंगा दीदी, ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी और बग्रह्माकुमारी सुनिता दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया।

ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा कि खुशी हम आत्माओं का स्वाभाविक गुण है। इसे बाहर ढूँढने की जरूरत नही है। जब हम भौतिक पदार्थों में या किसी बाह्य वस्तुओं में खुशी को ढूँढने लगते है तब हम अपना रिमोट दूसरों के हाथों में सौप देते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जीवन में खुशी का होना बहुत जरूरी है। यह हमें तनाव से भी दूर रखता है। उन्होंने आगे बताया कि तनाव हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। कोविड के दौरान हमने देखा कि कैसे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण लोग कोविड का शिकार बन रहे थे और अपनी जान गंवा रहे थे। स्वस्थ रहने के लिए अपने मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है। यदि बहुत गुस्सा आता है, चिड़चिड़ हो रहे हैं, अकेलापन महसूस हो रहा है, मन में किसी प्रकार का डर बना रहता है या आत्महत्या का विचार आता है तो समझ लेना चाहिए कि मनोबल कमजोर है। यह सभी तनाव के लक्षण हैं। मनोबल को मेडिटेशन के द्वारा बढ़ाने की जरूरत है।

इस अवसर पर उपस्थित पार्षद कृतिका जैन ने कहा कि हमें चिन्ता नहीं बल्कि चिन्तन करने की आवश्यकता है। चिन्ता हमें अस्वस्थ करता है। इसलिए चिन्ता को चिता समान माना जाता है। देवेन्द्र नगर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी गंगा दीदी ने कहा कि आजकल प्रतिस्पर्धा के युग में जीवन के हर क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण तनावजन्य परिस्थितियाँ भी बढ़ती जा रही हैं। ऐसे वातावरण में शान्ति की गहन अनुभूति करने के लिए राजयोग का अभ्यास सभी के लिए बहुत लाभकारी है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड की दूसरी मुख्य परीक्षा 8 जुलाई से

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मं ड ल (माशिमं) की दूसरी मुख्य परीक्षा 8 जुलाई से आयोजित की जाएगी। 12वीं की परीक्षा 8 जुलाई और 10वीं की परीक्षा 9 जुलाई प्रारंभ होगी। गत वर्ष से पूरक परीक्षा के बजाय माशिमं द्वारा दूसरी बार बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। दूसरी परीक्षा के लिए फॉर्म भी भरे जा रहे हैं। सामान्य शुल्क के साथ फॉर्म भरने की अंतिम तिथि खत्म हो चुकी है। अब विलंब शुल्क के साथ 20 जून तक तथा विशेष विलंब शुल्क के साथ 21 से 30 जून तक फॉर्म भरे जा सकते हैं। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित होगी।

माशिमं ने दूसरी मुख्य परीक्षा की समय सारणी जारी कर दी जिसमें कक्षा 12वीं की परीक्षा 8 जुलाई से प्रारंभ होकर 22 जुलाई तक चलेगी। वहीं 10वीं की परीक्षा 9 जुलाई से 21 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में पहली परीक्षा में अनुत्तीर्ण के अलावा पूरक तथा कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी श्रेणी सुधार के लिए सम्मिलित हो सकेंगे।

समय सारणी कक्षा बारहवीं

8 जुलाई- हिन्दी, 10 जुलाई अंग्रेजी, 11 जुलाई संस्कृत, 12 जुलाई- इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं गणित, ड्राइंग एंड पेंटिंग, आहार एवं पोषण, 14 जुलाई- मराठी, उर्दू, पंजाबी, सिंधी, बंगाली, गुजराती, तेलगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, उडि?ा, 15 जुलाई-भूगोल,

शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले आश्रम-छात्रावासों की कराएं साफ-सफाई और रंग-रोगन : मंत्री नेताम

00 शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले आश्रम-छात्रावासों की कराएं साफ-सफाई और रंग-रोगन

रायपुर। आदिम जाति मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा है कि आश्रम-छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के लिए नये शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने से पहले राज्य के सभी आश्रम-छात्रावासों की मरम्मत, साफ-सफाई, पेयजल, रंग-रोगन आदि की व्यवस्था कर ली जाए। उन्होंने नवा रायपुर में विभागीय काम-काज की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आश्रम-छात्रावासों के नियमित निरीक्षण और रख-रखाव कराने के निर्देश दिए।

आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने कहा है कि आदिम जाति कल्याण विभाग में आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने वाले अधीक्षकों की पदस्थापना के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया अपनाई जाए। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से एक दिन आश्रम-छात्रावास में समय बिताने और विद्यार्थियों के साथ भोजन करने को भी कहा। श्री नेताम ने बैठक में कहा कि आगामी दो वर्षों में सभी आश्रम छात्रावासों के लिए भवन निर्माण किया जाना है, इसलिए भवनविहिन आश्रम-छात्रावासों का चिन्हांकन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन आश्रम-छात्रावासों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है वहां रहने वाले छात्रों के लिए अतिरिक्त भवन अथवा कमरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री नेताम ने राज्य में प्रयास विद्यालयों की व्यवस्था और रख-रखाव के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में छात्रों को अखिल भारतीय इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थान के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कराने कहा।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि आगामी 15 जून से प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर 15 जून से शुरू होगी। राज्य में 16 और 17 जून को दो दिवसीय राज्य स्तरीय अभियान चलाया जाएगा, वहीं जिला स्तर पर 17 से 20 जून और विकासखण्ड स्तर पर 20 से 30 जून तक चलेगा। इस अभियान के तहत पीएम जनमन योजना से छुटे हुए जनजातीय परिवारों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वनाधिकार पत्र जैसे दस्तावेज बनाए जाएंगे। शासकीय योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मंत्री श्री नेताम ने सिकलसेल और टीव्ही मुक्त भारत अभियान के प्रति भी बच्चों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि निर्धारित मीनू के आधार पर आश्रम और छात्रावास के बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाए। आश्रम-छात्रावासों की दीवारों पर महापुरूषों के संदेशों का लेखन किया जाए।

साथ ही बच्चों में शैक्षणिक क्षमता को बढ़ाने के लिए भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई जाए। उन्होंने आश्रम-छात्रावासों की विशिष्ट पहचान बनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने विभाग में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी जानकारी ली। उन्होंने निराकरण के लिए शेष बचे आवेदनों को गंभीरता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 75 बहुउद्देशीय भवन

बैठक में जानकारी दी गई कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के समग्र विकास के लिए राज्य में 75 बहुउद्देशीय भवन का निर्माण किया जा रहा है। 31 भवनों का निर्माण लगभग पूर्णतः की ओर है। इन भवनों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को इन भवनों के तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

C M Y K

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, गुरूवार 12 जून, 2025

अपने मार्ग में आने वाली किसी भी विघ्न से घबरायें नहीं। हर विघ्न को उन्नति की ओर ले जाने वाली सीढ़ी समझें। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

राहुल बोले और विवाद न हो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का पिछले दिनों संपन्न हुई विदेश यात्रा के दौरान ब्राउन विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण का वीडियो जारी हुआ है। इसके सामने आते ही एक बार फिर न केवल अखबारों की खबर बनी है बल्कि एक बहस भी उठ खड़ी हुई है। वैसे भी ऐसा कम ही होता है कि राहुल गांधी बोले और उन पर विवाद न हो।

तिस पर पर यहां तो राहुल गांधी का वह भाषण सामने आया है जिसमें वह एक ओर भाजपा के हिन्दुत्व पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

यानी उसे मुख्यधारा का हिन्दुत्व न बताकर हाशिये का हिन्दू बता रहे हैं तो दूसरी ओर जरनैल सिंह भिंडरावाले के उभार के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर सैनिक कार्रवाई और उसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या और फिर सिख विरोधी दंगों जैसी घटनाओं के संदर्भ में बात करते हुए इन्हें कांग्रेस की गलती बता रहे हैं।

यह सब उन्होंने तब कहा जब एक सिख छात्र ने सिखों के साथ उनके संबंध की बात पूछी। दरअसल, पिछली यात्रा में राहुल गांधी ने कहा था कि वह भारत में इसलिए लड़ाई लड़ रहे हैं कि सिख अपनी पगड़ी पहन पा रहे हैं या नहीं।

उनका आशय था कि भाजपा शासन में सिखों के लिए अपनी पहचान बचाना यानी पगड़ी पहनना तक मुश्किल हो जाएगा। इस संदर्भ में उनका कहना था कि सिखों के साथ उनके संबंध अच्छे हैं और कांग्रेस ने 80 के दशक में जो गलतियां की हैं, उसके लिए माफी मांगते हैं।

भाजपा के हिन्दुत्व के संदर्भ में राहुल गांधी ने जो कुछ कहा उसके लिए तो भाजपा उन पर आक्रामक है, लेकिन असली मुद्दा जो उनके भाषण में से निकलकर आया है वह कांग्रेस की गलतियों के लिए उनके द्वारा माफी मांगे जाने की है। अब यह तो राहुल गांधी बता सकते हैं कि उन्होंने उस दौर में कांग्रेस के कार्य को किस बिना पर गलत ठहराया और माफी मांग रहे हैं तो किस हैसियत से मांग रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी की ओर से इस मामले पर अभी कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है, लेकिन राहुल को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए जिससे यह पता चले कि वह क्या कहना चाहते हैं।

दूसरे, उन्होंने अतीत की गलतियों को तो परख लिया लेकिन वर्तमान में वह अपने हर भाषण के बाद कांग्रेस को मुसीबत में डालने वाला विवाद खड़ा कर देते हैं, इस पर उनकी नजर क्यों नहीं जाती। इस पर भी उन्हें ध्यान देना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि कांग्रेस की अगली पीढ़ी को अपनी इस दौर की गलतियों के लिए माफी मांगनी पड़े।

घोटाले या भ्रष्टाचार के आरोप, एक राजनीतिक मकसद

अजीत द्विवेदी

> *भारतीय जनता पार्टी ने 2014 का लोकसभा चुनाव भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़ा था। तब भाजपा के बड़े नेता सुषमा स्वराज और अरुण जेटली कांग्रेस पर हमले की कमान संभालते थे। पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, प्रकाश जावडेकर, रविशंकर प्रसाद, मीनाक्षी लेखी जैसे प्रवक्ता थे, राजनाथ सिंह पार्टी के अध्यक्ष थे और सबसे ऊपर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे। सबने मिल कर यह माहौल बनाया था कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है।*

भ्रष्टाचार का नैरेटिव आम लोगों तक पहुंचना के लिए दो जुमले गढ़े गए थे। एक जुमला था 'धरती, आकाश और पाताल तक का घोटाला' और दूसरा जुमला था 'ए टू जेड घोटाला'। भाजपा के नेता अंग्रेजी अल्फाबेट के हर अक्षर से एक घोटाला बनाए हुए थे, जिसका आरोप कांग्रेस पर लगाया जा रहा था। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़े गए इस चुनाव में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी। तब से भाजपा तीन बार सरकार बना चुकी है लेकिन 'ए टू जेड घोटाले' से जुड़े मामलों में एक लालू प्रसाद को छोड़ कर किसी व्यक्ति को सजा नहीं हुई है। उलटे एक एक करके घोटालों की जांच बंद हो रही है और आरोपी बरी होते जा रहे हैं। भाजपा की ओर से गिनाए गए 'ए टू जेड घोटाले' में 'सी फॉर कॉमनवेल्थ' घोटाला होता था। इस घोटाले के मुख्य आरोपी कांग्रेस के तत्कालीन सांसद और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष सुरेश कलमाडी थे। आरोप लगा था कि उन्होंने दिल्ली में 2010 में हुए कॉमनवेल्थ खेल आयोजन में घोटाला किया था। फॉमूर्ला वन रेस को लेकर भी उन पर आरोप लगे थे लेकिन भाजपा का फोकस 'सी फॉर कॉमनवेल्थ' घोटाले पर ही था। तब की मनमोहन सिंह सरकार ने इस मामले में सीबीआई जांच शुरू कराई और ईडी की जांच भी शुरू हुई। कलमाडी जेल गए और उनका राजनीतिक करियर समाप्त हो गया। अब स्थिति यह है कि दोनों एजेंसियों की जांच समाप्त हो गई है। 15 साल बाद दिल्ली की एक विशेष अदालत ने कलमाडी पर लगे धन शोधन के आरोपों में ईडी की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। इससे पहले सीबीआई ने 2014 में ही क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसे 2016 में स्वीकार कर लिया गया था। इस तरह भ्रष्टाचार का मूल मामला 2016 में बंद हुआ था और धन शोधन का मामला 2025 में बंद हो गया। कथित घोटाले के 15 साल बाद कह सकते हैं कि कोई घोटाला नहीं हुआ था और कलमाडी ने कोई गलती नहीं थी। उलटे उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों का शानदार आयोजन किया था। उनके खिलाफ जो भी थोड़ी बहुत कार्रवाई हुई वह उनकी अपनी पार्टी की सरकार ने ही कराई।

ऐसा नहीं है कि यह इकलौता मामला है, जिसे भाजपा ने बड़े जोर शोर से उठाया और आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई। भाजपा ने जो सबसे बड़ा मुद्दा उठाया था वह संचार घोटाले का था। भाजपा की 'ए टू जेड की सूची में 'टी फॉर टेलीकॉम' घोटाला था। तत्कालीन सीएजी विनोद राय ने 2जी स्पेक्ट्रम के आवंटन में गड़बड़ी का आरोप लगाया था और दावा किया था कि इससे सरकार को एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ है। इस एक लाख 76 हजार के अनुमानित नुकसान और घोटाले के आरोप इतनी जोर शोर से लगाए गए कि तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के संचार मंत्री और घोटाले के आरोपी ए राजा को पद से हटाया गया और उनको गिरफ्तार किया गया। यूपीए के घटक दल डीएमके के नेता करुणानिधि की सांसद बेटी कनिमोझी भी जेल गई। कई बड़ी कंपनियों के बड़े अधिकारी जेल गए। लेकिन आरोप लगने के छह साल बाद 2017 में दिल्ली की विशेष अदालत ने सीबीआई और ईडी के मामले में ए राजा और कनिमोझी सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया। हालांकि उसके छह साल बाद मार्च 2024 में हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अपील स्वीकार कर ली और इस मामले की फिर से जांच के आदेश दिए। लेकिन हकीकत यह है कि सारे आरोपी बरी हो गए। ए राजा और कनिमोझी सांसद बने और अब तो ए राजा तो लोकसभा के पीठासीन अधिकारियों की सूची में हैं यानी वे कभी कभी लोकसभा की कार्यवाही का संचालन भी करते हैं। संचार की तरह दूसरा बड़ा घोटाला कोयला घोटाला था। भाजपा की 'ए टू जेड' की सूची में 'सी फॉर कोयला' घोटाला होता था। जिस तरह से संचार घोटाले में एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए के अनुमानित नुकसान का आकलन किया गया था उसी तरह कोयला घोटाले में तीन लाख 30 हजार करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान जाहिर किया गया। 2006 से 2008 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे मधु कोड़ा से लेकर भारत सरकार के तत्कालीन कोयला सचिव एचसी गुप्ता तक इस मामले में आरोपी थे। इस घोटाले की आंच मनमोहन सिंह तक पहुंची थी क्योंकि थोड़े समय तक कोयला मंत्रालय उनके पास भी था। अब स्थिति यह है कि दिल्ली की एक विशेष अदालत ने अप्रैल 2025 में एचसी गुप्ता और केएस क्रोफा को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि उन्होंने कोई रिश्वत नहीं ली थी। उनके ऊपर गुमराह करने के आरोपों को भी अदालत ने खारिज कर दिया। बाकी आरोपियों का बरी होना भी महज वक्त की बात है। भाजपा के ए टू जेड घोटालों की सूची आदर्श घोटाले से शुरू होती थी। 'ए फॉर आदर्श' घोटाला। इस मामले में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण मुख्य आरोपी थी। उनके ऊपर आरोप लगाया गया था कि कारगिल शहीदों के लिए सरकारी जमीन पर बनी आदर्श सोसायटी में बड़ा घोटाला हुआ और दूसरे लोगों को फ्लैट आवंटित किए गए। इस घोटाले के मुख्य आरोपी अशोक चव्हाण अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसलिए उनका सभी आरोपों से बरी होना महज वक्त की बात है।

भाजपा की सूची में 'एम फॉर मधु कोड़ा' घोटाला कहा जाता था। उनके खिलाफ भी कोई आरोप प्रमाणित नहीं हुआ है और वे भी अपनी पत्नी के साथ भाजपा में शामिल हो गए हैं। सो, आदर्श से लेकर बोफोर्स और कॉमनवेल्थ से लेकर केतन पारिख और यूटीआई घोटाले से लेकर वेस्टलैंड अगस्ता तक सभी मामलों में या तो आरोपी बरी हो गए हैं या आरोपी भाजपा में शामिल हो गए हैं या मामलों की फाइल कहीं दबी पड़ी है।

सेना और सरकार ही नहीं, नागरिक सहयोग से ही संभव है आतंक का मुकाबला

> ***भारत ने हाल ही में पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक मिसाइल हमलों से पकिस्तान के कश्मीर में किए आतंक का सटीक बदला लिया। यह कार्रवाई न केवल भारतीय सेना की सैन्य कुशलता का प्रतीक है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ देश की स्पष्ट नीति को भी दशार्ती है। प्रगट रूप से यह ऑपरेशन एक सैन्य कार्यवाही है।***

किंतु आतंक के विरुद्ध इस तरह के आपरेशन सफल तभी होते हैं जब सेना, सरकार और नागरिकों के बीच समन्वय का एक सशक्त ढाँचा मौजूद हो। आतंकवाद से लड़ाई केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं, बल्कि जनता की सजगता, सहयोग और राष्ट्रभक्ति से भी जीती जाती है।

सीमाओं का कवच

भारतीय सेना है। जिसने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से यह साबित किया है कि वह भारत पर किसी आक्रमण या आतंकी घटनाओं का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। सेना की यह ताकत केवल हथियारों की ताकत नहीं, बल्कि उच्चस्तरीय रणनीति, खुफिया जानकारी और साहस का परिणाम है। सेना के जवान सीमाओं पर दिन-रात तैनात रहकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे ऑपरेशन इसके उदाहरण हैं, जिन्होंने आतंकवाद के प्रति भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को रेखांकित किया। ऑपरेशन सिंदूर देश की उसी नीति का हिस्सा है। नीति निर्माण से लेकर वैश्विक कूटनीति और सेना को छूट देना

सरकार का दायित्व है । सेना को राजनीतिक और तकनीकी समर्थन जनता की ताकत और एकजुटता ही प्रदान करती है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन के पीछे सरकार की मंशा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने की कोशिशें और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक गठजोड़ बनाने की रणनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नागरिक सहयोग सुरक्षा का तीसरा स्तंभ है।

यदि सेना और सरकार देश की रीढ़ हैं, तो नागरिक उसकी आत्मा। आतंकवाद से लड़ाई में नागरिकों की भूमिका कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है । सूचना और खुफिया सहयोग स्थानीय निवासी ही दे सकते हैं। सूक्ष्म निरीक्षण तथा सतर्क रहने से आतंकियों की गतिविधियों के बारे में नागरिकों को जमीनी जानकारी हो सकती है। उदाहरण के लिए, जम्मू-कश्मीर में कई बार ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के ठिकानों की जानकारी देकर बड़ी घटनाओं को रोका है। 'आवाम की आवाज' जैसे अभियान इसी सहयोग को बढ़ावा देते हैं। सामाजिक जागरूकता और एकता आतंकवाद की सबसे बड़ी हार है। 2008 के मुंबई हमले के बाद देशभर में एकजुटता का जो स्वर उभरा, उसने आतंकवादियों के मनोबल को तोडा। नागरिकों का यही साहस आतंकवाद को विफल बनाता है।

बदलते परिवेश में तकनीकी और डिजिटल सतर्कता ,सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने की जरूरत है।आतंकी समूहों का प्रचार-प्रसार रोकने में नागरिकों की भूमिका अहम है। झूठी खबरों को रिपोर्ट करना, युवाओं को कट्टरपंथी विचारों से बचाने के लिए जागरूकता फैलाना, और साइबर स्पेस में सक्रिय रहना—ये सभी आधुनिक समय की आवश्यकताएँ हैं।

केरल जैसे राज्यों में मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया। ऐसी पहलें समाज के अंदर से ही आतंकवाद की विचारधारा को चुनौती देती हैं।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में आतंकवाद से लड ?ा सबके सम्मिलित प्रयासों से ही संभव है। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद, उनके आंतरिक असंतोष का प्रभाव है। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ जैसी समस्याएँ जटिल हैं। इनका समाधान तभी संभव है जब नागरिक सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम करें। उदाहरण के लिए, 'मेरी चौकी, मेरी सुरक्षा' जैसे कार्यक्रमों के तहत सीमावर्ती गाँवों के लोगों सदा सजग रहने को प्रशिक्षित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारत आतंकवाद के प्रति नरम नहीं रहेगा। लेकिन दीर्घकालिक जीत के लिए सेना, सरकार और नागरिकों को एक टीम की तरह लगातार काम करना होगा। जब कोई बच्चा स्कूल में देशभक्ति की कविता सुनाता है, कोई युवा सोशल मीडिया पर सच्चाई फैलाता है, या कोई ग्रामीण संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करता है— तभी आतंकवाद की जड़ें कमजोर होती हैं। आतंक का बदला केवल मिसाइलों से नहीं, बल्कि हर नागरिक के संकल्प से लिया जा सकता है। सभी धर्मो के नागरिकों की यही समग्रता भारत की सच्ची ताकत भी है। सेना और सरकार ही नहीं, आतंक का मुकाबला नागरिक सहयोग से ही संभव है ।

आत्मघात की शिकार हो रहे छात्र

टॉपर संस्कृति के दबाव और अव्वल आने की होड़ में छात्रों द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना गंभीर समस्या है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव और शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल में छात्रों की लगातार दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली में अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिए घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केंद्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं कीं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वादे करते रहते हैं। निस्संदेह, ऐसे खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिए घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिए बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिए रैंकिंग से जोड ?ा कालांतर में अन्य छात्रों को भी निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में रोजगार अवसर पैदा कर सके।

आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है, जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में भी 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मान कर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक, ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे।

0 ललित गर्ग

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1324

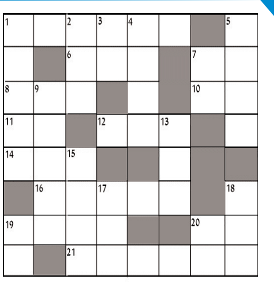

संकेत: बाएं से दाएं

1. निर्धनों की निरपेक्ष संख्या के मामले मं भारत के इस प्रदेश का स्थान सबसे ऊपर है (6)
6. गायिका-अभिनेत्री, सुलक्षण पंडित के दो भाईयो में से एक जो गायक-संगीतकार है (3)
7. सर्वदा, हमेशा, लगातार, प्रतिध्वनि (2)
8. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (2)
11. पराग के कण, धूल, गर्द (2)
12. गाय के दूध को यह भी कहते है (3)
14. मुर्गे की जाति का एक पक्षी (3)
16. केसरी नंदर, हनुमान (5)
19. अंदाज, कयास, अनुमान (4)
20. राजा का मुकुट, शिखा (2)
21. अभिमान मर्दित होना (6)

ऊपर से नीचे

1. ये भाजपा महिला नेत्री मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी है (5)
2. चांदी, उजला, उज्जवल, रूपक (3)
3. दर से, दिशा में, भाव से (2)
4. देने वाला, देयी, कर्जदार (4)
5. दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी जिसे दक्षिण की गंगा भी कहते है (4)
7. सिलवट, सिकुडन, शिकन, तह (2)
9. वह पर्दा जिस पर चल-चित्र बताए जाते है सिनेमा का पर्दा (5)
13. सभी स्थान पर, सभी जगह पर (3)
15. दौड़ना, लपकना, उमंगना, उछलना (4)
17. शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर को यह भी कहते है (3)
18. अलंकृत होना, संवरना, प्रेमी, बलम (3)
19. एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे (2)
20. एक लंबा पेड़ जो केवल सिरे पर पत्ते धारण करता है, तरूराज, दीर्घतरू (2)

वर्ग पहेली 1323 हल

ऊ	ध	म	सिं	ह		द	म
त	न	ना		स	ह	म	त
क		व	जी	र		न	
	आ	न		त	री	का	
मा	ल		रो	ज		री	ति
त	म	क		य	क्ष		थि
	आ	ब		पु	त	ली	
ता	रा		गौ	री		मा	त्र

एकदा

जल बंटवारे का विवाद

पानी बंटवारे को लेकर हरियाणा-पंजाब में फिर ठन गई है। आप शासित पंजाब अपनी जरूरतों और मौजूदा जल स्तर को लेकर भाजपा शासित हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का विरोध कर रहा है। हरियाणा अपने हिस्से का साढे तीन मिलियन एकड़ फीट पीने का पानी सतलुज-यमुना लिंक नहर को देने की मांग कर रहा है, और पंजाब को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की हिदायत भी दे रहा है जबकि पंजाब लगातार साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी न होने की दुहाई दे रहा है। 214 किमी. लंबी इस नहर की परिकल्पना रावी-ब्यास नदियों के जल को दोनों राज्यों के दरम्यान बांटने के लिए की गई थी जिसमें 122 किमी. पंजाब में और बाकी 92 किमी. हरियाणा में बनाया जाना था। हरियाणा परियोजना को पूरा कर चुका है, जबकि पंजाब ने 1982 से चालू इस निर्माण को लटका कर रखा है। पंजाब सरकार का कहना है, धान की बुआई के मौसम में उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत है, और यह भी कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी पहले ही ले चुका है। हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है, जबकि पंजाब उसे चार हजार क्यूसेक पानी पीने के लिए मुहैया करा रहा है। जल बंटवारे के विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। पंजाब ने हरियाणा पर केंद्र में अपनी सरकार होने के चलते उसे जबरन दबाने के प्रयास के आरोप भी लगाए हैं। नदियों के जल-बंटवारे को लेकर देश भर में अंतरराज्यीय विवादों की स्थिति बनी रहती है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

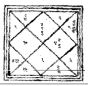

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आज के सारे काम आसानी से पूरे हो जाएं। साथ ही अपने भविष्य के लिए एक योजना बनाएंगे और सोच-विचार करेंगे। आज ज्यादातर आपका समय परिवारवालों और दोस्तों की इच्छाओं को पूरा करने में निकल जाएगा।

वृष राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। किसी नए रिश्ते की शुरूआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के जो लोग नौकरी की तलाश में है उनको आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिलने के चांस बन रहे हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूरा होने के योग बन रहे हैं, साथ ही नए काम की योजना बना सकते हैं। आज आप रिश्तों के प्रति भावना से परिपूर्ण रहेंगे, हो सकता है कहीं बाहर घूमने की प्लानिंग भी बन जाएं।

कर्क राशि : आज मेहनत से करें हुए सारे काम पूरे होंगे। बिजनेस के मामले में थोड़ी सावधानी बरते। आज आपका दोस्त आपसे किसी जरूरी दस्तावेज पर साइन करवाने आ सकते हैं, बेहतर होगा साइन करने से पहले दस्तावेज को अच्छे से पढ़ ले।

सिंह राशिः आज आपका मन लेखन कार्यो में रहेगा। पहले की कविता के कारण आपको कॉलेज में पुरस्कार भी मिल सकता है। इस राशि के जो स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई विदेश में करना चाहते है। उन्हें इस मामले में विदेशी यूनिवर्सिटी से बातचीत करने के लिए आज अच्छा दिन है। साथ ही परिवार और दोस्तों का पूरा साथ मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा। आज बिजनेस के मामले में आपके नजदीकी दोस्त से समय पर आपको मदद मिल जाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि : आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। आज ऑफिस में काम का टारगेट पूरा होने से बॉस आपसे खुश होकर, आपको उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं। साथ ही आपको नए अवसर मिलने के चांस बन रहे हैं। टीचर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा,

वृश्चिक राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते हैं। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तर पहुचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आज आप विरोधियों का सामना करने में सक्षम होंगे। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेंगे।

धनु राशि : आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। कालात्मक कार्यो में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन राहतपूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है। लवमेट के लिए आज का दिन शुभ है। आज आप जीवनसाथी को कहीं घूमने ले जा सकते हैं। इस राशि के कारोबारियों के लिए आज का दिन लाभप्रद रहेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि वाले अगर आज नई योजनाएं शुरू करना चाह रहें है तो उसे टाले नहीं शुरू कर दें। आज आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

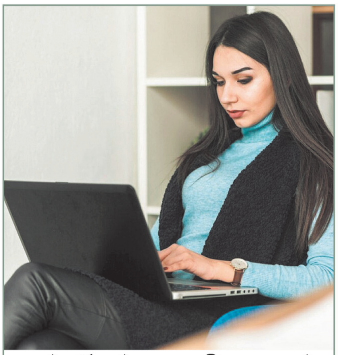

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

अधिक शुल्क वसूली का मामलाः प्रभारी प्राचार्य तरसियुस तिग्गा निलंबित

रायपुर। जिला जशपुर के विकासखंड बगीचा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरडेग में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य श्री तरसियुस तिग्गा को छात्रों से अनधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूलने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर जशपुर की अनुशंसा पर संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा द्वारा की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री तिग्गा द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों से शासन द्वारा निर्धारित शुल्क दर से अधिक शुल्क वसूला गया। इस संबंध में प्राप्त शिकायत पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बगीचा द्वारा जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन में आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गए। जांच में सामने आया कि श्री तिग्गा ने पदीय मर्यादाओं की अवहेलना करते हुए विद्यार्थियों से अतिरिक्त शुल्क लेकर शासन के नियमों का उल्लंघन किया है। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के विपरीत पाया गया।

न्यूज गैलरी

अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, 8 लीटर हाथ भट्टी एवं मध्यप्रदेश में निर्मित 16.2 लीटर गोवा व्हिस्की जब्त

कोरिया बैकुंठपुर / जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो स्थानों से कुल २४.२ लीटर अवैध शराब जब्त की है। यह कार्रवाई सावला और छोटे साल्हि क्षेत्रों में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने मौके पर ८ लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब तथा १६.२ लीटर मध्यप्रदेश निर्मित गोवा ब्रांड की अवैध रूप से रखी गई अंग्रेजी शराब जब्त की। मामले में आबकारी अधिनियम की धारा ३४(२) एवं ३६ के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। कार्यवाही का नेतृत्व विवेचक अधिकारी श्रीमती सपना सिन्हा द्वारा किया गया, जिनके साथ मुख्य आरक्षक बबुआ राम, किसुनराम सहित आरक्षक नरेंद्र राजवाड़े, हेमंत राजवाड़े, नगर सैनिक रुमा सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मां दुर्गा बस की नई सेवा बैकुंठपुर से रायपुर प्रारंभ

कोरिया बैकुंठपुर – कोरिया जिले बैकुंठपुर क्षेत्र के लाडले विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री भैया लाल राजवाड़े एवं पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुभाष साहू के विशेष सहयोग से बैकुंठपुर से रायपुर हेतु प्रतिदिन सेवा का अवसर क्षेत्र वासियों को मिला मां दुर्गा बस की नई सेवा बैकुंठपुर से रायपुर प्रारंभ होने जा रही है शुभारंभ १५ जून २०२५ दिन रविवार प्रातः४ .५० बजे से प्रारंभ होगी.

ड्रीम प्रोजेक्ट चेस इन स्कूल के तहत आयोजित सरगुजा संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में अभिनंदन, आफरीन, ऋषभ, आदिति, आदर्श, अनन्या, अरूप, आयशा, अक्षत राज, नायशा, अहान, अंशा ने जीता अपने अपने वर्ग का खिताब

कोरिया बैकुंठपुर – आल इंडिया चेस फेडरेशन के ड्रीम प्रोजेक्ट चेस इन स्कूल इंडिया के तहत छत्तीसगढ़ चेस एसोसिएशन महासचिव विनोद कुमार राठी के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में कोरिया जिला शतरंज संघ के तत्त्वावधान में ८ जून को सरगुजा संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन (विभिन्न वर्ग अंडर १७ वर्ष आयु वर्ग बालक /बालिका,अंडर १५ वर्ष आयु वर्ग बालक/बालिका, अंडर १३ वर्ष आयु वर्ग बालक/ बालिका , अंडर ११ वर्ष आयु वर्ग बालक/ बालिका, अंडर ९ वर्ष आयु वर्ग बालक/बालिका, अंडर ७ वर्ष आयु वर्ग बालक/बालिका) शा.कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बैकुंठपुर के प्रांगण में आयोजित किया गया

उक्त स्पर्धा में एम.सी.बी , कोरिया,सूरजपुर,अम्बिकापुर के ५० से ज्यादा स्कूली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, अंतराष्ट्रीय स्विस लीग पद्धति से आयोजित उक्त स्पर्धा दो वर्गों में संचालित हुई अंडर ११ वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चो का एक ग्रुप में जबकि ११ वर्ष ऊपर तथा १७ वर्ष कम उम्र के बच्चों को दूसरे ग्रुप में रखा गया कुल ५ चक्र तक आयोजित उक्त स्पर्धा का समापन जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में तथा विद्यालय के प्राचार्य ए एल गुप्ता ,जिला आयुर्वेद अधिकारी कोरिया सुश्री एल्विना ग्रेस, श्रीमती स्वाति सिंह कोटा, बिलासपुर आशीष गुप्ता , दीपेंद्र यादव अम्बिकापुर के विशिष्ट आतिथ्य एवं जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न,अपने उदबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी ने इस आयोजन मि भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए ,अपने स्तर हर तरह के सहयोग का आश्वासन देते हुये खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया , अंत मुख्य अतिथि के कर कमलों से विजेता खिलाड़ियों को शील्ड, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया

अंतिम परिणाम इस प्रकार रहे–

अंडर १७ वर्ष बालक
प्रथम ,अभिनंदन बड़ेरिया (बैकुंठपुर)
द्वितीय,शौर्य बड़ेरिया (बैकुंठपुर)
तृतीय,देवर्ष सिंह चौहान (बैकुंठपुर)

अंडर १७ वर्ष बालिका
प्रथम,आफरीन (बैकुंठपुर)
द्वितीय,दिव्यांशी सिंह चौहान

अंडर १५ वर्ष बालक
प्रथम,रिषभ भगत (अम्बिकापुर)
द्वितीय,गौरांश गुप्ता (कोरिया)
तृतीय,युवराज सिंह (बैकुंठपुर)
चतुर्थ, यश कुमार गुप्ता (अम्बिकापुर)

अंडर १५ वर्ष बालिका, प्रथम, आदिति सिंह (अम्बिकापुर)
द्वितीय,फरहीन खान (बैकुंठपुर)

अंडर १३ वर्ष बालक
प्रथम, आदर्श वर्मा (अम्बिकापुर)
द्वितीय,रुद्रांश यादव (अम्बिकापुर)
तृतीय, विशेष जे एस राजवाड़े (अम्बिकापुर)
चतुर्थ,ईशान अहमद (बैकुंठपुर)

अंडर १३ वर्ष बालिका
प्रथम,अनन्या रे (अम्बिकापुर)
द्वितीय,वेदिका शर्मा (बैकुण्ठपुर)
तृतीय,वाख्या वाधवान (मनेंद्रगढ़)
चतुर्थ,वर्णिका सिंह (बैकुण्ठपुर)

अंडर ११ वर्ष बालक
प्रथम,अरूप कुमार रे (अम्बिकापुर)
द्वितीय,आर्यन राज डांगरे (अम्बिकापुर)
तृतीय,शौर्य सिंह (बैकुण्ठपुर)
चतुर्थ,हृदयांश पांडेय (बैकुण्ठपुर)

अंडर ११ वर्ष बालिका
प्रथम,आयशा बानों (चिरमिरी)
द्वितीय, याशिका (बैकुण्ठपुर)

अंडर ९ वर्ष बालक
प्रथम, अक्षत राज डांगरे (अम्बिकापुर)
द्वितीय, अरहम अख्तर खान (बैकुण्ठपुर)
तृतीय,समर्थ सिंह (बैकुण्ठपुर)
चतुर्थ,विवेक कुमार साहू (बैकुण्ठपुर)

अंडर ९ वर्ष बालिका
प्रथम, नायशा यादव (अम्बिकापुर)

अंडर ७ वर्ष बालक
प्रथम, अहान गुप्ता (बैकुण्ठपुर)
द्वितीय,अरहान(बैकुण्ठपुर)
तृतीय,यशिफ (बैकुण्ठपुर)

अंडर ७ वर्ष बालिका
प्रथम, अंशा फातिमा (बैकुण्ठपुर)
द्वितीय, आयत परवीन (बैकुण्ठपुर)

आखिर में संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सभी अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त साथ ही उन अभिभावकों को भी धन्यवाद ज्ञापित जिन्होने अपने बच्चों को इस स्पर्धा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया ,प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य आर्बिटर शेष रतन जायसवाल, बी मनियन,अंजुम , शगुफ्ता खानम, शिवहरी, अजय गुप्ता , आशीष गुप्ता, विजय जांगड़े, आनंद कुमार तिवारी,असगर इमाम,का विशेष योगदान रहा ,प्रतियोगिता के संचालक की भूमिका अब्दुल शमीम ने बखूबी अंजाम दिया.

युक्तियुक्तकरण के विरोध में शिक्षक साझा मंच ने सौंपा ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ जिला इकाई मनेंद्रगढ़ द्वारा मंगलवार को युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के विरोध में तथा शिक्षक संवर्ग की अन्य समस्याओं को लेकर रैली निकाल कर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव, लोक शिक्षण संचनालय के नाम पर एसडीएम मनेंद्रगढ़ को ज्ञापन सौंपा गया।

शिक्षक साझा मंच के जिला संचालक उदय प्रताप सिंह एवं सुरेश नेताम की अगुवाई में प्रताड़ित और प्रभावित शिक्षकों ने अपनी व्यथा बताई। जिला संचालक उदय प्रताप सिंह ने कहा की युक्तिकरण की प्रक्रिया में भारी विसंगतियां दिखाई दे रही हैं। एक ओर शिक्षा में गुणवत्ता की बात की जा रही है दूसरी ओर सेटअप के साथ खिलवाड़ करते हुए गुणवत्ता को समाप्त करने का कार्य किया जा रहा है। सरकार ही नियम बनाती है और नियमों के तहत पदस्थापना और पदोन्नति करती है दूसरी ओर उन्हीं नियमों के साथ छेड़छाड़ करते हुए वर्षों से पदस्थ शिक्षकों को सुदूर स्थान में युक्तिकरण के नाम पर प्रताड़ित किया जा रहा है। अतिशेष शिक्षकों की सूची में भारी विसंगतियां हैं। मनचाहा नियम बताकर अतिशेष किया गया है जबकि शासन द्वारा जारी निर्देश कुछ और कहते हैं। उन्होंने कहा की सरकार सोना साहू प्रकरण के अनुसार सभी शिक्षकों के लिए सामान्य आदेश पारित कर उनकी क्रमोन्नत वेतनमान की बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करे। इसी प्रकार प्रथम नियुक्ति तिथि से वेतन की गणना कर पुरानी पेंशन को लागू करना शिक्षकों के भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है। पदोन्नतियों में डीएड, बीएड की अनिवार्यता को शिथिल करते हुए पदोन्नति की जाए। रैली और ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में प्रभावित आईटी शिक्षक, शिक्षिकाएं, संगठन साझा मंच के पदाधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

//आई.एफ.सी. एंकर पद हेतु वॉक इन इंटरव्यू//

एकीकृत फार्मिंग कलस्टर अंतर्गत आईएफसी एंकर ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन हेतु फार्म, ऑफफार्म एवं नॉनफार्म आजीविका विभिन्न कार्य जैसे एग्रो इकोलॉजिकल पद्धति, मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर में सुधार, फसल विविधीकरण और उत्पादकता में सुधार एवं एग्रीन्यूट्री गार्डन के माध्यम से पोषण में सुधार, पशुधन प्रबंधन, नस्ल में सुधार, समय पर पशु चिकित्सा देखभाल और टीकाकरण को अपना कर महिला स्व सहायता समूह सदस्यों मुख्यतः महिला किसानों एवं पशुपालकों के आजीविका स्तर को बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कलस्टर संगठन को क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। इस कार्य के संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु आई.एफ.सी. एंकर का वॉक इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। यह नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी होगी एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित आई.एफ.सी. कलस्टर के स्वामित्व के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्था से कोई संबंध नहीं है। निर्धारित अर्हता एवं निम्नलिखित नियम शर्तों को पूर्ण करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी वॉक इन इंटरव्यू दिनांक 18.06.2025 को जनपद पंचायत बलरामपुर सभाकक्ष में समस्त दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रति, 02 फोटोग्राफ एवं समस्त दस्तावेज की मूल प्रति के साथ प्रात 10:30 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

क्र0	IFC का नाम एवं पता	पदनाम	रिक्त पद	मासिक एकमुश्त मानदेय (रू.)	यात्रा भत्ता (रू.)
1	2	3	4	5	6
1	IFC धरती महिला कलस्टर संगठन, कोचली	आई.एफ.सी. एंकर	01 (अनारक्षित)	30,000/–	3,000/–
2	IFC ममता महिला कलस्टर संगठन, प्रेमनगर	आई.एफ.सी. एंकर	01 (अनारक्षित)	30,000/–	3,000/–

IFC एंकर हेतु आवश्यक शैक्षणिक अर्हता का विवरण :–

क्र0	पदनाम	शैक्षणिक अर्हता एवं अनुभव	मेरिट हेतु अंक निर्धारण (कुल 100 अंक) विवरण
1	2	4	5
1	आई.एफ.सी. एंकर	शिक्षा – शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विषय में स्नातक उपाधि। अथवा MSW या 02 वर्षीय ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर उपाधि। अनुभव – निर्धारित शैक्षणिक अर्हता उपरांत फील्ड स्तर पर कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका कार्य का न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव।	शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नियमित स्नातक डिग्री के साथ ग्रामीण स्तर एवं कृषि संबंधित कार्य का 02 वर्ष का अनुभव वांछित।
			ग्रामीण परिप्रेक्ष्य एवं मार्केटिंग में कार्यानुभव को प्राथमिकता।
			हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में कार्य करने में सक्षम। साथ ही स्थानीय भाषा का ज्ञान हो।
			कम्प्यूटर एवं एम.एस. ऑफिस में कार्य करने में दक्ष, हिन्दी अंग्रेजी टाइपिंग आती हो। रिपोर्ट लेखा एवं डेटा प्रबंधन में दक्षता।
			क्षेत्र भ्रमण के लिए आवश्यक समस्त दस्तावेज सहित स्वयं का वाहन (दो पहिया) आर.सी. एवं लाइसेंस।
			कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार

नोट :– नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिये संबंधित जिला एवं जनपद पंचायत के नोटिस बोर्ड एवं जिला के वेबसाईट www.balrampur.gov.in के माध्यम से जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

अध्यक्ष/सचिव/कोषाध्यक्ष
1.IFC धरती महिला कलस्टर संगठन, कोचली
2. IFC ममता महिला कलस्टर संगठन, प्रेमनगर

//एफ.पी.सी. लेखापाल पद हेतु वॉक इन इंटरव्यू//

किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के वित्तीय मामलों की देखरेख लेखा संधारण एवं वैधानिक अनुपालन संबंधित गतिविधियां पूर्ण किये जाने हेतु लेखापाल का चयन किया जाना है। उक्त हेतु वॉक इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। यह नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी होगी एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित एफ.पी.सी. के स्वामित्व के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्था से कोई संबंध नहीं है। निर्धारित अर्हता एवं निम्नलिखित नियम शर्तो को पूर्ण करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी वॉक इन इंटरव्यू दिनांक 19.06.2025 को जनपद पंचायत बलरामपुर सभाकक्ष में समस्त दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रति, 02 फोटोग्राफ एवं समस्त दस्तावेज की मूल प्रति के साथ प्रातः 10:30 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

क्र०	FPC का नाम एवं पता	पदनाम	रिक्त पद	मासिक एकमुश्त मानदेय (रू.)
1	2	3	4	5
1	ज्ञानज्योति महिला FPC, राजपुर	लेखापाल	01 (अनारक्षित)	10,000 से 20,000 तक
2	गौरलाटा महिला FPC, कुसमी	लेखापाल	01 (अनारक्षित)	10,000 से 20,000 तक
3	नयी राह महिला FPC, शंकरगढ़	लेखापाल	01 (अनारक्षित)	10,000 से 20,000 तक
4	खरहरा महिला FPC, वाड्रफनगर	लेखापाल	01 (अनारक्षित)	10,000 से 20,000 तक
5	अद्वितीय महिला FPC, रामचंद्रपुर	लेखापाल	01 (अनारक्षित)	10,000 से 20,000 तक

FPC लेखापाल हेतु आवश्यक शैक्षणिक अर्हता का विवरण :-

क्र०	पदनाम	शैक्षणिक अर्हता एवं अनुभव	मेरिट हेतु अंक निर्धारण (कुल 100 अंक) विवरण	अंक
1	2	3	4	5
1	लेखापाल	शिक्षा- मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य विषय पर स्नातक उत्तीर्ण। अनुभव- स्नातक उपरांत लेखा से संबंधित 02 वर्षीय शासकीय/अर्द्धशासकीय/शासकीय वित्त पोषित/शासन से अनुदान प्राप्त गैर-शासकीय संस्था से अनुभव।	स्नातक में प्राप्त प्रतिशत पर 100 अंक का weightage देते हुए	60
			न्यूनतम वांछित अनुभव के पश्चात प्रत्येक पूर्ण वर्ष के अनुभव 02 अंक एवं अधिकतम 10 अंक	10
			मान्यता प्राप्त संस्था/विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर में एक वर्षीय डिप्लोमा एवं टेली सर्टिफिकेट।	10
			कौशल परीक्षा	20

नोट :- नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी के लिये संबंधित जिला एवं जनपद पंचायत के नोटिस बोर्ड एवं जिला के वेबसाईट www.balrampur.gov.in के माध्यम से जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

अध्यक्ष/सचिव/कोषाध्यक्ष
1. ज्ञानज्योति महिला FPC, राजपुर
2. गौरलाटा महिला FPC, कुसमी
3. नयी राह महिला FPC, शंकरगढ़
4. खरहरा महिला FPC, वाड्रफनगर
5. अद्वितीय महिला FPC, रामचंद्रपुर

धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाए बिना हो शासकीय कार्यों का निष्पादन, नागरिकों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर धार्मिक सामंजस्य स्थापित करते हुए सांई मंदिर एवं गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर को क्षति पहुंचाए बिना शासकीय कार्यो का निष्पादन कराए जाने का अनुरोध किया है।

मनेंद्रगढ़ शहर के नजूल प्लाट क्रमांक 13/38 के संबंध में प्रशासन द्वारा 24 मई 2025 को जारी किए गए अधिसूचना के संदर्भ में कलेक्टर एवं नजूल तहसीलदार को सौंपे सैकड़ों की संख्या में संयुक्त हस्ताक्षरित ज्ञापन में नागरिकों की ओर से कहा गया है कि मनेंद्रगढ़ नगर के नजूल भूखंड क्रमांक 13/38 में पिछले लगभग 20 वर्षो से सांई मंदिर स्थापित है, जिसके साथ गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर भी स्थापित है। सांई मंदिर एवं गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर धार्मिक आस्था का केंद्र है जिसमें नगर के श्रद्धालु बड़ी संख्या में सुबह-शाम उपस्थित होकर पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं। यहां त्यौहारों तथा धार्मिक उत्सव पर विशेष रूप से हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विशिष्ट आयोजन की परंपरा है, जिसमें सांई मंदिर एवं गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर में प्रतिवर्ष वार्षिक धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धूमधाम से आयोजित किया जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा किए जाने एवं लगातार पूजा-अर्चना किए जाने से उक्त धार्मिक स्थल सिद्ध स्थल की मान्यता प्राप्त कर लेते हैं। यही कारण है कि भक्तों की अत्यधिक आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है। ज्ञापन में कहा गया कि नगर के स्वास्थ्य सेवाओं के विकास हेतु सभी नगरिक प्रशासन को सहयोग करने हेतु प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अस्पताल विस्तार का यह कार्य नगर की जनभावनाओं एवं आस्था को ध्यान में रखते हुए सांई मंदिर एवं गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर को बिना क्षति पहुंचाए शासकीय अस्पताल बनाया जाना उचित होगा। नागरिकों ने कहा कि अस्पताल में मंदिर होने की परम्परा आदि काल से चली आ रही है जिससे पीड़ित परिवार को दवा के साथ दुआ एवं मानसिक शांति व रोगों से लड़ने की शक्ति प्राप्त होती है। नागरिकों ने कहा कि शासन-प्रशासन से अपेक्षा है कि धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाए बिना आवश्यक निर्माण कार्य कराया जाएगा जिससे सामंजस्य बना रहेगा। यहां उल्लेखनीय है धार्मिक स्थलों को क्षति नहीं पहुंचाए जाने के संबंध में नागरिकों ने पूर्व में कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के साथ कलेक्टर से भी मिलकर आग्रह किया है, जिस पर आश्वस्त किया गया है कि अस्पताल के लिए किसी भी मंदिर को कोई क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202506330400004 मामले की श्रेणीः- राजस्व

विषयः– अ–89/21, सनः– 2024–2025
मनेन्द्रगढ़ प.ह.नं. 00014 (हे.)
पक्षकारों का विवरण – आवेदक पक्षकार – विक्रम मलिक,
अनावेदक पक्षकार – छ.ग. शासन
क्र./1870/वाचक–3/2025, मने. दि. 10/06/2025

//ईश्तहार//

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला–एम.सी.बी. के पत्र क्रमांक 145/वाचक/अप.कले./2025 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 07/01/2025 के माध्यम से आवेदक विक्रम मलिक आ. स्व. मिठाई लाल, निवासी वार्ड नंबर 09 पेण्ड्रा दफाई मनेन्द्रगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के परिप्रेक्ष्य में आवेदक की माता विमला बाई पति स्व. मिठाई लाल, जो कि नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थी, की मृत्यु सेवाकाल दौरान दिनांक 23/08/2024 को हो जाने से स्व. विमला बाई के आश्रित सदस्यों के रूप में आश्रित प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु जांच प्रतिवेदन चाहा गया है। जिस हेतु प्रकरण इस न्यायालय में संस्थित किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्राधार पर आश्रित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो, वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 26/06/2025 को प्रातः 11.00 बजे तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़, जिला – एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर, तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र०/ /अ-6-अ/2024-25

एतद् द्वारा आम ग्रामीणजन ग्राम पंचायत कृष्णपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनमतिया पुत्री हुबलाल निवासी कृष्णपुर, तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कृष्णपुर में स्थित भूमि ख.नं. 20 रकबा 14ए कुल खसरा 07 कुल रकबा 1.47 हे. भूमि आवेदिका का नाम त्रुटिवश जगमेन बाई पुत्री हुबलाल दर्ज हो गया है। जबकि वास्तविक नाम सोनमतिया पुत्री हुबलाल है। जिसके सुधार किये जाने का आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 13/06/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
देवनगर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

मोदी सरकार के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर - जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम को लेकर मंडलों की संपन्न

कोरिया बैकुण्ठपुर – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के ११ गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए ९ जून से २१ जून तक देशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान विकसित भारत का अमृत काल एवं सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के ११ साल पर आधारित रहेंगा। संकल्प से सिद्धि देश व्यापी कार्यक्रम को लेकर भाजपा पदाधिरियों एवं कार्यकताओं की बैठक मंडल स्तर पर प्रारंभ किया गया। इसी कड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने पटना मंडल की बैठक में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के गौरवपूर्ण ११ वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्राम, वार्ड, शक्ति केन्द्र एवं बूथ स्तर पर चौपाल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत का तकदीर और तस्वीर बदल रहा है, देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता, मंडल रामलखन यादव, नगर पंचायत गायत्री सिंह, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी, सत्यम साहू, योगेन्द्र मिश्रा, अहिबरन सिंह, मीरा सोनी, राजेन्द्र सोनी, प्रेमनारायण तकीर्हार, रूपचंद गुप्ता, राजेश सोनी, विष्णु साहू, अनिल जायसावल, ममता कुशवाहा,चन्द्रकली राजवाड़े, ललिता यादव सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

संकल्प से सिद्धि के संकल्प को मजबूत करने का संदेश पहुंचाने रणनीति तय – सलका – भारतीय जनता पार्टी सलका मंडल के ग्राम सारा में- संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के मंडल प्रभारी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह एवं मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पार्षद रेखा वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जगदीश सिंह , मंडल उपाध्यक्ष शिव प्रसाद राजवाड़े , पूर्व महामंत्री राम सुंदर राजवाड़े, मंडल महामंत्री राम संकर सिंह , मंडल मंत्री हंस लाल कुर्रे, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार राजवाड़े, रामनारायण सोनवानी , कृष्ण कुमार, मनीषा देवांगन, अशोक साहू, पंकज साहू, केवला, रामनाथ राजवाड़े सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

इस आयोजन के माध्यम से संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने, सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण की भावना को जागृत करने, तथा प्रधानमंत्री के संकल्प से सिद्धि के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत सोनहत मंडल की बैठक संपन्न – सोनहत- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के ११ साल पूरा होने पर संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत सोनहत मंडल की बैठक राजवाड़े समाज भवन मे संपन्न हुआ। बैठक मोदी सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के पहुंचाने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, युवा नेता शारदा गुप्ता, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े, मंडल महामंत्री मनोज साहू, सुरेश राजवाड़े, वरिष्ठ नेता सुभाष जायसवाल, कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल, जनपद सदस्य आलेश्वरी गौतम, राज कुमारी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिला मंत्री रमेश तिवारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम मे देवेन्द्र सिंह, सुचित्रा पाल, विक्की सारथी, भीम राजवाड़े, लक्ष्मी राजवाड़े, राकेश राजवाड़े, सुशीला राजवाड़े, अनिल जायसवाल, मैन प्रताप सिंह, धनेश्वर सिंह, मुकेश राजवाड़े, भजन राजवाड़े, राज कुमार राजवाड़े, अनुज राजवाड़े, अरविन्द राजवाड़े, राम कुशल राजवाड़े, नन्दलाल, भानू पैकरा, सोनू प्रजापति, कृष्णा साहू, संजय मानिकपुरी, बालकृष्ण देवांगन, मोनी नाविक, उदेश्वर, वीरेन्द्र, अनिल गौतम सहित भारी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयन्स टीम के बीच ड्रॉ हुए दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में तनुष और कंबोज ने लगाये अर्धशतक

नॉर्थम्पटन

यहां इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयन्स के बीच हुआ दूसरा अनधिकृत टेस्ट मैच भी ड्रॉ रहा है। इस मैच में इंडिया ए के दिये 439 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड लॉयन्स की टीम अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 32 रन ही बना पायी। वहीं इससे पहले इंडिया ए ने पहली पारी में 348 रन बनाने के बाद इंग्लैंड लॉयन्स को 327 रन पर आउट करके 21 रन की बढ़त हासिल की थी। इस पकार इस सीरीज के दोनो ही मैच ड्रॉ रह। इससे पहले केंटरबरी में हुए पहले मैच में भी कोई परिणाम नहीं निकला था। इस मैच में इंडिया ऐ ने तनुष कोटियान के नाबाद 90 रनों और अंशुल कंबोज के नाबाद 51 रनों की सहायता से दूसरी पारी में सात विकेट पर 417 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद मेजबान टीम को जीत के लिए 439 रनों का लक्ष्य मिा था।

भारतीय गेंदबाजों ने एमिलियो गे 05 और जोर्डन कॉक्स को शून्य पर ही पवेलियन भेज दिया। इससे इंग्लैंड लॉयन्स शुरुआत में ही लड़खड़ा गयी। शीर्ष क्रम को झकझोरा। तुषार देशपांडे ने 13टॉम हेन्स को 07 रनों पर ही आउट कर दिया। मैच जब ड्रॉ घोषित किया गया उस समय सलामी बल्लेबाज बेन मैकिनी 16 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर कप्तान जेम्स रेव शून्य पर थे। कोटियान ने इससे पहले 108 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके मारे। इंडिया ए की ओर से इस मैच में तनुष और कंबोज ने इंग्लैंड लॉयन्स के गेंदबाजों को एक भी अवसर नहीं दिया। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 149 रन की बनाये। कंबोज ने भी शानदार पारी खेली। तनुष ने 74वें ओवर में बेन मैकिनी की गेंद पर चार रन के लिए खेलकर अपना 16वां प्रथम श्रेणी अर्धशतक पूरा किया। वहीं कंबोज ने 91वें ओवर में टॉम हेन्स पर तीन रन के साथ अपना पहला अर्धशतक लगाया। मेजबान टीम के गेंदबाजों ने 80वें ओवर के बाद नई गेंद ली पर इसके बाद भी उसे कोई सफलता नहीं मिली। इंडिया ए ने सुबह के सत्र में ध्रुव जुरेल 28, नितीश कुमार रेड्डी 42 और शारदुल ठाकुर 34 के विकेट खोये। जॉर्ज हिल ने लंच से पहले की अंतिमगेंद पर शारदुल को पेवेलियन भेज। इंडिया ए ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 163 रन से की। जुरेल इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये। जुरेल ने नितीश रेड्डी के साथ पांचवें विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

एंडरसन ने डब्ल्यूटीसी मुकाबले से पहले तेज गेंदबाजों को दी अहम सलाह

लंदन इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने यहां बुधवार से लॉर्ड्स में शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीकी और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों को अहम सलाह दी है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के पास जहां कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन जैसे तेज गेंदबाज हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाजों की तिकड़ी है। लॉर्ड्स में एक कार्यक्रम के दौरान एंडरसन ने कहा, यहां निश्चित रूप से आपको गेंद को ऊपर की ओर पिच करने की जरूरत है। बहुत से लोग ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से की लैंथ को गेंदबाजी के लिए अच्छा मानते हैं पर मुझे लगता है कि यहां यह स्टंप से तीन-चौथाई ऊपर रहती है। एंडरसन ने कहा, इस तरह से आप थोड़ी फुल लेंथ में होंगे, इसलिए तेजी गेंदबाजों के लिए इस प्रकार की गेंदबाजी ही अच्छी रहेगी। एंडरसन ने कहा कि रबाडा दुनिया के उनके पसंदीदा गेंदबाजों में से एक हैं और उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के साथ उनकी कड़ी टक्कर होगी इसमें जो भारी पड़ेगा उसी की टीम जीतेगी। एंडरसन ने कहा, मेरे लिए मुख्य मुकाबला रबाडा और स्मिथ के बीच होगा और मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक अच्छी रोमांचक टक्कर हो सकती है।

आरसीबी टीम में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी डियाजियो !

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बिकने की संभावनाए हैं। एक रेटिंग फर्म की रिपोर्ट के अनुसार इसकी एक हिस्सेदार ब्रिटिश डिस्टिलरी कंपनी डियाजियो पीएलसी आईपीएल की इस फ्रेंचाइजी को बेचने पर विचार कर रही है। वह आरसीबी में अपनी कुछ हिस्सेदारी या फिर पूरा का पूरा स्टेक ही बेच सकती है।

डियाजियो के पास अपने भारतीय यूनिट यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के तहत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मालिकाना अधिकार है। रिपोर्ट के मुताबिक, डियाजियो ने हालांकि आरसीबी को बेचना ही है पर अभी तक इसपर आंखिरी फैसला नहीं हुआ है। इसे लेकर डियाजिओ और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। रिपोर्ट में बताया है कि डियाजिओ के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं यूनाइटेड स्पिरिट्स के एक प्रतिनिधि से भी इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि डियाजियो के आरसीबी से निकलने की बात ऐसे समय में उठी है जब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आईपीएल के दौरान तंबाकू, गुटखा और शराब के ब्रैंड्स के अप्रत्यक्ष प्रचार पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। मंत्रालय यह भी चाहता है कि खेल से जुड़ीं हस्तियां किसी भी ऐसी चीज का प्रचार न करें जो स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। भारत में पहले ही तंबाकू और शराब का विज्ञापन प्रतिबंधित है हालांकि इसका तोड़ निकालने के लिए इनसे जुड़ी कंपनियां इलायची या फिर सोडा या नॉन-एल्कोहलिक पेय पदार्थ की आड़ में अपने ब्रैंड्स का अप्रत्यक्ष प्रचार करती हैं। क्रिकेट से जुड़ी कई हस्तियां भी ऐसे प्रचार में नजर आती हैं।

बेंगलुरु हादसे के बाद नया क्रिकेट स्टेडियम बनाने की मांग उठी

बेंगलुरु यहां आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान हुए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद से ही शहर में नये स्टेडियम को बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। विक्ट्री परेड के दौरान बहुत ज्यादा भीड़ स्टेडियम के बाहर इकट्ठा हो गई। जितने ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश मिल गया। ऐसे में भगदड़ मच गयी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गये। चिन्नास्वामी स्टेडियम की दर्शक क्षमता 35 से 40 हजार के बीच है, जबकि शहर की आबादी करीब 1.5 करोड़ है। इसके अलावा स्टेडियम में पर्याप्त पार्किंग की सुविधा भी नहीं है। जब ये स्टेडियम बना था तो उस समय बेंगलुरु की आबादी 16 लाख थी। ऐसे मे अब ये स्टेडियम छोटा पड़ने लगा है। इसी कारण एक ऐसे नये स्टेडियम की जरुरत महसूस हो रही है। जिसमें पार्किंग और सार्वजिनिक परिवहन सहित सभी सुविधाएं हों। इसकी मांग करने वालों का कहना है कि शहर की आबादी तो बढ़ी है पर 18 साल में आईपीएल भी बहुत आगे बढ़ चुका है। अब चिन्नास्वामी स्टेडियम बढ़ती भीड़ का बोझ नहीं उठा सकता। नये स्टेडियम के लिए सरकारी भूमि आवंटन के बाद भी स्टेडियम के निर्माण को लेकर कुछ नहीं हुआ है। तुमकुरु के पास हाल ही में एक क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी गई है, इसके बनने से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को नया घर मिल सकता हे। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को कोलार, चिकमगलुरु, मंगलुरु, उडुपी और पुत्तूर में भूमि आवंटित की गई थी पर ये ये स्थल बड़े पैमाने पर अविकसित हैं, केवल चारदीवारी ही बनी हुई है। वहीं बल्लारी और दावणगेरे में भी ऐसी ही स्थिति है। तुमकुरु के पास एक नए क्रिकेट स्टेडियम के लिए 41 एकड़ भूमि आवंटित करते समय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मैसूर में केआईएडीबी के माध्यम से अतिरिक्त सरकारी भूमि देने का वादा किया था।

विकेटकीपिंग में जेबकतरों से भी तेजी से चलते हैं धोनी के हाथ : पूर्व कोच शास्त्री

मुम्बई भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विकेटकीपिंग के दौरान उनके हाथ किसी जेबकतरे से भी तेज चलते थे। धोनी ने क्रिकेट की दुनिया में एक ऐसे बल्लेबाज के रूप में कदम रखा जो छक्के मारने में महारथी था। उन्हें 2007 में पहले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया, जिसे जीतकर उन्होंने अपने कप्तानी कौशल को साबित किया। धोनी के कप्तानी के भारतीय टीम ने आईसीसी के तीन सीमित ओवरों के टूर्नामेंट जीते। इसमें साल 2007 टी20 वर्ल्ड कप, 2011 एकदिवसीय विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। वे ऐसा करने वाले अकेले कप्तान हैं।

धोनी की सबसे बड़ी खूबी उनका शांत स्वभाव था। वह मैदान पर दबाव के बीच भी कैप्टन कूल के तौर पर लोकप्रिय रहे। शास्त्री के अनुसार उन्होंने धोनी जैसा शांत खिलाड़ी कभी नहीं देखा। साथ ही कहा कि । उनके लिए कुछ भी बदलता नहीं है। वह शून्य पर आउट होते हैं, विश्व कप जीतते हैं, शतक बनाते हैं, सब कुछ एक जैसा रहता है, किसी प्रकार का कोई उंतर उनके स्वभाव में नहीं आता। दोहरा शतक, इस खिलाड़ी पर कोई फर्क नहीं पड़ता. यह कुछ ऐसा है जो मैंने किसी भी खिलाड़ी में नहीं देखा, कम से कम भारत से और इसमें महान सचिन तेंदुलकर भी शामिल हैं जो कभी-कभी गुस्सा होते थे।

ऋषभ के शॉट से स्टेडियम की छत टूटी

लंदन इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलने गयी भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने यहां अभ्यास सत्र में एक ऐसा तेज छक्का मारा कि गेंद स्टेडियम की छत तोड़ते हुए निकल गयी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस वीडियो में वीडियो में देखा जा सकता है कि नेट्स में वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर ऋषभ ने एक बड़ा छक्का लगाया, जो स्टेडियम की छत पर जाकर लगा, जिससे स्टेडियम की छत टूट गई। इससे साफ है कि वह लय में आ रहे हैं। इससे पहे आईपीएल में वह असफल रहे थे। आईपीएल में वह एक शतक और एक अर्धशतक के अलावा अन्य सभी मैचों में विफल रहे थे। एक मैच में उन्होंन शतक लगाया पर उसमें भी उनकी टीम हार गयी। इसे इसके बाद भी बीसीसीआई का भरोसा उनपर बना हुआ है। इसी कारण टेस्ट टीम का उपकप्तान बनाकर भेजा गया है। ऋषभ का विदेशी धरती पर काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। जिसके कारण भी वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज माने जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के सोशल मीडिया में आये एक वीडियो में कप्तान शुभमन गिल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा सहित कई खिलाड़ी खेलते हुए दिख रहे हैं।

आरसीबी अगले आईपीएल में शायद ही नजर आये

मुम्बई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम 2026 आईपीएल में शायद ही खेल पाये। इसका कारण ये है कि 2025 आईपीएल खिताब जीतने के कारण आयोजित आरसीबी के जश्न में मची भगदड़ से 13 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है और आरसीब पर कड़ी कर्रवाई के तहत ही एक साल का प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर इस मामले में आरसीबी प्रबंधन की लापरवाही साबित हुई, तो टीम पर एक साल का प्रतिबंध लगना तय है। ऐसे में वह साल 2026 आईपीएल से बाहर हो जाएगी। . भगदड़ के बाद पुलिस ने आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसी मामले में आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार किया गया है। वहीं केएससीए के दो अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। इस मामले में आरोप हैं कि आरसीबी प्रबंधन ने विक्ट्री परेड का ऐलान तो कर दिया पर इसके लिए नियमों का पालन नहीं किया गया था। इसलिए पुलिस ने कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी। जब तक पुलिस के इजाजत ना देने की जानकारी सामने आई तब तक लाखों लोग एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच गये थे। पुलिस पर भी भीड़ प्रबंधन में लापरवाही का आरोप है।

तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे होंगे टी20 विश्व कप टीम में : उथप्पा

नई दिल्ली तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे निश्चित रूप से अगले साल घर पर होने वाले टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा के लिए टीम में होंगे। ये सितारे हैं प्रियांश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह और वैभव सूर्यवंशी। यह मानना है पूर्व शीर्ष बैटसमैन रॉबिन उथप्पा का। हाल ही में विभिन्न फ्रेंचाइजियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सीजन में नई प्रतिभाओं का खुलासा किया जबकि कुछ को भविष्य के लिए लोगों के रूप में पहचाना गया था जिनमें से कुछ ने भारत के टी20आई स्थान के लिए दरवाजा खटखटाया। पंजाब किंग्स की ओपनिंग जोड़ी प्रियाश और प्रभासिम्रन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने आक्रामक इरादे से चकाचौंध कर दिया। युवा जोड़ी के अलावा 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेलते हुए सुर्खियां बटोरीं और सावधानी और आक्रामकता का मिश्रन दिखाया। युवा तिकड़ी के उदय के साथ भारत अगले साल के मार्की इवेंट के लिए सबसे अच्छे शीर्ष आदेश का पता लगाने में एक बड़ी चुनौती का सामना करेगा।

शुबमन गिल और यशसवी जायसवाल ने प्रारूप से एक साल दूर बिताया है। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने उनकी अनुपस्थिति में एक नई उद्घाटन जोड़ी बनाई है। उन्होंने कहा, प्रियाश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, ये सभी निश्चित रूप से एक विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में होंगे।

एमपीए 2025 में हुआ अजूबा, विकेटकीपर के एक थ्रो से गिरे दोनों छोर के विकेट

मुम्बई

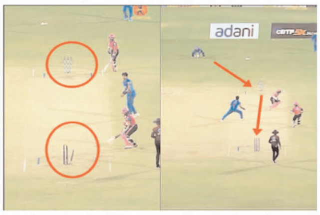

यहां खेली जा रही~ महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (एमपीए 2025) में एक अनौखा मामला सामने आया है। पुणेरी बप्पा टीम के विकेटकीपर सूरज शिंदे ने रायगढ़ रॉयल्स के खिलाफ ऐसा थ्रो मारा कि स्ट्राइक और नॉन स्ट्राइक दोनों एंड के स्टंप गिर गए। सूरज ने शुरुआत में स्ट्राइकर एंड पर थ्रो मारा पर बल्लेबाज क्रीज पर सकुशल पहुंच चुका था पर इस गेंद स्ट्राइक एंड से टकराने के बाद तेजी से उछलकर नॉन-स्ट्राइकर एंड के स्टंप से टकरा गयी। यह घटना मैच की दूसरी पारी के पहले ही ओवर में हुई, जब पुणेरी बप्पा ने रायगढ़ रॉयल्स को जीत के लिए 203 रन का लक्ष्य दिया था। इस ओवर की पांचवीं गेंद पर स्ट्राइकर सिद्धेश वीर ने गेंद को ऑन-साइड की ओर बढ़ाया और तेजी से एक रन लेने का प्रयास किया पर विकेटकीपर सूरज शिंदे ने गेंद को पकड़ने के बाद स्टंप के पीछे से तेजी से थ्रो किया। वीर खुशकिस्मत रहे कि वह क्रीज पर पहुंच गये पर बदकिस्मती से उनके सलामी जोड़ीदार हर्ष मोगावीरा रन आउट हो गए। इसे बाद तो विकेटकीपर सूरज का थ्रो चर्चाओं में आ गया। सूरन ने इस मैच में बल्लेबाजी के दौरान भी तेजी से खेलते हुए केवल 12 गेंदों पर 40 रन बनाकर अपनी टीम पुणेरी को जीत दिला दी।

शाट लगते ही बल्ला टूटकर हवा में उछला

कोयंबटूर तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीए) में यहां कोयंबटूर के एसएनआर कॉलेज मैदान में खेले जा रहे मैच में चेपॉक सुपर गिलीज के सलामी बल्लेबाज के आशिक का बल्ला एक शॉट लगाने के टूट गया। ये मैच नेल्लई रॉयल किंग्स से हो रहा था। ये मामला पावरप्ले के दौरान तब हुआ। जब तेज गेंदबाज इमैनुएल चेरियन की गें पर आशिक ने शॉट खेला। गेंद के लगते ही बल्ले के दो टूकड़े हो गए , राहत की बात रही की बल्ले के टुकड़े किसी खिलाड़ी को नहीं लगे। इस मैच में नेल्लई रॉयल किंग्स ने टॉस जीतकर सुपर गिलीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। सुपर गिलीज का पहला विकेट ओपनर आरएस मोकीत हरिहरन का गिरा। आशिक और कप्तान बाबा अपराजित ने दूसरे विकेट के लिए 83 रन बनाकर पारी संभाली। अपराजित ने 29 गेंदों पर 41 रन बनाये पर वह चिन राठी का शिकार बन गये। अपराजित के आउट होने के बाद आशिक ने विजय शंकर के साथ मिकर 33 रन बनाये। आशिक 54 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। शंकर और स्वप्निल सिंह ने इसके बाद पारी को संभाला और केवल 19 गेंदों पर 56 रनों की बना दिये। स्वप्निल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 321.43 की स्ट्राइक रेट से मात्र 14 गेंदों पर 45 रन बनाए जबकि शंकर 24 गेंदों पर 47 रन बनाये। इससे सुपर गिलीज ने 20 ओवर में 212 रन बनाए। नेल्लई रॉयल किंग्स की ओर से सोनू यादव ने चार ओवर में दो विकेट लिए, जबकि वी युधीश्वरन ने तीन ओवर में तीन विकेट लिए। इसके जवाब में नेल्लई रॉयल किंग्स ने कप्तान अरुण कार्तिक 51 और मुहम्मद अदनान खान के 48 रनों की सहायता से लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की पर अन्य बल्लेबाजों के विफल होने से टीम 20 ओवर में 171 रन ही बना पायी और उसे 41 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सुपर गिलीज की तरफ से अभिषेक तंवर ने 3 जबकि स्वप्निल सिंह और एम सिलंबरासन ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट लोकेश राज को मिला।

रोहित शर्मा के 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने पर सवाल उठे

मुम्बई भारतीय क्रिकेट टीम के एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना है। पिछले विश्वकप में वह फाइनल की दहलीज पर पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पाये थे। रोहित अभी 38 साल के हैं ऐसे में उनकी उम्र विश्वकप तक 40 साल हो जाएगी और इन हालातों में उनको टीम में रखा जाता है या नहीं ये देखना होगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लग रहा था कि चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही रोहित संन्यास लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में उनके एकदिवसीय करियर को लेकर चयनकर्ताओं क्या फैसला करते हैं। ये देखना होगा। रोहित ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है और अब वह एक ही प्रारुप में खेल रहे हैं। रोहित ने अपनी कप्तानी में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद ही इस प्रारुप को अलविदा कह दिया था। पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के कुछ मई में उन्होंने टेस्ट को भी अलविदा कह दिया। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एकदिवसीय मैचों में ही नहर आयेंबे। इस साल चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्होंने कहा था कि वह अभी एकदिवसीय खेलते रहेंगे उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें समाप्त हो गयीं थीं। फाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद रोहित शर्मा ने कहा था, एक और बात, मैं इस प्रारुप से संन्यास लेने नहीं जा रहा हूं। मैं बस यह पक्का करने के लिए कह रहा कि कोई अफवाह न फैले।

अंपायर से बहस करना अश्विन को महंगा पड़ा, 30 फीसदी जुर्माना लगा

कोयंबटूर दिग्गज स्पिनर आर अश्विन को तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के एक मैच में महिला अंपायर से बहस करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। मैच रैफरी ने अश्विन पर आचारसंहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना लगाया है। एक अधिकारी ने कहा, 'अश्विन पर अंपायरों के फैसले से असहमति दिखाने के लिए 10 फीसदी और उपकरणों के गलत उपायोग के लिए 20 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। अश्विन ने जुर्माना स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में आगे कार्रवाई की जरुरत नहीं पड़ी है।' अश्विन 8 जून की शाम डिंडीगुल ड्रैगन्स और आईड्रीम तिरुप्पुर तमिलियंस के बीच मैच में आउट दिये जाने पर गुस्से में आ गए थे। अश्विन डिंडीगुल की पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर पांचवें ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की गेंद पर उन्हें डलबीडब्ल्यू आउट करार दिया गया। जिसको लेकर वह अंपायर के फैसले से सहमत नहीं थे। उनका कहा कै कि गेंद उनके पैड पर लगी और वह बाहर जा रही थी। वहीं अंपायर वेंकटेशन कृतिका ने गेंदबाज की अपील पर उन्हें आउट दे दिया। रीप्ले से यह स्पष्ट था कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थीघ। अश्विन डीआरएस नहीं ले सके क्योंकि उन्होंने और उनके सलामी जोड़ीदार शिवम सिंह ने लेग साइड की वाइड गेंद) को लेकर पहले ओवर में ही रेफरल का अपना कोटा खत्म कर दिया था ऐसे में अश्विन के पास वापस जाने के अलावा कोई चारा नहीं था।

एम एस धोनी आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गये 11वें भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2004 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही धोनी ने 2007 में पहले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे जीत दिलायी थी। उन्होंने 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं। आईसीसी ने धोनी के नाम की घोषणा करते हुए कहा, कठिन हालातों में भी अपने शांत स्वभाव और अनूठे रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने के साथ ही साथ ही छोटे प्रारूपों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी और सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईसीसी उन्हें क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। साथ ही कहा, भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दिखाते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा। वहीं धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। गौरतलब है कि धोनी ने अपने करियर में 350 एकदिवसीय मैचों में 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाये। वहीं, धोनी ने 98 टी20 अंतराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन बनाये। विकेटकीपिंग की बात की जाये तो वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले भारतीय विकेटकीपर हैं। वहीं विश्वस्तर पर वह तीसरे नंबर के विकेटीपर हैं।

शहीद गिरपुंजे की पत्नी को मिल सकती है डिप्टी कलेक्टर की अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर। सुकमा में नक्सलियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आकर शहीद हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे की पत्नी को छत्तीसगढ़ सरकार बतौर अनुकंपा नियुक्ति डिप्टी कलेक्टर का पद सौंप सकती है। सूत्रों की मानें तो साय सरकार इसके लिए संभवतः राजी है। संभावना जताई जा रही है कि, आने वाले दिनों में जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर पहुंचेंगे तो उनके हाथ से ही शहीद आकाश राव की धर्मपत्नी को नियुक्ति पत्र सौंप सकते है। दरअसल पुलिस के राजपत्रित संगठन ने भी यह मांग सरकार के समक्ष रखी थी।

छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए - मंत्री नेताम

00 25 जून तक आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से जारी होगा पदस्थापना आदेश
00 वर्ष 2022, 2023 एवं 2025 में पदोन्नत हुए छात्रावास अधीक्षकों की काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना के लिए दिशा-निर्देश जारी

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा है कि वर्ष 2022, 2023 एवं 2025 में पदोन्नत हुए छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को काउंसलिग के माध्यम से संपन्न कराया जाए। मंत्री श्री नेताम ने यह निर्देश मंगलवार को आदिम जाति तथा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर में 19 जिलों के सहायक आयुक्त एवं परियोजना प्रशासकों के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 3357 छात्रावास-आश्रमों में छात्रावास अधीक्षक रीढ़ के समान है। इस पर संबंधित संस्था के सुचारू रूप से संचालन की सबसे

प्रमुख जिम्मेदारी होती है। अतः इनकी नियुक्ति, सेवा शर्ते, पदोन्नति एवं पदस्थापना संबंधी कार्यो पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है।

आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने कहा कि वर्ष 2022 में आयुक्त कार्यालय के आदेश द्वारा कुल 491 छात्रावास अधीक्षकों को श्रेणी "द " से श्रेणी "स" के पद पर पदोन्नत किया गया है, परन्तु इनकी पदस्थापना अभी तक नहीं हो पाई, क्योंकि कुछ जिलों में स्वीकृत पद से अधिक अधीक्षक नियुक्त थे कई जगह पो.मैट्रिक संस्थाओं में रिक्त पदों की संख्या पर्याप्त नहीं थी। इसके साथ ही पदस्थापना के संबंध में कई प्रकार की अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

पदस्थापना नहीं होने से अधीक्षकों की सेवा शर्तो संबंधी समस्याएं आ रही थी। इसी प्रकार अप्रैल 2025 में कुल 486 छात्रावास अधीक्षकों को श्रेणी "द" से श्रेणी "स" के पद पर पदोन्नत किया गया है। अब इन सभी पदोन्नत अधीक्षकों की पदस्थापना पारदर्शी तरीके से एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत काउंसिलिंग के माध्यम से किये जाने हेतु मंत्री श्री नेताम के निर्देश पर विभाग द्वारा निर्णय लिया गया है। इसके लिए जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं राज्य स्तरीय समिति का गठन किए जाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष जिला कलेक्टर, संभाग स्तरीय समिति के अध्यक्ष संभागायुक्त एवं राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित विकास विभाग होंगे।

जिला स्तरीय समिति को 12-13 जून से प्रक्रिया प्रारंभ कर 16 जून तक संपन्न करने के निर्देश दिए गए हैं इसी प्रकार संभाग स्तरीय समिति 17-18 जून से 19-20 जून तक एवं राज्य स्तरीय समिति को 20-21 जून से लेकर 22-23 जून तक प्रक्रिया संपन्न करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला स्तरीय समिति एवं संभाग स्तरीय समिति द्वारा जारी पदस्थापना प्रस्ताव को जिला मुख्यालय में कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त कार्यालय एवं संभाग मुख्यालय में संभागीय आयुक्त एवं सहायक आयुक्त संभाग मुख्यालय के कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करेंगे। उक्त प्रस्तावों पर किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति होने पर आवेदक राज्य स्तरीय समिति के समक्ष सूची प्रकाशन के 02 दिवस के भीतर अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

राज्य स्तरीय समिति प्राप्त अभ्यावेदन का निराकरण 02 दिवस के भीतर कर आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर को पदस्थापना सूची जारी करने हेतु प्रतिवेदन देगी। राज्य स्तरीय समिति के द्वारा जारी अनुशंसित सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति होने पर आवेदक विभाग के भारसाधक सचिव के समक्ष सूची जारी होने के 02 दिवस के भीतर अभ्यावेदन प्रस्तुत करेंगे, जिस पर भारसाधक सचिव द्वारा नियमानुसार अभ्यावेदन का निराकरण किया जाएगा। इस प्रकार प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न होगी। प्रत्येक समिति के दायित्व एवं अन्य नियम-शर्तों का विस्तार से उल्लेख शासन द्वारा जारी आदेश में किया गया है।

आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा 25 जून तक पदस्थापना आदेश भी जारी कर दिया जाएगा। काउंसलिग प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा स्वयं पूरी प्रकिया की सतत मानीटरिंग कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

अतिशेष प्राचार्य एवं व्याख्याताओं की राज्य स्तरीय काउंसिलिंग आज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा शैक्षिक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के अंतर्गत अतिशेष प्राचार्य एवं व्याख्याताओं की काउंसिलिंग 12 जून 2025 को होगी। यह काउंसिलिंग प्रातः 10 बजे से इन्द्रावती भवन, तृतीय तल, सभा कक्ष क्रमांक 01 एवं 02, नवा रायपुर अटल नगर में की जाएगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने संभागों के अतिशेष प्राचार्यो एवं व्याख्याताओं की काउंसलिंग में उपस्थिति सुनिश्चित कराएं।

यूनिवर्सिटी का बाबू पकड़ाया 30 हजार घूस लेते, मुंगेली में पटवारी गिरफ्तार

रायपुर। रविशंकर विश्वविद्यालय में एसीबी की टीम ने छापा मारा है। मंगलवार को टीम यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन पहुंची। यहां वित्त विभाग में पदस्थ क्लर्क दीपक शर्मा को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है। वहीं मुंगेली में एक पटवारी उत्तम कुर्रे को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय निर्माण की प्रगति की समीक्षा की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर में निमार्णाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने म्यूजियम के स्वरूप, निर्माण की गुणवत्ता और प्रस्तुत की जाने वाली सामग्री की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों की अमर गाथा को समर्पित होगा। इसमें परलकोट विद्रोह, सोनाखान विद्रोह और भूमकाल विद्रोह जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों को विशेष रूप से दशार्या जाएगा। साथ ही, प्रदेश के प्रमुख जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय आने वाली पीढियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। हमें गर्व है कि छत्तीसगढ़ की धरती ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इन गाथाओं को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दृश्य-श्रव्य तरीके से रोचक और ज्ञानवर्धक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यो को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री श्री राम विचार नेताम, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित आदिवासी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

जुनवानी से चिखलीटोला तक बनेगी पक्की सड़क, अब सफर होगा आसान, मुख्यमंत्री की पहल से खुश हैं ग्रामीण

रायपुर। बालोद जिले के डौण्डी वनांचल क्षेत्र के ग्राम जुनवानी से चिखलीटोला तक की कच्ची और पथरीली सड़क अब पक्की बनेगी। इस क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए यह सड़क पहले एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि कच्चे रास्तों के कारण उन्हें 3 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 30 किलोमीटर का लंबा सफर करना पड़ता था। यह रास्ता पहाड़ी इलाकों से गुजरता था और इसके कारण ग्रामीणों को समय, मेहनत और संसाधनों की भारी बबार्दी होती थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के दौरान इस सड़क निर्माण के लिए 11 करोड़ 47 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। इससे न केवल पक्की सड़क निर्माण होगा, बल्कि इस क्षेत्र में विकास की नई शुरूआत भी होगी। पूर्व जनपद पंचायत सदस्य श्री संजय बैस ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से क्षेत्र का विकास तेजी आएगी। यह विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण श्री हरिश्चंद्र नायक ने भी बताया कि श्रमदान से बनाए गए इस रास्ते को अब पक्का किए जाने की मांग पूरी होने जा रही है। अब तीन किलोमीटर की दूरी को तय करने में जो समय और पैसा खर्च होता था, वह दोनों बचेंगे। इस पक्की सड़क से ग्रामीणों को बाजार तक आसानी से पहुंच मिलेगी, किसान अपने खेतों तक सरलता से जा सकेंगे, और इस क्षेत्र के लोगों की जीवनशैली में एक बड़ा बदलाव आएगा।

यह सड़क केवल दो गांवों को जोड ? का काम नहीं करेगी, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी सुविधाओं तक पहुंच बढ़ेगी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का दिल से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उनकी मेहनत और संघर्ष को सम्मानित किया और उनके सपनों को साकार किया। इस पक्की सड़क के निर्माण की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में एक नई उम्मीद और विश्वास का संचार हुआ है।

10 सूत्रीय मांग को लेकर 15 सामाजिक संगठनों के प्रमुखो ने किया प्रदर्शन

00 अनुसूचित जाति, जनजाति वर्गो के लिए पदोन्नति में आरक्षण नियम 5 को पुनः अधिसूचित करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रस्ताव पर सर्व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के समाज प्रमुखों ने संवैधानिक हक अधिकारियों के लिए 10 सूत्रीय मांग को लेकर तूता स्थित धरना स्थल में राज्य भर से पहुंचे अधिकारी कर्मचारियों ने जमकर धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक संघ अध्यक्ष आर एन ध्रुव, कमलेश ध्रुव, कार्यकारिणी अध्यक्ष एनके चंद्रवंशी, महासचिव (अजाक्स) अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉक्टर लक्ष्मण भारती, महामंत्री छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ अध्यक्ष आर एल ध्रुव, महासचिव जे के मांडवी, सोशल जस्टिस एंड लीगल

फाउंडेशन अध्यक्ष अनिल कुमार बनेर्जी,सचिव विनोद कोसले के साथ 15 संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक संघ अध्यक्ष आर एन ध्रुव ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में अनुसूचित जाति, जनजाति वर्गो के लिए पदोन्नति में आरक्षण नियम 5 को पुनः अधिसूचित करना एवं मान. सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश 01.05.2023 एवं 24.02.25 को पदोन्नति में तत्काल लागू करवाना, अनुसूचित जाति, जनजाति, व पिछड़े वर्गो के बैकलाग पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान की कार्यवाही करवाना, जनसंख्या के आधार पर अजा जजा आरक्षण का निर्धारण एवं जिला व संभाग स्तरीय / स्थानीय भर्ती आरक्षण पर अधिनियम बनाने की कार्यवाही, राज्य में आरक्षित वर्गो के छात्रवृत्ति के लिए 2011 से निधारित 2.50 लाख आय सीमा को समाप्त करवाना, फर्जी जाति प्रमाण-पत्र धारितों पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही शीघ्र करवाना, जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया का सरलीकरण करवाना, अनुसूचित जाति, जनजाति उपयोजना (निधियों का निर्धारण, आबंटन एवं उपयोगिता) बजट अधिनियम बनवाना, छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्गो के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 के प्रावधानों का शत प्रतिशत लागू करवाना, 5 वीं अनुसूची क्षेत्रों की 85 विकास खंडों में स्थानीय प्रशासन का पेसा कानून के तहत प्रभावी क्रियान्वयन करवाना तथा छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (6) के तहत अजजा की भूमि अंतरण प्रतिबंध में पट्टा को शामिल नहीं करने जारी परिपत्र दिनांक 17 अगस्त 2016 को तत्काल निरस्त किया जाना शामिल है।

पांच आईएएस अफसरों के प्रभार बदले

रायपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच अफसरों के प्रभार में फेरबदल किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इसका आदेश जारी कर दिया गया है। क्रमांक ई 1-01/2025/एक-2 राज्य शासन एतद्वारा डॉ. रोहित यादव, भा.प्र.से. (2002), सचिव, ऊर्जा विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार अध्यक्ष, छ.ग. स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड, अध्यक्ष, छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

2/श्री अविनाश चंपावत, भा.प्र.से. (2003), सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार पदेन राहत एवं पुनर्वास आयुक्त, आयुक्त, भू-अभिलेख, सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, जन शिकायत निवारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

3/श्री अंकित आनंद, भा.प्र.से. (2006), सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग, सचिव, आवास एवं पर्यावरण विभाग, अध्यक्ष, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

4/ श्री हिमशिखर गुप्ता, भा.प्र.से. (2007), सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, गृह एवं जेल विभाग को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, श्रम विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सचिव, गृह एवं जेल विभाग तथा श्रमायुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौपता है। 5/ श्री चंदन कुमार, भा.प्र.से. (2011), विशेष सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, संचालक, बजट का अति. प्रभार को केवल विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए श्री सौरभ कुमार, भा.प्र.से. (2009), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति हेतु कार्यमुक्त होने की तिथि से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। शेष प्रभार यथावत रहेगा।

उपेक्षा से आहत है शुक्ल समर्थक, फिर सामने आयी पीड़ा

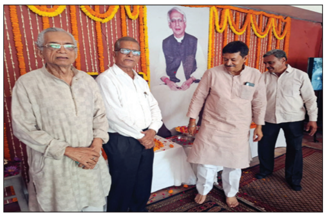

रायपुर। शहीद विद्याचरण शुक्ल समर्थक आज उनकी पुण्यतिथि पर काफी बड़ी संख्या में जुटे। हालांकि उन्हे श्रद्धाजंलि देने के लिए पीसीसी अध्यक्ष,नेता प्रतिपक्ष से लेकर कांग्रेस के विधायकगण भी पहुंचे,सभी ने शुक्ल के कार्यो व पार्टी की प्रति निष्ठा को नमन किया। वहीं दूसरी ओर शुक्ल समर्थक इस बात से आहत दिखे कि शुक्ल बंधुओं के जाने के बाद पार्टी में उन्हे वह स्थान या महत्व नहीं मिला जो मिलना चाहिए। यह पीड़ा आखिर वीसी शुक्ल के भतीजे व पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल ने व्यक्त कर ही दी। विद्या भैया तो शहीद हो कर अमर हो गए। वे काफी साहसी व कर्मठ व्यक्ति थे। लेकिन उनके समर्थकों को कांग्रेस पार्टी वो स्थान नहीं मिल पाया जो मिलना चाहिए। उनके समर्थकों की बड़ी संख्या है काफी अच्छे व भले लोग हैं जिनकी जनता के बीच सीधी पकड़ है,यदि पार्टी उन्हे स्थान देती तो निश्चित रुप से इसका फायदा मिलता। पिछले दिनों कांग्रेस के संगठन प्रभारी सचिन पायलट के समक्ष शुक्ल बंधुओ के समर्थको की बात अमितेश शुक्ल ने अपने निवास में सौजन्य मुलाकात के दौरान रखी भी थी। वहीं दूसरी ओर कुछ पुराने शुक्ल सर्मथकों ने कहा कि विद्या भैया के प्रति निष्ठा के चलते वे पार्टी नीत से बंधे हुए हैं।

ग्राम भोथली के किसान कीर्तन ने ड्रीम इलेवन में 39 रुपए लगाकर जीते 4 करोड़

बालोद। गुरूर ब्लॉक के ग्राम भोथली का किसान कीर्तन कुमार साहू ने अब करोड़पति बन गया है क्योंकि उसने ऑनलाइन गेमिंग एप ड्रीम इलेवन में आईपीएल सेमीफाइनल मैच में 39 रुपए लगाकर 4 करोड़ रुपए जीते है। जैसे ही इसकी घोषणा हुई पूरे परिवार के साथ गांव में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और उसे बधाई देने वालों का तांता लगना शुरू हो गया है। कीर्तन ने बताया कि वह इस पैसे से जमीन और गाड़ी तो खरीदेगा साथ ही बचे हुए रुपये से वह बिजनेस भी करेगा।

उन्होंने बताया कि यू-ट्यूब से देखकर उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग खेलना सीखा, उसके बाद पिछले दो साल से ऑनलाइन गेमिंग एप ड्रीम इलेवन में खेलना शुरू किया और हर मैच खेला। जिसका परिणाम मुझे बेहतरीन ढंग से आईपीएल 2025 के सेमीफाइनल मैच में मिला है। उन्होंने इस मैच में 39 रुपए लगाकर जीते पूरे 4 करोड़ रुपये जीते। उन्होंने बताया कि जब वह मैच में जुड़ा था तो उसे पता नहीं था कि वह इस परिणाम तक पहुंच गया है। अगले दिन जब उसने दोबारा मोबाइल खोला तब पता चला कि उसने चार करोड़ की राशि जीत ली है। पहले उसे यकीन नहीं हो रहा था, लेकिन कंपनी से फोन आया और उसके खाते में पैसे ट्रांसफर किए तो खुशी का ठीकाना नहीं था। इनाम की चर्चा के बाद बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, 3 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सीएमएचओ को देने निर्देश

रायपुर। बीरगांव के शहरी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को प्रसव के बाद श्रीमती साधना निषाद की मौत हो जाने के बाद परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ प्रियंका शुक्ला को जांच करने के निर्देश दिए। इसके बाद आयुक्त के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित का गठन किया जिसमें जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव वोहरा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ निर्मला यादव, एनेस्थिसिया विशेषज्ञ चंद्रा राव और नोडल अफसर मातृत्व शाखा डॉ प्रीति नारायण शामिल हैं। जांच दल को

परिजनों की शिकायत के आधार पर 3 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सीएमएचओ को देने के निर्देश दिए गए है।

भैयालाल रजवाड़े के प्रयासों से ग्रामीण समस्याओं का समाधानः बैकुंठपुर क्षेत्र में दिख रहा विकास का असर

कोरिया बैकुंठपुर। बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री भैयालाल रजवाड़े ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वे जनसेवा को राजनीति का मूल उद्देश्य मानते हैं। ग्रामीण जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए श्री रजवाड़े ने हाल के दिनों में अनेक महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम क्षेत्र में देखने को मिल रहे हैं।

क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान श्री रजवाड़े ने ग्राम सलका, सलवा, मनसुख, पटना क्षेत्र, बचरा पोडी क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीधे जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और यथासंभव त्वरित समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों की मुख्य समस्याओं में सड़कों की जर्जर स्थिति, पेयजल संकट, बिजली आपूर्ति में बाधा, स्वास्थ्य सेवाओं

की कमी और स्कूलों में शिक्षकों की अनुपलब्धता जैसे मुद्दे शामिल थे।

श्री रजवाड़े ने पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन विभाग, शिक्षा विभाग एवं बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की कार्ययोजना बनाई। उन्होंने ग्राम सलका से पनिका पारा तक सड़क निर्माण के लिए विशेष निधि से राशि स्वीकृत कराई, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी। साथ ही कई गांवों में हैंडपंप की मरम्मत एवं नवीन बोरिंग की प्रक्रिया भी आरंभ कराई गई है।

स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में भी उन्होंने जिला चिकित्सा अधिकारियों से बात कर मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सुदूर गांवों में शिविर लगाने की पहल की, ताकि ग्रामीणों को तत्काल स्वास्थ्य लाभ मिल सके। शिक्षा के क्षेत्र में रजवाड़े ने शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए संविदा शिक्षकों की तैनाती हेतु शासन स्तर पर पत्राचार किया है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

KJ
स्थापना - 1928
मानक पथप्रदर्शक
100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

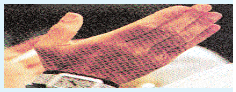

सच्ची सेवा वह है जिसमें सर्व की दुआओं के साथ खुशी की अनुभूति हो।

युक्तियुक्तकरण को लेकर लुण्ड्रा कांग्रेस कमेटी ने किया बीईओ कार्यालय का घेराव - 10

अम्बिकापुर गुरूवार, 12 जून 2025

■ शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से जिले की शालाएं हुई शिक्षक युक्त- 12

पत्नी और बेटी को कुल्हाड़ी से काट खुद लगा रहा था फांसी; छप्पर तोड़कर घर में घुसी पुलिस

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पति ने अपनी पत्नी और बेटी को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या करने की तैयारी कर रहा था, लेकिन पुलिस और ग्रामीणों ने छप्पर तोड़कर पकड़ लिया। मृतकों की पहचान नर्मदापुर के माझापारा गांव निवासी संझई माझी (३२) और प्रियंका माझी (७) के रूप में हुई है। वारदात के बाद भागते वक्त पुलिस ने आरोपी सुशील माझी (३४) को गिरफ्तार कर

लिया है।दरअसल, बुधवार सुबह करीब ७ बजे आरोपी पति घर में पत्नी और बेटी को बंद कर लिया था। इस दौरान वह मारपीट कर रहा था। सुबह करीब ११ बजे पत्नी-बेटी को आसपास के लोगों ने चिल्लाते सुना, फिर अचानक घर से आवाज आनी बंद हो गई। इसके बाद आसपास के लोगों ने सुशील माझी के घर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। ग्रामीणों ने छप्पर उजाड़कर कमरे में झांका तो अंदर पत्नी और बेटी की खून से लथपथ लाश पड़ी थी। इससे ग्रामीण घबरा गए। फौरन डायल ११२ की टीम को कॉल कर बुलाया। इस दौरान आरोपी सुशील माझी फांसी लगाने की तैयारी कर रहा था। छप्पर के रास्ते ग्रामीण और पुलिस घर के अंदर घुसी, तभी आरोपी ने भोदल राम पर चाकू से हमला करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। ग्रामीणों ने अंदर से जैसे ही दरवाजा खोला, वह भागने लगा, लेकिन पुलिस ने आरोपी सुशील माझी को पकड़ लिया।ग्रामीणों ने बताया कि सुशील माझी पहले होटल में मिस्त्री का काम करता था। कुछ समय पहले उसने नर्मदापुर जनपद पंचायत के सामने होटल भी खोला था। सुशील माझी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, लेकिन उसने इलाज नहीं कराया। बीच में वो खुद ही ठीक हो गया था।

पत्नी और बेटी के साथ रहता था आरोपी

ग्रामीणों बताया कि सुशील माझी के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उसका कोई भाई भी नहीं है। घर में पत्नी और बच्ची के साथ ही रहता था। घटना की जानकारी उसके नजदीकी रिश्तेदारों को दी गई है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। कमलेश्वर पुलिस के मुताबिक ग्रामीणों से सूचना मिलते ही हमारी टीम मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। वहीं आरोपी के पास से कुल्हाड़ी जब्त कर लिया गया है। आरोपी भी पुलिस गिरफ्त में है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

संतु चक्रेस को मिला सपनों का आशियाना

जशपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण न सिर्फ जरूरतमंदों को पक्का मकान दे रही है, बल्कि उनके सपनों को भी नया ठौर और आत्म-सम्मान दे रही है। ऐसी ही एक कहानी है जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम दोकड़ा निवासी 70 वर्षीय संतु चक्रेस की।

वर्षों तक कच्चे घर में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले बुजुर्ग संतु चक्रेस आज बेहद प्रसन्न हैं क्योंकि उन्हें उनका पहला पक्का घर मिल गया है। खास बात यह रही कि इस घर की चाबी उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के हाथों से मिली, जब वे हाल ही में जशपुर प्रवास पर थे। भावुक संतु चक्रेस ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि "उम्र के इस पड़ाव में जब चिंता से मुक्त होकर जीना चाहता है, तब यह पक्का मकान मेरे लिए भगवान का आशीर्वाद है। अब मुझे और मेरे परिवार को न तो बारिश से डर है और न ही जहरीले जीव-जंतुओं से। अब हमारा भी एक सुरक्षित और मजबूत आशियाना है। संतु चक्रेस ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ था, जो अब पूर्ण रूप से बनकर तैयार है।

टेक्निकल कर्मचारियों द्वारा अत्याधुनिक तरीकों व मशीनों के माध्यम से शुरू की गई नगर के पानी टंकियों की सफाई

प्रथम चरण में 9 उच्च स्तरीय जलागारों के सफाई का कार्य प्रारम्भ

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। निकाय क्षेत्रांतर्गत पेयजल व्यवस्था हेतु स्थापित १५ उच्च स्तरीय जलागरों की सफाई आयाधुनिक तरीकों से जलागरों के सफाई का कार्य कराया जा रहा है। जिसके प्रथम चरण में ०९ उच्च स्तरीय जलागरों के सफाई का कार्य प्रारम्भ है। इस वर्ष समस्त १५ उच्च स्तरीय जलागारों के सफाई का कार्य निविदा एजेंसी के कुशल एवं टेक्निकल कर्मचारियों के द्वारा अत्याधुनिक तरीकों से मशीनों के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें हाई प्रेशर वैक्यूम क्लिनिंग , एंटी बैक्टिरियल एवं यू.वी.ट्रीटमेंट कार्य शामिल है। इस सफाई कार्य के बाद निकाय के समस्त जलागरों से शहरवासियों को साफ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगी।

टंकियों की सफाई के क्रम में अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा नगर निगम के जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक भवन पानी टंकी का निरीक्षण किया गया।

इस इस अवसर पर महापौर ने कहा

नगर की जनता के स्वास्थ्य की चिंता कर व लोगों को शुद्ध, स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो इस उद्देश्य से बाहर से बुलाकर इस कार्य हेतु कुशल टीम द्वारा शहर के जलागारों की सफाई अत्याधुनिक तरीके से की जा रही है। इसके पूर्व जलागारों की सफाई कार्य विभागीय कर्मचारीयों के माध्यम से कराया जाता था। जिससे संपूर्ण सफाई नहीं हो पाती थी।

जल प्रदाय शाखा प्रभारी सदस्य जितेंद्र सोनी ने कहा महापौर के निर्देश पर नगर की १५ उच्च स्तरीय टंकियों की अत्यधिक तरीके से कुशल एवं टेक्निकल कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य एवं ट्रीटमेंट किया जा रहा है। पार्षद एवं नागरिकों से इस कार्य में जल सप्लाई की होने वाली असुविधा हेतु सहयोग करने का आग्रह किया। प्रभावित वार्डों में टैंकर के माध्यम से सप्लाई की जायेगा।

निरीक्षण के दौरान न.पा.नि. के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी , एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती श्वेता गुप्ता, श्रीमती प्रियंका गुप्ता, पार्षद शैलेश सिंह शैलू, निरंजन राय, जलप्रदाय विभाग के प्रभारी प्रशांत खुल्लर व कर्मचारी उपस्थित रहे।

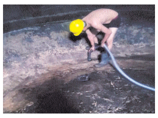

अज्ञात कारणों से दो नाबालिग सहेलियों की मौत, गांव में पसरा मातम

उदयपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के चौकी केदमा अंतर्गत ग्राम लालपुर में मंगलवार की रात दो नाबालिग युवतियों की रहस्यमयी परिस्थिति में मौत हो गई। दोनों सहेलियों की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे गांव में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़ेगांव चौकी केदमा निवासी चार युवतियाँ — सुबासो, अंजनी, निर्मला और ललिता — तथा एक युवक बीर सिंह, बीते एक सप्ताह से गर्मी के सीजन में धान कटाई के लिए पास के गांव लालपुर में कार्य कर रहे थे।

मंगलवार को देर शाम सभी ने काम समाप्त कर रात ९ बजे खाना खाया और खाट पर सो गए। रात करीब एक बजे सुबासो की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टियां होने लगीं। उसने अन्य सहेलियों को भी जगाया। तभी निर्मला ने भी चक्कर आने की शिकायत की। परिजनों ने तुरंत दोनों को केदमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर बनी रही, जिससे उन्हें सुबह करीब ६ बजे सीएचसी उदयपुर रेफर किया गया।

सीएचसी में कुछ ही देर बाद सुबासो पिता मिल साय (उम्र १४ वर्ष, जाति मझवार) की मौत हो गई। वहीं निर्मला पिता चंखारी मझवार (उम्र १३ वर्ष) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

दोनों सहेलियों की असामयिक मौत से गांव में शोक की लहर है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग मामले की जांच में जुट गए हैं। मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल उदयपुर पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

तेज डायग्नोस्टिक ब्लड बैंक/सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल(MRM)हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं . . .
जनरल सर्जरी के ऑपरेशन हेतु
जनरल सर्जरी : ऑपरेशन –
– सभी प्रकार के हर्निया, हाइड्रोसील
– पाइल्स (बवासीर)
– फिसर/फिस्टुला (भगंदर)
– स्तन संबंधी ऑपरेशन।
– पेट की बीमारियों (अपेन्डिक्स आदि) एवं पेशाब मार्ग की समस्याओं के ऑपरेशन।
– सभी सामान्य ऑपरेशन की सुविधा।
✦ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित मेजर एवं माइनर ऑपरेशन थियेटर्स।
✦ सभी जीवन रक्षक उपकरणों की उपलब्धता से सुरक्षित ऑपरेशन की व्यवस्था।
✦ अनुभवी एवं कुशल शल्य चिकित्सा टीम।
✦ स्वच्छ वातावरण एवं सुव्यवस्था।
✦ उचित दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा प्रदान करने हेतु संस्था संकल्पित है।
✦ आयुष्मान कार्ड सुविधा उपलब्ध एवं निःशुल्क ऑपरेशन, भर्ती एवं उपचार किया जा रहा है।

डॉ. मनोज भारती
MBBS, MS Surgeon
जनरल एवं लेप्रोस्कापिक सर्जन
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090

ऑपरेशन तलाश... 10 दिनों के भीतर 43 गुमशुदा मिल पाए अपने परिवार से

31 महिला एवं 12 पुरुष गुम इंसानो कों पुलिस टीम ने खोज निकालकर परिजनों कों सौपा

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। पुलिस मुख्यालय रायपुर के दिशा निर्देशन मे गुम इंसानो की तलाश हेतु ऑपरेशन तलाश अभियान की शुरूवात १ जून से किया गया है जो पुरे जून महीने तक चलेगा, अभियान कों संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा जिले के अधीनस्थ थाना/चौकी प्रभारियों कों ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत अधिक से अधिक संख्या मे गुम इंसानो की पता तलाश कर दस्तायाब कर परिजनों कों सुपुर्द किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे।

दिशा निर्देशों के परिपालन मे जिले की पुलिस टीम द्वारा ०१ जून से १० जून तक की स्थिति मे ४३ गुम इंसानो कों खोज निकाला है, जिसमे ३१ महिला एवं १३ पुरुष शामिल है, सभी गुम इंसानो कों उनके परिजनों कों सुपुर्द किया गया है, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे थाना अंबिकापुर कोतवाली द्वारा ०९ गुम इंसान, थाना गांधीनगर द्वारा ०२ गुम इंसान, थाना सीतापुर द्वारा ०७ गुम इंसान, थाना लखनपुर द्वारा १० गुम इंसान, थाना उदयपुर द्वारा ०२ गुम इंसान, थाना बतौली द्वारा ०३ गुम इंसान, थाना दरिमा द्वारा ०७ गुम इंसान, थाना कमलेश्वरपुर द्वारा ०३ गुम इंसान बरामद किये गए है, थाना लखनपुर पुलिस टीम द्वारा अभी तक सार्वधिक गुम इंसानो की दस्तायाबी की गई है।

अभियान के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा गुम इंसानो के परिजन से संपर्क कर जानकारी लेकर एवं तकनीकी दक्षता का उपयोग करते हुए गुम इंसानों को सकुशल दस्तायाब किया है, ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत गुम इंसानो की दस्तयाबी के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाया जा रहा है जो पुरे जून माह तक चलेगा जिसमे और अधिक संख्या मे गुम इंसान दस्तायाब किये जाएंगे।

शादि समारोह में शामिल होने जा रहे 3 बाइक सवार युवक हुए हादसे का शिकार, दो की मौके पर ही मौत

लुण्ड्रा(अम्बिकावाणी समाचार)। लुण्ड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चिरगां नवापारा के तीन नवयुवक बाइक में सवार होकर रघुनाथपुर एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में जाने निकले थे तभी बटवाही गैस गोदाम के आगे के मोड में अनियंत्रित होकर सीधे आम के पेड़ से जा टकराई जिससे घटनास्थल पर ही दो लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई और एक को जिला अस्पताल लाया गया जिसने ३:०० बजे दम तोड़ दिया ।तीनों बगैर हेलमेट के अपाचे बाइक क्रमांक सीजी १५ अपाचे ०९९२ में सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चिरगा नवापारा निवासी राजेंद्र सिंह आत्मज शिव प्रसाद १९ वर्ष .कमलेश आत्मज शंकर २२ वर्ष गंगा राम आत्मज परमेश्वर उम्र१८ वर्ष रात में घर से शादी में जा रहे हैं बताकर शाम ७ बजे निकले थे तभी रात १०:३० बजे लगभग दुर्घटना की खबर घर वालों को मिली इसके तत्काल बाद घर वाले पहुंचे एवं सुचना पर रघुनाथपुर पुलिस भी तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गई एवं घायलों को रघुनाथपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां पर दोनों को मृत घोषित कर दिया गया एवं घायल गंगा राम को जिला चिकित्सालय अंबिकापुर भेज दिया गया, जहां उपचार के दौरान आज ३:०० बजे उसने भी दम तोड़ दिया. पुलिस द्वारा पीएम पंचनामा पश्चात शवों को परिजनों को सौंप मर्ग कायम कर लिया गया है ।

एक ही गांव मेंएक साथ तीन नवयुवकों की दुखद मृत्यु के बाद गांव में जहां मातम वह सन्नाटा पसरा हुआ है वही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पिकअप की टक्कर से घायल मवेशी की गौभक्त बिट्टू चौबे ने की मदद,तत्काल की मरहम-पट्टी

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।

सोमवार के देर शाम जय स्तंभ चौक के समीप पिकअप वाहन के द्वारा एक गाय का पैर कुचल दिया गया, जिसके बाद वहां काफी भीड़ जमा हो गई काफी देर तक यहां गहम गहमी एवं सड़क जाम की स्थिति निर्मित हो गई। इस बीच गौ भक्ति बिट्टू चौबे ने गौ भक्ति की मिसाल पेश करते हुए सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल गाय की मलहम पट्टी पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के मदद से की चोटिल गाय को मलहम पट्टी करना उतना सहज नहीं था।दर्द से तड़प रही गाय बार-बार भाग जा रही थी। किसी प्रकार से अन्य गो भक्त की मदद से मलहम पट्टी हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के सबसे व्यस्त जय स्तंभ चौक के पास सोमवार के देर शाम पिकअप वाहन की चपेट में आने से गाय घायल हो गई। जहां देखते-देखते बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई एवं काफी विवाद की स्थिति निर्मित हो गई स्थानीय लोग इस बात पर भड़क रहे थे कि जब इस मार्ग से पिकअप वाहन का आना-जाना प्रतिबंधित है तो इस मार्ग से क्यों जा रहा था। वहीं घायल गाय दर्द से तड़प रही थी इस ओर किसी का ध्यान नहीं था इसकी जानकारी जब गौ भक्त बिट्टू चौबे को मिली तो तत्काल वह मौके पर पहुंचे एवं पशु विभाग के कर्मचारियों के मदद से घायल गाय का मलहम पट्टी कराया। गाय के घायल होने की सूचना पर अतिरिक्त उपसंचालक पशु डॉ एस. एस. सेंगर के द्वारा तत्काल पशु विभाग के कर्मचारियों को घायल गाय के इलाज के लिए भेजा। बिट्टू के कार्यों की लोगों के द्वारा जमकर सराहना। घायल गाय के मदद में बिट्टू के साथ गौ भक्त विकास दुबे,उज्जवल तिवारी एवं पशु विभाग के मुकेश पाल उपस्थिति रहे।

बिट्टू कई घायल गायों की बचा चुके हैं जान

गौ भक्त बिट्टू चौबे ने जिस प्रकार से सोमवार के शाम गौ भक्त की मिसाल पेश की ऐसा नहीं था की पहली बार वह गौ भक्त के लिए सामने आए थे। पहले कई बार इसी प्रकार दुर्घटना में घायल गौ वंश की जान वे बचा चुके हैं।

C M Y K

अमेरा खदान के खनन उप प्रबंधक के साथ ग्रामीणों ने की मारपीट ,खून से लतपथ उप प्रबंधक पहुंचा थाने

लखनपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। थाना क्षेत्र अंतर्गत अमेरा खदान विस्तार को लेकर ग्राम परसोडी कला के ग्रामीणों के द्वारा लगातार विरोध जताया जा रहा है विगत दिनों पूर्व भी पुलिस बल और ग्रामीणों के बीच नोक झोक देखने को मिली थी। तो वही बुधवार की दोपहर अमेरा खदान में सैंपल लेने के दौरान खनन उप प्रबंधक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक अमेरा खदान के सीमा पर स्थित परसोडीकला के तालाब के नीचे अमेरा खदान की अधिग्रहीत भूमि पर बिलासपुर से आई टीम के द्वारा ड्रिल मशीन से कोयला का सैंपल लिया जा रहा था। इसी दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण वहां पहुंचे और विरोध करना शुरू कर दिया कुछ ग्रामीण नीचे उतरे अमेरा खदान के अधिकारी कर्मचारी भागने लगे भागने के दौरान अमेरा खदान के खनन उप प्रबंधक रमेश कुमार धीवर जमीन पर गिरे ग्रामीणों ने घेरकर मारपीट करना शुरू किया उप प्रबंधक के सर से खून निकलने लगा खून से लटपथ खनन उपप्रबंधक लखनपुर थाने पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया है। वही बताया जा रहा है कि लगभग एक दर्जन से अधिक की संख्या में ग्रामीणों ने अमेरा खदान के खनन उप प्रबंधक के साथ मारपीट किया है। फिलहाल लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युक्तियुक्तकरण को लेकर लुण्ड्रा कांग्रेस कमेटी ने किया बीईओ कार्यालय का घेराव

अतिशेष शिक्षकों के चिन्हांकन में गड़बड़ी का लगाया आरोप

लुण्ड्रा(अम्बिकावाणी समाचार)। युक्तियुक्तकरण के बहाने स्कूलों को बंद करने और शिक्षकों तथा गैर शिक्षकीय स्टाफ का पद खत्म करने को लेकर कांग्रेस ने बीईओ के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंप कर विरोध जताया है।

प्रदेश व्यापी अभियान के तहत लुण्ड्रा में भी कांग्रेसियों ने जिला के जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता, पूर्व विधायक रामदेव राम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षश्रीमती मधु सिंह, पूर्व जनपद अध्यक्ष व युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गंगा प्रसाद के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा कार्यालय का घेराव कर भाजपा सरकार की वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी की गारंटी के नाम पर बंद स्कूलों को खोलने और शिक्षकों के ५७ हजार पदों की भर्ती का वादा करने वाली भाजपा नेतृत्व की राज्य सरकार ने डेढ़ साल में ही अपना झूठा चरित्र दिखा दिया। छत्तीसगढ में सरकारी स्कूल शिक्षा का सुलभ माध्यम है। सरकार स्कूलों को बंद कर न सिर्फ शिक्षकों के पद खत्म कर रही है बल्कि हजारों युवा जो शिक्षक बनने सपना लिए बीएड, डीएड की पढ़ाई कर रहे हैं उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है स्कूल बंद हुई तो अभिभावकों पर अपने बच्चों की शिक्षा का आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा। निर्धनता और स्कूल दूर होने के चलते स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ेगी और पूरी पीढ़ी का भविष्य अंधकार मय होगा। भाजपा युक्तिकरण की नई नीति लेकर आ गई है इससे प्रदेश में १०४६३ स्कूल सीधे तौर पर बंद हो जाएंगे तकरीर ४५००० से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो जाएंगे स्कूलों के बंद होने से न केवल शिक्षक के पद ही समाप्त नहीं हो रहे हैं साथ ही साथ स्कूल में कार्यरत रसोईया। भ्रीत्य स्वीपर महिला समूह के रोजगार पर भी ग्रहण लगेगा सरकार ने प्राथमिक स्कूलों के कक्षा १ से लेकर ५ तक के लिए मात्र दो शिक्षकों के सेटअप को मंजूरी दी है सरकार के अदूरदर्शिता पूर्णनिर्णय से पूरे प्रदेश में शासकीय स्कूलों में अध्ययन की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी राज्यपाल के नाम सौंपें ज्ञापन में प्रमुख रूप से युक्तियुक्त करण के अतिशेष शिक्षकों के चिन्हांकन में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए है और इस दिशा में त्वरीत कार्यवाही कर युक्तियुक्त करण रोकने की मांग की गई है तथा उचित एवं निष्पक्ष जांच करदोषियों पर कार्यवाही करने की भी मांग कर आंदोलन की चेतावनी दी है।

विदित हो कि सरकार की इस जन्म विरोधी नीति के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शिक्षा न्याय के नाम से चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया है इस तहत आज जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ब्लॉक शिक्षा कार्यालय का भी घेराव किया गया था घेराव के दौरान जिला के जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता, पूर्व विधायक रामदेव राम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षश्रीमती मधु सिंह, पूर्व जनपद अध्यक्ष व युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गंगा प्रसाद, दिलीप कुमार गुप्ता, माखन एक्का, राधेश्याम यादव, मोहम्मद सेराज, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सूरज यादव, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष गलेंद्र यादव , मो नासिर, अविनाश सिंह, अभय तिवारी, मनोज यादव, लालू यादव, देव प्रताप सिंह, दिनेश जायसवाल, भोला यादव, सुनाराम, भीम नागेश, बलिराम, सुभाष, चोलेश्वर यादव, जावेद, मोहम्मद सिराज, आकाश, फारीद, नामिक रामदास एवं सभी कांग्रेस के छोटे बड़े पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित थे ।

वर्चुअली डिजिटाईजेशन और स्कैनिंग कक्ष का उद्घाटन हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने वर्चुअल माध्यम से किया

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)। जिला एवं सत्र न्यायालय में वर्चुअली डिजिटाईजेशन और स्कैनिंग कक्ष का उद्घाटन, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा , न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार ब्यास, एनके चंद्रवंशी ने वर्चुअल माध्यम से किया । रामानुजगंज में जिला एवं सत्र न्यायालय में नवीन वर्चुअली डिजिटाईजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष का उद्घाटन के दौरान जिला एवं सत्र न्यायधीश हेमंत सर्राफ, प्रथम जिला एवं सत्र नयाधीश डॉक्टर मनोज कुमार प्रजापति, द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायधीश श्रीकांत श्रीवाश, विशेष अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शुभ्रा पचौरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉक्टर सुमित कुमार सोनी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शाश्वत दुबे, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव लोकेश कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट क्षितिज कुमार , पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल एवं अपर कलेक्टर सहित न्यायलय के कर्मचारी भी मौजूद रहे।रामानुजगंज के जिला एवं सत्र न्यायालय में बुधवार को नये वर्चुअली डिजिटाईजेशन और स्कैनिंग कक्ष का उद्घाटन तकनीक का उपयोग करते हुए न्यायलय के रिकॉर्ड को ऑनलाइन करने के लिए डिजिटाईजेशन और स्कैनिंग कक्ष की शुरूआत की गई है।कार्यक्रम का संचालन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शाश्वत दुबे ने किया।

अंत में अतिथियों के द्वारा डिजिटाइजेशन और स्कैनिंग कछ का मुवायना भी किया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनूप तिवारी, लोक अभियोजक अशोक गुप्ता वरिष्ठ अधिवक्ता आरके पटेल, विपिन सिंह ,संतोष पांडे, अविनाश गुप्ता,किरण यादव ,धर्मन सिंह, अवधेश गुप्ता,अख्तर अली ,पियूष पांडे,सुजय मंडल, एस एस ठाकुर, विमलेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रिकॉर्ड होंगे ऑनलाइन

जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत सराफ ने कहा कि न्यायालय के सारे रिकॉर्ड अब डिजिटल होने वाले हैं कोर्ट की पेशी की तारीख भी अब कम्प्यूटर में चला जाता है गांव के अंतिम छोर तक बैठा व्यक्ति भी ऑनलाइन अपनी पेशी तारीख पता कर सकता है। सभी केस के रिकॉर्ड भी ऑनलाइन होंगे। न्यायालय में डिजिटाईजेशन सिस्टम प्रारंभ होने से अब सारे केस और मामलों के रिकॉर्ड ऑनलाइन हो जाएंगे जिससे पक्षकारों को अपने केस की जानकारी घर बैठे मिल सकेगी. आज बुधवार के दिन पांच जिलों मे उद्घाटन किया गया है अभी तक पूरे प्रदेश में १५ जिलों में हो चुका है । उच्च न्यायालय के द्वारा इस सेंटर का उद्घाटन किया गया यह रामानुजगंज जिला न्यायलय के लिए उपलब्धि है ।

दर्दनाक सड़क हादसाः मवेशी से टकराकर गिरे युवक को कार ने कुचला, हुई मौत

उदयपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुमगा में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में २४ वर्षीय युवक की जान चली गई। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-१३० पर मार्तंड पेट्रोल पंप के पास रात करीब आठ बजे हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार युवक की टक्कर सड़क पर अचानक आए मवेशी से हो गई, जिससे वह अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। उसी समय पीछे से तेज रफ्तार में आ रही कार (क्रमांक सीजी ३० ई ३८०९) ने सड़क पर गिरे युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं, विशेषकर सिर पर गहरी चोट और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ।

सूचना मिलते ही ११२ की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) उदयपुर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पुनेश्वर पिता सोमार साय (उम्र २४ वर्ष), निवासी ग्राम रामपुर, थाना लखनपुर के रूप में हुई है। वह ग्राम परसा स्थित कोल खनन कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था। घटना मंगलवार रात ८ बजे की है।घटना के बाद मृतक के गांव और परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सरगुजा में पहली बार लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल में अत्याधुनिक सीआरआरटी मशीन स्थापित

अंबिकापुर।(अम्बिकावाणी समाचार)। लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल, अंबिकापुर ने सुरगुजा क्षेत्र में पहली बार अत्याधुनिक सीआरआरटी मशीन स्थापित की है। यह सुविधा गंभीर चिकित्सा स्थितियों से जूझ रहे मरीजों के लिए जीवन रक्षक साबित होगी।

सीआरआरटी तकनीक का उपयोग प्रमुखतः गंभीर किडनी फेल्योर एवं मल्टी-ऑर्गन फेल्योर में, लिवर फेल्योर से जुड़े किडनी फेल्योर के उपचार में, हृदयाघात (हार्ट अटैक) के कारण हुए शॉक एवं किडनी फेल्योर की स्थिति में,गंभीर संक्रमण के मरीजों के शरीर से विषैले पदार्थों को निरंतर निकालने हेतु व विभिन्न प्रकार की घातक विषाक्तता के मामलों में, समय पर उपचार मिलने पर किया जाता है।

लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल के आईसीयू विभाग का संचालन डॉ. प्रतीक खरे (एमडी मेडिसिन, रोहतक) तथा डॉ. अविना (डीएम एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबोलिज्म, बीएचयू) के अनुभवी और विशेषज्ञ नेतृत्व में किया जा रहा है। हॉस्पिटल के निदेशक प्रयांक खरे के दूरदर्शी एवं प्रतिबद्ध नेतृत्व में अस्पताल निरंतर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को सुरगुजा क्षेत्र के मरीजों तक पहुँचाने हेतु प्रयासरत है।

उप पुलिस अधीक्षक कुमारी चंद्राकर की पाइपिंग सेरेमनी का हुआ आयोजन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस) विभाग मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश क्रमांक एफ २-६/दो-गृह/रापुसे/२०२५ राज्य शासन द्वारा दिनांक १४/०५/२५ को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में समिति द्वारा की गई अनुशंसा के परिपेक्ष्य में निरीक्षक कुमारी चंद्राकर को निरीक्षक संवर्ग से उप पुलिस अधीक्षक संवर्ग के पद पर पदोन्नत किया गया था, पदोन्नति की सूची जारी होने पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे आज दिनांक कों वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे उप पुलिस अधीक्षक कुमारी चंद्राकर की पाइपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा उप पुलिस अधीक्षक कुमारी चंद्राकर कों पदोन्नति पश्चात उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई, साथ ही पुलिस विभाग द्वारा प्रदत्त नए दायित्वों का निर्वहन बेहतर तरीके से किये जाने हेतु शुभकामनाएं दी गई। पाइपिंग सेरेमनी के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों ,मुख्य लिपिक निरीक्षक (एम) अजय गुहा, उप निरीक्षक (एम) अभय सिंह एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदतन अपराधी नितेश कबाड़ी पर जिला बदर की कार्यवाही

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अवैध कार्यो में अक्सर लिप्त रहने वाले आदतन अपराधी नितेश कबाड़ी के विरूद्ध सूरजपुर पुलिस ने सख्ती बरत उस पर जिला बदर की कार्यवाही की है । बताया गया कि लगातार गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के कारण सूरजपुर पुलिस ने आदतन अपराधी के विरूद्ध जिला बदर की अनुशंसा की थी जिसके बाद कलेक्टर सूरजपुर ने आदतन अपराधी को एक वर्ष की अवधि के लिए जिलाबदर का आदेश जारी किया है।

जिले में शांती एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने के लिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों एवं कबाड़ी आदतन अपराधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही हैं और अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के अनुशंसा पर कलेक्टर सूरजपुर एस. जयवर्धन ने

जिले के आदतन अपराधी कबाड़ी नितेश कुमार पिता विश्वनाथ सिंह उम्र ३२ वर्ष निवासी पउवापारा, थाना बिश्रामपुर के विरूद्ध जिला बदर का आदेश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम १९९० की धारा-५ के तहत दाण्डिक प्रकरण में पारित आदेश के अनुसार आदतन अपराधी कबाड़ी नितेश कुमार को १० जून २०२५ से जिला सूरजपुर तथा समीपवर्ती राजस्व जिला सरगुजा, कोरबा, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ), सिंगरौली मध्यप्रदेश जिला क्षेत्र से १ वर्ष की अवधि के लिए बाहर चले जाने और जब तक यह आदेश लागू रहेगा, बिना वैधानिक पूर्व अनुमति लिए इस जिले एवं उल्लेखित जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करने, आदेश का पालन न करने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।पुलिस ने बताया कि शातिर अपराधी नितेश कुमार के विरूद्ध कुल २० प्रकरण दर्ज हैं जिनमें हत्या का एक प्रकरण, हत्या के प्रयास एक प्रकरण मारपीट, गाली-गलौज दो, नकबजनी के साथ आर्म्स एक्ट एवं लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम चार, चोरी का एक एवं १० बार परिशांति कायम रखने प्रतिबंधक धाराओं के तहत अब तक कार्यवाही की गई है।

आरआरवीयूएनएल की पहलः किसानों और ग्रामीणों को वितरित किया मक्का बीज और पॉवर के चश्मे

उदयपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लॉक में अदाणी फाउंडेशन ने सोमवार को कृषि विकास कार्यक्रम और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया। इसमें राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) की सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत ग्राम परसा के ग्राम पंचायत भवन में कुल ५७ किसानों को मक्का बीज का निःशुल्क वितरण किया गया। बीज वितरण में परसा ईस्ट केते बासेन एवं परसा कोल ब्लॉक परियोजना के आसपास के ग्राम तारा, जनार्दनपुर, फत्तेपुर, परसा और बासन गांवों के ५७ किसानों को कुल १७० किलोग्राम मक्का बीज वितरित किए गए। क्षेत्र में उन्नत कृषि विकास में स्थायी आजीविका पर आधारित चअन्नपूर्णा परियोजनाज की इस पहल से क्षेत्र के २१.२५ एकड़ जमीन में खेती की जा सकेगी। इसका उद्देश्य किसानों को मक्का बीज एवं विपणन सहायता प्रदान कर उन्हें उपज का उपभोग के साथ-साथ आय का स्रोत बनाने के लिए प्रेरित करना है। वहीं, इसी कार्यक्रम में नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर कुल ६५ ग्रामीणों के बीच पॉवर के चश्मों का वितरण किया गया। इन दोनों पहलों का लक्ष्य ग्रामीण समुदायों की

आजीविका को सशक्त बनाना और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अदाणी इंटरप्राइजेज के चीफ ऑफ क्लस्टर श्री मुकेश कुमार मौजूद थे। इसके अलावा क्लस्टर एचआर हेड श्री राम द्विवेदी, ग्राम तारा की सरपंच श्रीमती संपतिया सिंह, जनार्दनपुर के सरपंच श्री विजय कुमार पोर्ते, परसा के श्री मनोहर नेटी और बासन के श्री श्रीपाल इत्यादि सहित संबंधित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। इस दौरान किसानों और ग्रामीणों को बीज तथा चश्मों का वितरण श्री मुकेश कुमार, श्री राम द्विवेदी एवं उपस्थित सरपंचों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुकेश कुमार ने कहा, समूह द्वारा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका उन्नयन तथा ढांचागत विकास की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। आज के कार्यक्रम में जहां एक ओर किसानों को कृषि विकास से आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तो वहीं आम जनों को उनके स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक करने का प्रयास भी समूह द्वारा किया जा रहा है। ये चीजें क्षेत्र में चहुंओर विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को जाहिर करती हैं।

उपस्थित सरपंचों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अदाणी फाउंडेशन सरगुजा क्लस्टर के प्रमुख श्री अशोक कुमार पांडा और उनकी टीम का सहयोग रहा। इन दोनों कार्यक्रमों के माध्यम से अदाणी फाउंडेशन और आरआरवीयूएनएल ने ग्रामीण विकास, आजीविका सुधार और स्वास्थ्य सेवाओं में सतत योगदान की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसके अलावा फॉउंडेशन खदान के पास के १४ गांवों की बड़ी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका विकास और ढांचागत विकास की विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहा है। इसी श्रृंखला में पास के सभी सरकारी स्कूलों में मरम्मत तथा बाला पेंटिंग, अतिरिक्त कक्षाओं एवं पक्के शौचालयों का निर्माण, गांव में सड़क निर्माण एवं यात्री प्रतीक्षालयों के मरम्मत तथा सौंदर्यीकरण इत्यादि के कार्य शामिल हैं। साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए १५ लाख से ज्यादा पौधे १२०० एकड़ से ज्यादा खनन की हुई जमीन में रोपित किए गए हैं।

144 पौवा देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर/ चारपहिया वाहन में अवैध शराब परिवहन करते ग्राम कुर्रा के सोनेसिल्ली रोड स्थित एक राइस मिल के पास मारुति वेगनआर कार (सीजी 04 बी 5279) में 144 पौवा देशी शराब के साथ दो आरोपियों को थाना गोबरानवापारा पुलिस और एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत करीब 2,50,000 आंकी गई है। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस के द्वारा इन दिनों विशेष अभियान चलाया जा रहा है और मुखबिरों को भी इसमें लगाया गया है। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना गोबरानवापारा पुलिस और एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। इसी दौरान जैसे तस्करों की कार ग्राम कुर्रा के सोनेसिल्ली रोड स्थित एक राइस मिल के पास पहुंची पुलिस ने कार को रोककर तलाशी ली ।

शंकर घाट सेवा समिति ने गंगा दशहरा पर कराई बनारस की गंगा आरती पेज 09

शहर से सौ किमी दूर पंडोपारा के स्कूल में दूर हुई शिक्षको की कमी

कोरबा। शहर से लगभग सौ किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच पंडोपारा में जब स्कूल खुला तब यहाँ रहने वाले पंडो समाज के लोगो में न सिर्फ अथाह खुशी थी, अपितु वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर भी सुकून और राहत महसूस कर रहे थे। अपने गाँव में स्कूल पाकर वे अपने बच्चों को स्कूल भी भेजने लगे, लेकिन इस विद्यालय में बनी शिक्षको की कमी उन्हें अक्सर चिंतित करती रहती थी, क्योंकि उनके बच्चे पाठशाला तो नियमित जाते थे, लेकिन विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने का खमियाजा भी बच्चों को भुगतना पड़ता था। कभी किसी कारण से शिक्षक के अवकाश में होने के कारण बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता था तो कभी उन्हें कमरे में बिना क्लास या पढ़ाई के घण्टो समय बितानी पड़ती थी। लिहाजा बच्चों के साथ माता-पिता भी चिंतित थे कि उनके गाँव के विद्यालय में पर्यात्त शिक्षक नहीं है। आखिरकार जब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों की सुध ली गई तो युक्ति युक्तकरण जैसी व्यवस्था ने घने जंगलों में बसे पंडो जनजाति के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की राह आसान कर दी। अतिशेष शिक्षको के समायोजन से पंडोपारा ही नहीं कोरबा जिले के लगभग 300 एकल शिक्षकीय और शिक्षकविहीन विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के भाग्य बदल दिए है, जिसका लाभ इस शिक्षण सत्र से मिलने लगेगा।

राज्य शासन के दिशा निदेर्शों के तहत कोरबा जिले में युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया पूरी की गई है। इस प्रक्रिया का लाभ जिले के सभी शिक्षक विहीन विद्यालयों को मिला। अब कोरबा जिले में कोई भी विद्यालय शिक्षकविहीन नहीं है। युक्ति युक्तकरण से प्राथमिक शाला के 14 शिक्षकविहीन और 287 एकलशिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। मिडिल स्कूलों में भी 4 शिक्षकविहीन और 20 एकलशिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना की गई है।

अब सभी मिडिल स्कूलों में कम से कम 3 शिक्षक और दूरस्थ क्षेत्र के प्राथमिक शालाओ में दो सहायक शिक्षक बच्चों को अध्यापन कराएंगे। शासन की इस पहल से जिले के दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में बनी शिक्षको की कमी भी दूर हो गई है। ऐसे ही पाली ब्लॉक के अंतर्गत अंतिम छोर ग्राम उड़ान से आगे पण्डो जनजाति के बसाहट पंडोपारा में एक प्राथमिक शाला है। शासन ने इस दूरस्थ गाँव में पाठशाला खोलकर पंडो समाज के बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्य धारा में लाने की पहल तो की, लेकिन यहाँ बनी शिक्षक की कमी से विगत कई वर्षो तक बच्चों को जूझना पड़ा। हालांकि आसपास के विद्यालयों व अन्य व्यवस्थाओं से यहाँ अध्यापन तो कराया गया, लेकिन यह नाकाफी ही थी।

पंडोपारा के ग्रामीण मंगल सिंह पंडो ने बताया कि गाँव में स्कूल संचालित होने पर सभी खुश थे। कई साल तक यहाँ एक शिक्षक ही पढ़ाते रहे हैं, जिससे अन्य कक्षा के विद्यार्थी खाली बैठने को मजबूर रहते थे। कई बार किसी आवश्यक काम से उक्त शिक्षक के अवकाश में रहने से भी व्यवस्था बिगड़ जाती थी। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों को पास के ही स्कूल में भेज सकते हैं, इसलिए यहाँ का स्कूल हमारे लिए महत्वपूर्ण था मगर शिक्षक की कमी से यहाँ की अध्यापन व्यवस्था हमेशा बिगड़ती रही है। मंगल सिंह ने बताया कि उन्हें मालूम हुआ है

8 आईपीएस अधिकारी नक्सल विरोधी मोर्चे पर होंगे तैनात

रायपुर। राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ अधिकारियों को नक्सल विरोधी मोर्चे पर तैनात किया है। सभी आठ अधिकारी 2021 बैच के आईपीएस हैं और विभिन्न जिलों में नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) के पद पर तैनात थे। जारी आदेश के अनुसार, सरगुजा के सीएसपी रोहित कुमार शाह को सुकमा जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) (नक्सल विरोधी अभियान) और जगदलपुर (बस्तर जिला) के सीएसपी उदित पुष्कर को दंतेवाड़ा जिले में एएसपी (नक्सल विरोधी अभियान) पदस्थ किया गया है। वहीं कोरबा के सीएसपी रवींद्र कुमार मीना और रायपुर के सीएसपी अमन कुमार रमन कुमार झा को बीजापुर जिले में एएसपी (नक्सल विरोधी अभियान) पदस्थ किया गया है। जगदलपुर के सीएसपी आकाश श्रीश्रीमल को कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में एएसपी (नक्सल विरोधी अभियान) पदस्थ किया गया है तथा रायपुर के सिविल लाइंस के सीएसपी अजय कुमार और बिलासपुर के सीएसपी अक्षय प्रमोद सबदरा को नारायणपुर जिले में एएसपी (नक्सल विरोधी अभियान) पदस्थ किया गया है।

खपरैल पलटने का खत्म हुआ सिलसिला, धुर साय को मिला पीएम आवास

कोरबा। यूँ तो धूर साय की उम्र अस्सी साल है,लेकिन इनकी जिंदगी में बीते दिनों के मुसीबतों की कहानियां अनगिनत है। घने जंगल के बीच समय के साथ कई मुसीबतें आई और गई...लेकिन बारिश के दिनों में आने वाली मुसीबतों से उन्हें कभी छुटकारा नहीं मिल पाता था। जब भी बारिश का मौसम आता..धुरसाय सहित पूरा परिवार तैयारी में जुट जाता..सभी काम छोड़कर घर के खपरैलों को निकालता और सफाई कर फिर से जमाता..ठीक करता। धुरसाय अपनी ओर से तो पूरी कोशिश करता लेकिन बारिश तो बारिश ही थीं.. कब मौसम बदले और कब बरस जाएं.. कुछ कहा नहीं जा सकता था..। मौसम के बदलाव के साथ बारिश हर बार धुरसाय के खपरैल वाले कच्चे मकान के लिए मुसीबत बनकर ही बरसती थी। खपरैलों को ठीक करने के बाद भी वह बारिश के कहर से नहीं बच पाता था। एक दिन उन्हें भी मालूम हुआ कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उनका भी पक्का मकान बन सकता है तो उन्होंने देर नहीं की। आखिरकार पात्रता के बाद धूर साय को पीएम आवास मिला तो उनके खुशी का ठिकाना न रहा,क्योंकि एक लंबे अरसे बाद उन्हें कच्चे मकान के साथ ही खपरैल पलटने से भी मुक्ति मिल गई।

कोरबा जिले में पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम पतुरियाडाँड़ में रहने वाले धुरसाय ने बताया कि वह अपनी पत्नी मोती कुँवर के साथ रहता है। जंगल में रहते हुए जिंदगी कट गई। उन्होंने बताया कि जैसे तैसे उन्होंने अपना आशियाना तैयार तो कर लिया लेकिन घर पक्का नहीं होने से हर साल बारिश के साथ ही मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। धुरसाय ने बताया कि घर की दीवारें उखड? के साथ ही खपरैल भी इधर-उधर हो जाते थे। इसलिए बारिश से पहले जहाँ खपरैलों को ठीक करना जरूरी होता था वहीं बारिश में छत से पानी टपकने से परेशानी होती थी। बारिश के बाद उखड़ी हुई दीवारों की छबाई करनी जरूरी होती थी। उन्हें प्रधानमंत्री आवास मिलने से इन सभी समस्याओं से मुक्ति मिल गई है। धुरसाय ने बताया कि वह खेती किसानी करता है, लेकिन अब उम्र के साथ उन्हें ऐसे ही आशियाने की जरूरत थी,जिसमे उन्हें कोई परेशानी न हो। पीएम आवास योजना से मिले पक्के मकान से मुसीबतों से भी मुक्ति मिल गई है। सरकार का धन्यवाद, जिन्होंने हम जैसे जंगल में रहने वाले गरीबों के लिए सोचा।

व्यवस्थित रूप से स्वच्छ और सुंदर नगर विकास के लिए कलेक्टर और नगर पालिका अध्यक्ष ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नगर पालिका परिषद गौरेला को व्यवस्थित रूप से स्वच्छ और सुंदर नगर बनाने के लिए कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे ने आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरेंद्र प्रसाद वैद्य और अधिकारियों के साथ नगर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। अध्यक्ष श्री दुबे के सुझाव पर शैक्षिक एवं खेल गतिविधियों के विकास के साथ ही स्वस्थ वातावरण में नागरिकों के मनोरंजन के लिए गार्डन, स्विमिंग पूल, तालाब सौंदर्यीकरण, चौपाटी, फल-सब्जी गुमठी आदि के लिए प्रस्ताव तैयार करने मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सबसे पहले वार्ड क्रमांक 13 लोहरा झोरकी में बने ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन (एसएलआरएम सेंटर) का अवलोकन किया और इस सेंटर में रबर, कपड़े, कागज, प्लास्टिक, थमाकील, धातु, कांच, इलेक्ट्रॉनिक कचरा आदि के निपटान तथा बेलिंग मशीन एवं फटका मशीन की कार्य प्रणाली और डंपयार्ड की जानकारी ली। पालिका अध्यक्ष श्री दुबे ने नगर वासियों को स्वस्थ वातावरण में मनोरंजन की सुविधा उपलब्ध कराने लोहरा झोरकी गार्डन का विकास करने और समीप स्थित चौरासी बांधा डेम में स्विमिंग पूल की सुविधा हेतु सुझाव दिया। उन्होंने पंडित माधव राव सपरे शासकीय महाविद्यालय परिसर में लोगों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण हटाने, परिसर में स्थित जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र का डिसमेंटल एवं महाविद्यालय परिसर का बाउंड्री वॉल कराने तथा इसी परिसर में सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने का सुझाव दिया। इसी तरह अध्यक्ष श्री दुबे ने रेस्ट हाउस रोड में एसबीआई बैंक के सामने तितर-बितर पड़े गुमठियों-ठेलों को हटाकर नगर सौंदर्यीकरण के तहत प्लानिंग करते हुए व्यवस्थित रूप से फल एवं सब्जी दुकान बनाने तथा वाटर एटीएम एवं प्रसाधन सुविधा का सुझाव दिया। उन्होंने नगर विकास के तहत प्राचीन ब्रह्मचारी तालाब का साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण करने और तालाब के सामने रोड से लगे खाली भूमि में चौपाटी बनाने का भी सुझाव दिया। पालिका अध्यक्ष ने दशहरा पर्व में लोगों की आस्था को ध्यान में रखते हुए दत्तात्रेय गार्डन के पीछे बाउंड्री वॉल बनाने तथा दशहरा मैदान का क्षेत्र बढ़ाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही नगर के विभिन्न वार्डो-लोहरा झोरकी, डुमरिया, अहिरान टोला, भाटोला आदि में बिजली का तार लूज होने तथा लो वोल्टेज की समस्या से अवगत कराया। इस जानकारी पर कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता बिजली विभाग को विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर बदलने के लिए निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने नए जिला चिकित्सालय भवन के लिए वर्तमान जिला चिकित्सालय परिसर में स्थल का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू, तहसीलदार शेषनारायण जायसवाल सहित लोक निर्माण, विद्युत एवं नगरी प्रशासन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS,MS,DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्पॉंडिलिसिस, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, तानु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से जिले की शालाएं हुई शिक्षक युक्त

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सूरजपुर जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। इसके परिणामस्वरूप अब जिले की शालाएं शिक्षक युक्त हो गई हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है।जिले में युक्तियुक्तकरण पूर्व में १८ प्राथमिक शालाएं शिक्षकविहीन थीं, जो अब पूरी तरह से शिक्षकयुक्त हो चुकी हैं। इसी प्रकार २८१ एकल शिक्षकीय प्राथमिक शालाएं थीं, जिनकी संख्या घटकर अब मात्र ४७ रह गई है। इसके अलावा, जिले के २ हाई स्कूल भी शिक्षकविहीन थे, जिन्हें भी अब शिक्षक उपलब्ध कराए गए हैं।जिले के सभी पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अब शिक्षकों की पूरी उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है।शासन के निदेर्शानुसार, जिले में बच्चों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए १ से ३ जून २०२५ तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विश्रामपुर में ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस काउंसलिंग में वरीयता क्रम के आधार पर सैकड़ों अतिशेष शिक्षकों की नवीन पदस्थापना की गई। इससे न केवल शिक्षकविहीन शालाओं की समस्या का समाधान हुआ बल्कि दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों की शालाओं में भी शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।इस योजना से जिले के शिक्षा परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। शासन और जिला प्रशासन की इस पहल से जिले में शिक्षा की गुणवत्ता निश्चित रूप से बेहतर होगी।

अग्र गौरव सम्मान के साथ अग्रवाल समाज के संभागीय भवन का हुआ लोकार्पण

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। संभागीय अग्रवाल महासभा के द्वारा अम्बिकापुर संभागीय मुख्यालय में निर्मित संभागीय भवन का लोकार्पण व अग्र गौरव सम्मान का आयोजन भव्य रूप से किया गया। जिसमें अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य व संभागीय अध्यक्ष श्रीनिवास केडिया की अध्यक्षता के साथ प्रदेश अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, अम्बिकापुर नगर निगम के पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष चरण सिंह अग्रवाल व रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के विशिष्ट आतिथ्य में समारोह प्रारंभ हुआ। इस दौरान संभाग के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, गौरीशंकर अग्रवाल व कश्मीरीलाल अग्रवाल के साथ संभागीय निर्माण समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, मुख्य चुनाव अधिकारी अमृत लाल अग्रवाल, महामंत्री सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल व समारोह के स्वागताध्यक्ष सुभाष गोयल, संरक्षक ब्रम्ह प्रकाश अग्रवाल, रामलाल अग्रवाल, विशंभरदयाल अग्रवाल मंचासीन थे। स्व. खजांचीलाल अग्रवाल व श्रीमती शांति देवी अग्रवाल की स्मृति में बने संभागीय भवन में पूजा-अर्चना व मूर्ति अनावरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें सरगुजा संभाग के अम्बिकापुर, बतौली, सीतापुर, प्रतापगढ़, डांडगांव, उदयपुर, लखनपुर, सूरजपुर, बिश्रामपुर, प्रतापपुर, भैयाथान, राजपुर, शंकरगढ़, रामानुजगंज, बैकुण्ठपुर, मनेन्द्रगढ़, लुड़ेग, कुनकुरी, कांसाबेल, पत्थलगांव, कोतबा, बगीचा, बरियों, तपकरा, चिरमिरी इत्यादि स्थानों से अग्रवाल सभाओं के पदाधिकारी व संभागीय सदस्य आयोजन में शिरकत करने पहुंचे। इस दौरान सामाजिक अग्रजों के द्वारा जिला पंचायत सदस्य, जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, उप सरपंच, पंच, नपा अध्यक्ष, नपा उपाध्यक्ष, पार्षद पद पर निर्वाचित ६० से अधिक जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। वहीं यूपीएससी, पीएससी के साथ प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल युवाओं व छात्रों अग्र गौरव सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में स्वागताध्यक्ष सुभाष गोयल ने सभी अतिथियों व अग्रजों का सम्मान किया। वहीं संभागीय अध्यक्ष ने संभाग का वृत्त प्रस्तुत किया। संस्थापक अध्यक्ष चरण सिंह अग्रवाल ने संभागीय महासभा के १४ साल के सफर को बताया।

वहीं विधायक राजेश अग्रवाल ने सामाजिक दृष्टिकोण से अपनी बातें रखी और समाज के द्वारा संचालित विभिन्न कार्यो व जनसेवी योजनाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की व संभाग के नए भवन की पदाधिकारियों को बधाई दी। पूर्व सभापति अजय अग्रवाल ने मंच से समाज के पदाधिकारियों से रूबरू होते हुए सामाजिक कार्यो के प्रति लगन से काम करने तथा मानवीय मूल्यों के कत्तव्यों के निर्वहन में प्रमुख सामाजिक भूमिका को लेकर अपने विचार रखे। अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अशोक अग्रवाल ने सामाजिक परिवेश की बातचीत करते हुए प्रदेश में चल रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने आयोजन की बधाई देते हुए सामाजिक संगठन सर्वोपरि का नारा दिया। इस दौरान अग्रवाल संगठन के द्वारा संचालित एबीसीडी योजना से रायपुर से पधारे ललित अग्रवाल ने सभासदों को अवगत कराया। समारोह का सफल संचालन महामंत्री सुनील अग्रवाल व आभार प्रदर्शन युवा महामंत्री मुकेश गर्ग ने किया।

17 को होगा सांगठनिक चुनाव

मुख्य चुनाव अधिकारी अमृत लाल अग्रवाल व सहायक चुनाव अधिकारी मुकेश गर्ग तथा प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि आगामी १७ जून को संभागीय भवन में ही नए संभागीय अध्यक्ष के लिए सांगठनिक चुनाव संपन्न होगा। जिसके लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों से १३ प्रत्याशियों ने अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराई है। जिसमें अंजनी अग्रवाल पत्थलगांव, अनिल अग्रवाल पत्थलगांव, जय भगवान अग्रवाल प्रतापगढ़, कृष्ण कुमार अग्रवाल अम्बिकापुर, मुकेश अग्रवाल शंकर ट्रेडर्स अम्बिकापुर, मुकेश अग्रवाल पर्पल आर्चिड अम्बिकापुर, मनोज अग्रवाल लखनपुर, पवन अग्रवाल पत्थलगांव, राजेश अग्रवाल अम्बिकापुर, संजय गोयल अम्बिकापुर, संजय मित्तल अम्बिकापुर, सुभाष गोयल बिश्रामपुर व विनोद अग्रवाल अम्बिकापुर ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है।

◆ सरगुजा संभाग की २८ सभाओं से शामिल हुए प्रतिनिधि

ड्रेस कोड पर कोल इंडिया कर्मचारियों में एकराय नहीं

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। कोल इंडिया द्वारा हाल ही में लागू किया गया नया ड्रेस कोड कर्मचारियों के बीच चर्चा व असमंजस का विषय बन गया है। एक ओर जहां कुछ अधिकारी इसे अनुशासन और एकरूपता की दिशा में सकारात्मक पहल मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर फील्ड और वर्कशॉप में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए यह ड्रेस कोड उलझन का कारण बन गया है। कोल इंडिया ने सभी स्तर के कर्मचारियों, अध्यक्ष से लेकर जनरल असिस्टेंट तक के लिए एक समान ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रति कर्मचारी १२५०० रुपए की राशि ड्रेस खरीदने हेतु स्वीकृत की गई है। ड्रेस के रंग और पैटर्न निर्धारित किए गए हैं, जिनमें हल्के नीले रंग की शर्ट प्रमुख है।इस फैसले ने फील्ड और वर्कशॉप कर्मचारियों के बीच चिंता की लहर दौड़ा दी है। धूल, कोयला, ग्रीस और मोबिल से सने कार्यक्षेत्रों में हल्के रंग की ड्रेस पहनना कितना व्यावहारिक है, यह अब चर्चा का विषय बन चुका है। वर्कशॉप टेक्नीशियन कहते हैं कि हमारा रोज का काम मशीनों की मरम्मत करना होता है। हाथों में ग्रीस और मोबिल लगा रहता है। ऐसे में हल्के रंग की ड्रेस हर दिन गंदी होगी और दाग छुड़ाना नामुमकिन है। फील्ड कर्मचारी सवाल करते हैं कि खुले खदान में धूल, कोयले और कीचड़ में काम करना पड़ता है। हल्के नीले कपड़े कब तक टिकेंगे।हालांकि हर कोई इस फैसले से परेशान नहीं है। कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों का मानना है कि एकरूप ड्रेस कोड से कॉर्पोरेट संस्कृति मजबूत होगी और संस्थान की पहचान निखरेगी। ज्ञात हो कि ड्रेस कोड से अनुशासन बढ़ता है। हम पूरी तरह से पालन करेंगे, लेकिन कंपनी को फील्ड कर्मचारियों की समस्याओं को भी ध्यान में रखना चाहिए।कर्मचारियों की मांग है कि फील्ड व वर्कशॉप कर्मचारियों के लिए ड्रेस का रंग और कपड़ा अलग रखा जाए। ग्रीस-धूल झेल सकने योग्य, डार्क कलर और वॉशेबल फैब्रिक का इस्तेमाल हो। ड्रेस का रखरखाव और रिप्लेसमेंट पॉलिसी भी स्पष्ट की जाए। कोल इंडिया को जल्द ही कर्मचारियों की बात सुनकर समायोजन करने की आवश्यकता है, वरना यह छोटा सा ड्रेस कोड मामला आंदोलन की चिंगारी भी बन सकता है।फिलहाल ऑफिस से लेकर खदान तक सभी की नजरें प्रबंधन के अगले कदम पर टिकी हैं।

पुलिस व उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

250 से अधिक हुए लाभान्वित

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर रक्षित केंद्र स्थित सामुदायिक भवन में पुलिस जवानो, अफसरों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बुधवार, ११ जून २०२५ को किया गया। इसमें जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों व उनकी टीम के द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में जवानों, अफसरों व परिजनों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर सहित अन्य परीक्षण किये गए। स्वास्थ्य जांच शिविर में जिला पुलिस बल के लगभग २५० अधिकारियों व कर्मचारियों सहित परिजनों ने अपना जांच कराया एवं स्वास्थ्य परामर्श लिया। स्वास्थ्य जांच के बाद डॉक्टरों ने जवानों को नियमित रुप से स्वास्थ्य जांच कराने की भी सलाह दी। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। खासकर पुलिसकर्मियों का स्वस्थ रहना तो और भी जरूरी है। लोगों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए उन्हें स्वस्थ रहना होगा। स्वास्थ्य शिविर तो हर जगह आयोजित होते रहते हैं लेकिन यह स्वास्थ्य शिविर मुख्य रूप से पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित किया गया है क्योंकि पुलिस कर्मचारी के लिए अत्यंत व्यस्तता के चलते अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पाना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार के मेडीकल कैम्प के आयोजन से समय रहते हमारे पुलिस परिवार के लोग गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्हें प्राथमिक स्तर पर ही बीमारी की जानकारी प्राप्त हो जाती है जिससे वह समय रहते उपचार लेकर स्वस्थ्य रह सकते हैं। हमारा प्रयास होगा कि भविष्य में इस तरह के स्वस्थ्य शिविरों का आयोजन होता रहे। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर शामील डॉक्टरों व उनकी टीम के अमुल्य समय पुलिस एवं उनके परिवारजनों को देने के लिए आभार व्यक्त जताया।

इस शिविर में एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक प्रकाश राठौर, जावेद मियादांद, पुलिस लाईन, थाना व चौकी के पुलिस अधिकारी व जवानों तथा उनके परिजन लाभान्वित हुए। जिला चिकित्सालय के सीएचओ सरस्वती यादव, उषा सिंह, आरएचओ बालेश्वर मिश्रा, डिम्पल पाण्डेय, मुकेश देवांगन, बिंदेश कुशवाहा, माया शर्मा, एएनएम नीता साहू, लवांगों राजवाड़े, राजकुमारी राजवाड़े ने स्वास्थ्य शिविर में सक्रिय भूमिका निभाई।

स्व विद्याचरण शुक्ल को दी गई श्रद्धांजलि

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी के निवास पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पं विद्या चरण शुक्ल के पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि स्व शुक्ल का देश की राजनीति में महत्वपूर्ण दखल रहा, छत्तीसगढ़ की पहचान में श्री शुक्ल की भूमिका महत्वपूर्ण रही है,शुक्ल के दिखाए रास्ते पर चलकर हम देश और राज्य को उन्नत बनाने में सदा प्रयासरत रहें,श्रद्धांजलि अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विवेकानंद चौबे,उपभोक्ता सरंक्षण के सदस्य सुभाष , अनूप अग्रवाल, आलमगीर इराकी, दिनेश चौबे, मुख्तार अहमद, अनवर खान,पंकज चौबे,वसीम, राम सिंग पार्षद,दीपक अग्रवाल, राजेश साहू,अफरोज खान,हेमंत साहू, अंशुल गोयल, गंगा राजवाड़े,नसीम,देवनारायण,विजय सिंह आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन शिवम ने किया।

अमरजीत सिंह का घर सूरज की रोशनी से हुआ रोशन

जांजगीर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम जनजीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के अंतर्गत लोग अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं। योजना के तहत उपभोक्ताओं को कम ब्याज दर पर ऋण के साथ-साथ 30 हजार से 78 हजार रुपये तक की अनुदान राशि भी दी जा रही है।

जांजगीर जिले के चांपा नगर निवासी श्री अमरजीत सिंह सलूजा इस योजना से लाभान्वित होने वालों में एक हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराया है, जिस पर उन्हें शासन की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। श्री सलूजा ने बताया कि सोलर सिस्टम लगाने से पहले उनका बिजली बिल काफी अधिक आता था, जिससे उनका घरेलू बजट प्रभावित होता था। लेकिन अब सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह से शून्य हो गया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना से न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि बिजली कटौती की समस्या से भी छुटकारा मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना को "एक पंथ दो काज" की संज्ञा देते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यावरण को लाभ हो रहा है, बल्कि आमजन को आर्थिक राहत भी मिल रही है।

श्री सलूजा ने बताया कि अब चांपा में सोलर सिस्टम को लेकर लोगों में जागरूकता और विश्वास तेजी से बढ़ रहा है। वे स्वयं भी लोगों को इस योजना की जानकारी देकर प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आम जनता के लिए एक दूरदर्शी और सशक्त कदम है, जो पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि दोनों में सहायक साबित हो रही है।

संभागीय उपायुक्त ने किया ओड़गी जनपद का निरीक्षण, 00 कार्यालयों की व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। संभाग के उपायुक्त आर. के. खोटे द्वारा गत दिवस जनपद पंचायत ओड़गी के समस्त कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यालयों के दस्तावेजों का अवलोकन भी किया तथा कार्यप्रणाली की समीक्षा की।निरीक्षण के पश्चात जनपद पंचायत के सभा कक्ष में सचिवों, रोजगार सहायकों एवं तकनीकी सहायकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री खोटे ने ग्राम पंचायत भवनों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पंचायत सचिवों की समय पर एवं नियमित उपस्थिति को अनिवार्य बताया।उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में पंजी संधारण एवं आर.टी.आई. से संबंधित जानकारी समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सामुदायिक शौचालयों के नियमित उपयोग के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी नियमन लागू करने के निर्देश भी दिए गए।इसके अतिरिक्त एस.एल.आर.एम. केंद्र में कचरा संग्रहण की व्यवस्था सुदृढ़ करने और नियमित कर वसूली की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए भी उपायुक्त ने निर्देशित किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री खोटे ने कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की सलाह दी और योजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन में कोई कोताही न बरतने का संदेश दिया।

देव स्नान एवं अभिषेक से रथयात्रा महोत्सव का हुआ आगाज

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। बुधवार पूर्णिमा तिथि को देव स्नान एवं अभिषेक के साथ रथयात्रा महोत्सव का विधि विधान के साथ शुभारंभ हो गया।बता दें कोयलांचल में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री जगन्नाथ सेवा समिति उत्कल समाज, बिश्रामपुर-कुम्दा द्वारा जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव एक बार फिर भक्ति, श्रद्धा और संस्कृति के अनमोल रंगों से सराबोर होने जा रहा है। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आयोजित यह पावन पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का भी जीवंत प्रतीक बन चुका है। यहां पर इस बार भी महाप्रभु जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ विहार का साक्षी बनने हजारों श्रद्धालु बिश्रामपुर में जुटेंगे। रथ यात्रा की रौनक, संकीर्तन की गूंज, फूलों से सजी सड़कों पर रथ खींचने की होड़, और महाप्रसाद की दिव्यता ये सब मिलकर इस आयोजन को अद्वितीय बनाते हैं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि जगन्नाथ रथयात्रा के अवसर पर आज ११ जून बुधवार देव स्नान पूर्णिमा को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का विशेष अभिषेक किया गया।२६ जून गुरुवार को नेत्र उत्सव व नवयौवन दर्शन में महाप्रभु के नेत्रों के दर्शन और नवयौवन स्वरूप का सजीव अनुभव कराया जाएगा। अन्न-कढ़ी भोग का वितरण होगा। २७ जून शुक्रवार को महाप्रभु अपने रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। रथ खींचने की परंपरा में भाग लेना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। दही-चूड़ा और पुरी भोग का प्रसाद वितरित किया जाएगा। १ जुलाई मंगलवार को माता लक्ष्मी के मंदिर तक विशेष यात्रा निकाली जाएगी।

५ जुलाई शनिवार को बाहुड़ा यात्रा कराकर रथ यात्रा का समापन पारंपरिक अन्नभोग के साथ किया जाएगा।६ जुलाई रविवार को महाप्रभु को स्वर्ण आभूषणों से सजा कर फलाहार भोग कराया जाएगा।

७ जुलाई सोमवार को शरबत और शीतल पेयों का प्रसाद, ८ जुलाई मंगलवार को श्रीजगन्नाथ जी पुनः सिंहासन पर विराजमान करा छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। १९ जुलाई शनिवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन का समापन खिचड़ी भोग और विशेष भजन कीर्तन के साथ कराया जाएगा। ज्ञात हो कि रथ यात्रा में भाग लेना मोक्षदायी माना जाता है। मान्यता है कि एक बार रथ खींचने से भी जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। रथयात्रा कार्यक्रम में सांस्कृतिक एकता की मिसाल भी देखने को मिलती है, जहां हर समाज, हर जाति, हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर महाप्रभु की सेवा में जुट जाते हैं।

देवस्नान चंदन जात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर गोंचा पर्व का हुआ शुभारंभ

जगदलपुर। रियासत कालीन बस्तर गोंचा पर्व 2025 में देव स्नान चंदन जात्रा पूजा विधान 11 जून बुधवार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के शुभ मुहर्त में 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के उमाशंकर पाढ़ी एवं राधाकांत पानीग्राही के नेतृत्व में संपन्न करवाया गया । परंपरानुसार ग्राम आसना से महेंद्र जोशी के निवास में स्थापित भगवान शालीग्राम को लाकर श्रीजगन्नाथ मंदिर में स्थापित किया गया, तत्पश्चात 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों द्वारा इंद्रावती नदी से पवित्र जल लाकर शताब्दियों पुरानी परंपरानुसार भगवान शालीग्राम का पंचामृत, चंदन एवं इंद्रावती नदी के पवित्र जल से अभिषेक कर विधि-विधान से देव स्नान पूर्णिमा चंदन जात्रा पूजा विधान संपन्न किया गया ।

इस वर्ष योग संगम - हरित योग थीम पर होगा योगदिवस का आयोजन

सूरजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। २१ जून को ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर "योग संगम" - "हरित योग" थीम के अन्तर्गत पूरे जिले में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस वर्ष की फ्लैगशिप थीम के अनुरूप जनपद नगर मुख्यालय तथा ग्राम पंचायत स्तर तक विविध योग गतिविधियां संचालित होंगी।प्रमुख स्थलों पर होंगे सामूहिक योग अभ्यासइस अवसर पर जिले के शासकीय/निजी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उद्योगों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की भागीदारी के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों के प्रमुख स्थलों जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक, सार्वजनिक महत्व के स्थानों, अमृत सरोवर, पार्क एवं पर्यटन स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियांहरित योग" थीम के अनुरूप योग दिवस के कार्यक्रमों में पौधरोपण, बीज वितरण, पौध संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं पर्यावरण जागरूकता जैसी गतिविधियों को भी सम्मिलित किया जाएगा। इससे योग के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।इसके अलावा युवाओं में योग के प्रति रुचि व जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "योग अनप्लगड" थीम पर छात्र-छात्राओं को जोड़ते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

योग महाकुंभ" थीम के तहत १५ से २१ जून तक योग सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान हर जिले में जनसामान्य, एनजीओ, संस्थाओं और विद्यार्थियों की भागीदारी से विभिन्न योग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।"योग समावेश" थीम के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, वंचित समूह, विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति और समस्त आयु वर्ग के महिला-पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।जिले के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी करें और योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।